सच, सिर्फ सच

**

वॉयस ऑफ लखनऊ

शुक्रवार, 05 जून, 2026 लखनऊ, महानगर, वर्ष 21, अंक 151, पेज 12, 3.50 रुपये

www.facebook.com/volepaper voiceoflucknow@gmail.com www.voiceoflucknow.com

सेंसेक्स में 14 अंकों की उछाल

पश्चिम एशिया में जारी तनाव और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच सेंसेक्स में 14 अंक और निफ्टी में 11 अंक की मामूली बढ़त रही। } 10

भारत-वेनेजुएला ने लिया ऊर्जा साझेदारी का संकल्प

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के साथ व्यापक वार्ता की। दोनों देशों ने अपनी जरूरतों पर आधारित दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी स्थापित करने का संकल्प भी लिया। } 12

यूपी में रोक के बावजूद बढ़ा बिजली का बिल

बिजली बिलिंग सॉफ्टवेयर में 10 फीसदी ईंधन अधिभार शुल्क की वसूली लागू

वरिष्ठ संवाददाता

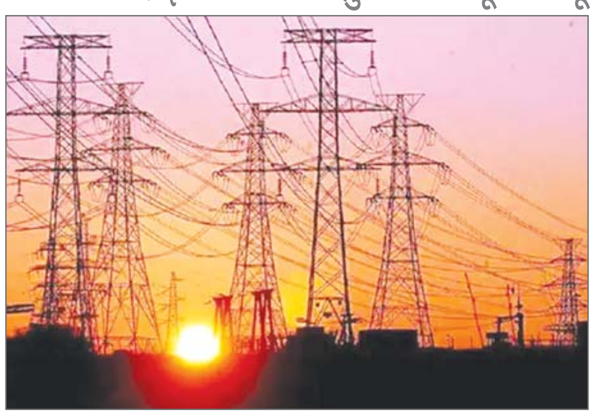

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने बिजली ग्राहकों को नियामक आयोग के रोक के बाद भी बिजली बिलिंग सॉफ्टवेयर में 10 फीसदी ईंधन अधिभार शुल्क की वसूली लागू कर दी गई है। इसे लेकर उपभोक्ता परिषद ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। नियामक आयोग में विधिक के साथ ही अवमानना प्रस्ताव दायर करते हुए कठोर कार्रवाई की मांग की है। मुख्यमंत्री व ऊर्जा मंत्री से इस पर तत्काल रोक लगाने और बिल जमा कर चुके उपभोक्ताओं का अतिरिक्त पैसा लौटवाने का अनुरोध किया है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा है कि आयोग द्वारा 10 फीसदी ईंधन अधिवर शुल्क के आदेश को नियमों के विपरीत बताया गया। इसके बावजूद भी पावर कारपोरेशन गुपचुप तरीके से बिलिंग सॉफ्टवेयर में बदलाव करके वसूली चालू कर दी है, जिससे पूरे प्रदेश के 3 करोड़ 73 लाख उपभोक्ताओं में भारी नाराजगी है जो बड़े आंदोलन का रूप ले सकती है। उन्होंने कहा पावर कॉरपोरेशन भले ही मनमाने तरीके से 10 प्रतिशत पैसे की वसूली कर रहा है लेकिन उसे यह याद रखना पड़ेगा कि उसे सभी पैसा वापस करना पड़ेगा। विद्युत ...शेष पृष्ठ 10 पर

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में यूपी ने रचा इतिहास, कई श्रेणियों में प्रथम स्थान

❍ लखनऊ बना देश का नंबर-1 सोलर जिला ❍ सौर ऊर्जा क्रांति का अग्रदूत बना उत्तर प्रदेश

लखनऊ। नई दिल्ली में आयोजित पीएम सूर्य घर पुरस्कार समारोह में उत्तर प्रदेश ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल कर देशभर में अपना परचम लहराया। राज्य को विभिन्न श्रेणियों में शीर्ष स्थान प्राप्त हुए, जिससे स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा के क्षेत्र में उसकी अग्रणी भूमिका और मजबूत हुई है। पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत देशभर में हुए सोलर इंस्टॉलेशन के आधार पर उत्तर प्रदेश ने टॉप थ्री स्टेट इंस्टॉलेशन श्रेणी में तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस श्रेणी में गुजरात प्रथम स्थान पर रहा। उत्तर प्रदेश की यह उपलब्धि राज्य में सौर ऊर्जा के प्रति बढ़ती जागरूकता एवं प्रभावी क्रियान्वयन का प्रमाण है।

पुरस्कार सूची के अनुसार सौर ऊर्जा माह (मई 2026) में उच्च स्तरीय उपभोक्ता आधार श्रेणी में उत्तर प्रदेश ने सर्वाधिक उपभोक्ता आवेदन (1,02,035), सर्वाधिक सौर संयंत्र स्थापना (64,734) तथा सर्वाधिक विक्रेता पंजीकरण (779) के लिए देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त डिस्कॉम निरीक्षणों की श्रेणी में राज्य को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त जनपद लखनऊ ने देश में कुल रूफटॉप स्थापना (1 लाख से अधिक) में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश में अब तक 5.64 लाख से अधिक रूफटॉप सोलर संयंत्रों की स्थापना हो चुकी है, जिससे राज्य देश के अग्रणी सौर ऊर्जा राज्यों में शामिल हो गया है। यह उपलब्धि केंद्र एवं राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों तथा जनभागीदारी का परिणाम है। जिला स्तर पर सोलर इंस्टॉलेशन के मामले ...शेष पृष्ठ 10 पर

देश के लिए रोल मॉडल बना यूपी का पंचायती राज विभाग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का पंचायती राज विभाग ग्रामीण सुशासन और डिजिटल क्रांति की नई परिभाषा लिख रहा है। भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय की ओर से देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सर्वश्रेष्ठ पहलों पर जारी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय संकलन 'नेशनल कंपेंडियम' में उत्तर प्रदेश की तीन अत्यंत महत्वपूर्ण और अभिनव पहलों को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। केंद्र सरकार की ओर से इन पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा जाना इस बात का जीवंत प्रमाण है कि उत्तर प्रदेश जमीनी स्तर पर तकनीकी बदलाव, ग्रामीण सुरक्षा और राजकोषीय हस्तांतरण में पूरे देश का नेतृत्व कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों को उत्तर प्रदेश सरकार ने अत्याधुनिक तकनीक ...शेष पृष्ठ 10 पर

अर्थव्यवस्था को गति देने में पर्यटन की अहम भूमिका

सांस्कृतिक पर्यटन से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति व सेवा क्षेत्र को मिलेंगे अवसर

विशेष संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक परंपरा और ज्ञान विरासत का प्रतिनिधि प्रदेश है। पर्यटन विकास को केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित न रखते हुए उसे सांस्कृतिक पुनर्जागरण, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और वैश्विक पहचान से जोड़कर आगे बढ़ाया जाना चाहिए। गुरुवार को पर्यटन विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई गति देने में पर्यटन की महत्वपूर्ण भूमिका है। पर्यटन विकास के माध्यम से स्थानीय उत्पादों, हस्तशिल्प, पारंपरिक कला, खानपान, संस्कृति और सेवा क्षेत्र को भी व्यापक अवसर प्राप्त होंगे।

भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण से जुड़े ज्ञान भारतम मिशन की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की प्राचीन पांडुलिपियां हमारी सभ्यता, दर्शन, विज्ञान और सांस्कृतिक चेतना की अमूल्य धरोहर हैं। इनका संरक्षण और डिजिटलीकरण केवल अभिलेखीकरण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को अपनी जड़ों से जोड़ने का माध्यम है। बैठक में अब तक 13 लाख 70 हजार से अधिक पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, डिजिटलीकरण और संरक्षण की प्रगति की जानकारी दी गई। पर्यटन नीति-2022 में प्रस्तावित संशोधनों की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश को निवेश, नवाचार और अनुभव आधारित पर्यटन का अग्रणी केंद्र बनाया जाए। बैठक में नीम करोली बाबा सर्किट तथा बुंदेलखंड फोर्ट सर्किट के रूप में नए क्षेत्रों के विकास पर चर्चा हुई। साथ ही परंपरा विरासत अनुभव केंद्र, कृषि पर्यटन तथा वाइनयार्ड पर्यटन जैसी नई अवधारणाओं को बढ़ावा देने पर भी विचार-विमर्श किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यटन नीति ऐसी हो जो निवेश आकर्षित करे, रोजगार बढ़ाए और पर्यटकों को विशिष्ट अनुभव प्रदान करे। मुख्यमंत्री ने लखनऊ में नव लोकार्पित नौसेना शौर्य वाटिका और निमार्णाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय की समीक्षा करते हुए कहा कि यह परियोजना राष्ट्रभक्ति, सैन्य गौरव और भारत की समुद्री विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम बनेगी। उन्होंने कहा कि इसका संचालन लखनऊ विकास प्राधिकरण की ओर से किया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि निर्माणाधीन आईएनएस गोमती शौर्य संग्रहालय में भारतीय नौसेना के गौरवशाली इतिहास, समुद्री शक्ति, नौसैनिक अभियानों, आईएनएस गोमती की यात्रा, नौवहन परंपरा और भारत की समुद्री विरासत को आधुनिक तकनीक, इंटरैक्टिव गैलरियों, सिम्युलेटर, युवा कैडेट एरीना तथा विविध ...शेष पृष्ठ 10 पर

एक पेड़ मां के नाम : 5 करोड़ पौधे लगायेगी योगी सरकार

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत उत्तर प्रदेश में व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुकरैल वन क्षेत्र से इसकी शुरुआत करेंगे। उनके नेतृत्व में पूरे राज्य में एक दिन में पांच करोड़ पौधे लगाये जाएंगे। इसके लिए सभी विभागों एवं मंडलों के लक्ष्य निर्धारित कर दिए गए हैं। एक बयान के मुताबिक पर्यावरण दिवस पर वन विभाग की तरफ से मुख्य आयोजन इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होगा, जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कुकरैल वन क्षेत्र में वृहद पौधरोपण होगा। सबसे पहले यहां ...शेष पृष्ठ 10 पर

डीजी फायर ने परखी होटलों की फायर सेफ्टी

सभी इमारत, अस्पताल, होटल, मॉल व अन्य प्रतिष्ठानों में चेक होगी फायर सुरक्षा

वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ। दिल्ली के मालवीय नगर में हुए भीषण अग्निकांड के बाद फायर विभाग एलर्ट मोड पर है। डीजी फायर सुजीत पांडेय ने प्रदेश में सभी हाईराइज इमारतों, अस्पतालों, होटलों, मॉल और अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच और गहन परीक्षण के निर्देश दिए। गुरुवार को गोमतीनगर स्थित होटल क्लासिको पहुंचकर उन्होंने फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डीजी फायर ने होटल में मौजूद अग्निशमन उपकरणों, फायर अलार्म सिस्टम, इमरजेंसी एग्जिट, फायर फाइटिंग सिस्टम और अन्य सुरक्षा मानकों की जांच की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। डीजी फायर सुजीत पांडेय ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले से ही आगजनी की घटनाओं को लेकर अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दे चुके हैं। उनके निर्देशों के अनुसार प्रदेशभर में नियमित फायर ड्रिल और सुरक्षा ऑडिट कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हुई घटना के बाद मुख्यमंत्री ने उच्चस्तरीय बैठक कर अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। इसके तहत ...शेष पृष्ठ 10 पर

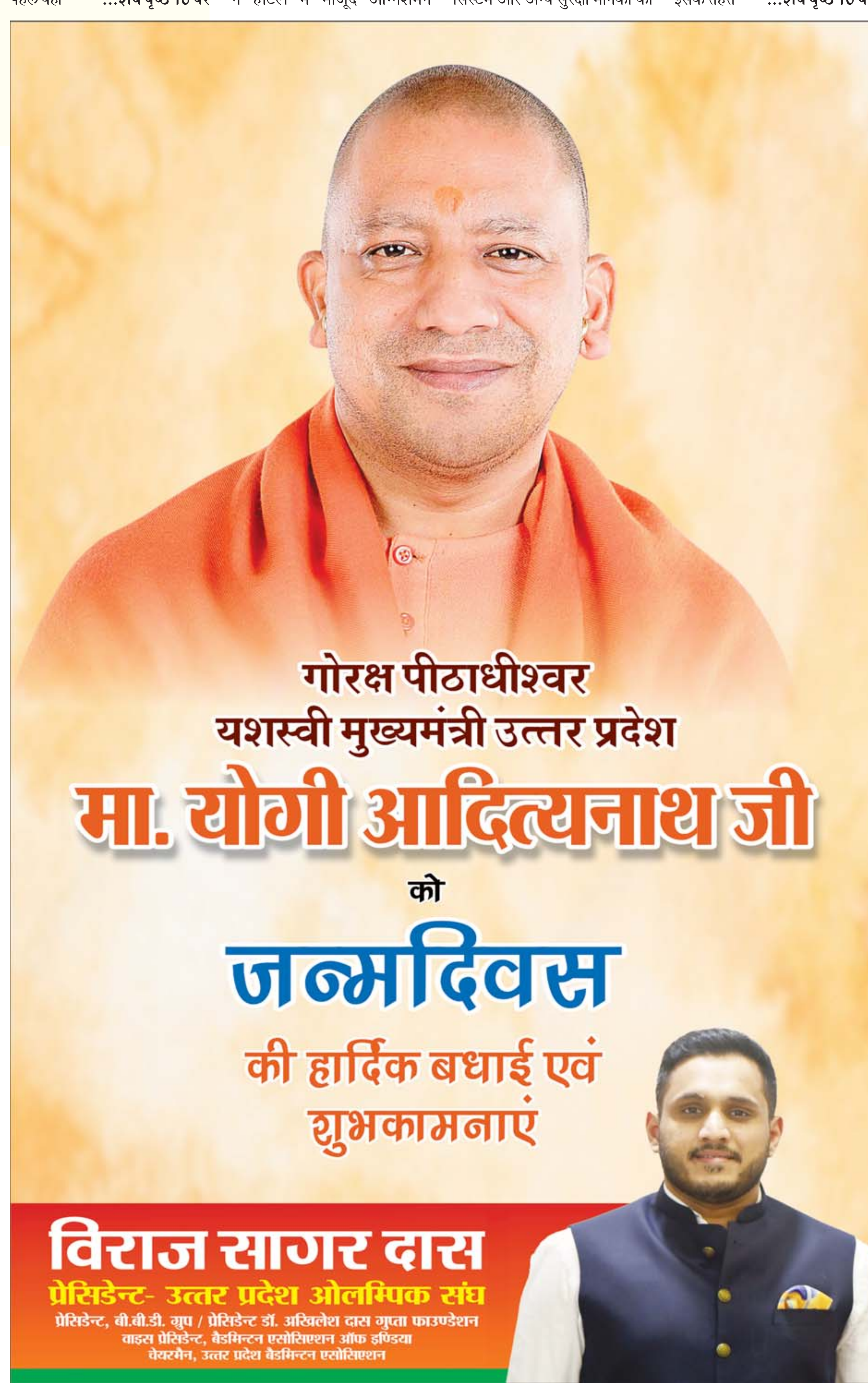

बीबीडी ग्रुप की चेयरपर्सन श्रीमती अलका दास गुप्ता व प्रेसिडेंट विराज सागर दास, वाइस प्रेसिडेंट देवांशी दास व सोनाक्षी दास ने की पूजा-अर्चना

बीबीडी कैम्पस में मना श्री सिद्धि गणेश मंदिर का 18वां स्थापना दिवस

फोटो : अमित वर्मा

अनिल कुमार सिंह

लखनऊ। बी.बी.डी. कैम्पस स्थित श्री सिद्धि गणेश मंदिर का स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। महाप्रभु श्री गणेश जी के विशेष पूजन, पूणार्हूति एवं महाआरती में बी.बी.डी. एजुकेशनल ग्रुप की चेयरपर्सन श्रीमती अलका दास गुप्ता एवं बी.बी.डी. ग्रुप के प्रेसिडेंट विराज सागर दास, वाइस प्रेसिडेंट श्रीमती देवांशी दास एवं सोनाक्षी दास ने भाग लिया। महाप्रभु श्री गणेश जी की पूजा सुबह 9:00 बजे से शुरू हुई जिसमें षोडशोपचार पूजन के बाद महाप्रभु श्री गणेश जी का विशेष पूजन सहस्त्रार्चन दूर्वा, खीर व मोदक द्वारा किया गया। इस पूजा में बी.बी.डी. परिवार के लोगों ने भाग लिया। इस अवसर पर बी.बी.डी. एजुकेशनल ग्रुप के सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने भगवान श्री गणेश जी की पूजा में भाग लिया। सायंकाल 4 बजे से विशेष पूजन, हवन की पूणार्हुति के बाद महाप्रभु को भोग लगाकर सार्वजनिक भण्डारा शुरू हुआ, जिसमें आस-पास के गांव के हजारों भक्तों के साथ ही बी.बी.डी. शिक्षण समूह के फैकल्टी, स्टाफ एवं छात्र-छात्राओं ने भण्डारे का प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद रात्रि 8:30 बजे से महाप्रभु श्री गणेश जी की महाआरती, जय गणेश जय गणेश देवा से हुई और भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

हजारों लोगों ने ग्रहण किया भंडारे का प्रसाद

18 मंडलों में मां के नाम लगेंगे 5 करोड़ पौधे

विशेष पौधरोपण अभियान चलाने का विभागों को मिला लक्ष्य

विशेष संवाददाता (vol)

- कुकरैल में होगा वृहद पौधारोपण, मुख्यमंत्री करेंगे शुभारंभ

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर विश्व पर्यावरण दिवस पर शुक्रवार को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत व्यापक स्तर पर पौधरोपण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कुकरैल वन क्षेत्र से इसका शुभारंभ करेंगे। उनके नेतृत्व में पूरे राज्य में एक दिन में 5 करोड़ पौधरोपण किए जाएंगे। इसके लिए सभी विभागों व मंडलों के लक्ष्य निर्धारित कर दिए गए हैं। पर्यावरण दिवस पर वन विभाग की तरफ से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्य आयोजन होगा, जिसमें मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कुकरैल वन क्षेत्र में वृहद पौधरोपण होगा। सबसे पहले यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पौधरोपण करेंगे। यहां 200 से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इस कार्यक्रम में वन मंत्री अरुण सक्सेना, प्रभारी मंत्री, प्रमुख सचिव, विभागाध्यक्ष समेत वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। इसके पश्चात प्रदेश के 17 नगर निगमों, 825 विकास खंडों, 762 नगर निकायों समेत सभी ग्राम पंचायतों में यह अभियान पूरे दिन चलेगा। वन विभाग के संयोजकत्व में ग्राम्य विकास, पंचायती राज, कृषि, उद्यान, नगर विकास आदि विभागों के सहयोग से अमृत सरोवर, तालाबों, सड़कों, एक्सप्रेसवे, नदियों, नहरों आदि के किनारे पौधे लगाए जाएंगे। इसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों आदि की भी सहभागिता होगी।

लखनऊ मंडल में 62 लाख, बरेली में 32.21 लाख व प्रयागराज में लगेंगे 32.17 लाख पौधे

मंडल	लक्ष्य	मंडल	लक्ष्य
मेरठ	19,06,000	गोरखपुर	24,75,000
सहारनपुर	14,86,000	बस्ती	16,01,000
आगरा	24,67,000	आजमगढ़	18,93,000
अलीगढ़	18,97,000	लखनऊ	62,77,000
मुरादाबाद	27,60,000	अयोध्या	30,41,000
बरेली	32,21,000	देवीपाटन	29,34,000
प्रयागराज	32,17,000	कानपुर	31,83,000
वाराणसी	24,83,000	झांसी	31,67,000
मीरजापुर	28,63,000	चित्रकूट	31,29,000

ग्राम्य विकास तथा कृषि विभाग लगाएगा पौधे

विभाग	लक्ष्य
ग्राम्य विकास विभाग	3 करोड़
कृषि विभाग	75 लाख
वन विभाग	50 लाख
उद्यान विभाग	50 लाख
पंचायती राज विभाग	20 लाख
नगर विकास	5 लाख
कुल	5 करोड़

विश्व पर्यावरण दिवस पर लखनऊ से उठेगी हरित क्रांति की नयी आवाज

- बायोप्लास्टिक अपनाने की बड़ी पहल का होगा शुभारंभ
- रक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री की मौजूदगी में बीसीएमएल और लखनऊ कैंटोनमेंट बोर्ड लॉन्च करेंगे बायोयुग ग्रीन कमांड-2026

लखनऊ। पर्यावरण संरक्षण, सर्कुलर इकोनॉमी और हरित औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने की दिशा में उत्तर प्रदेश एक और महत्वपूर्ण कदम बढ़ाने जा रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर 5 जून को लखनऊ छावनी स्थित दिलकुशा लॉन में आयोजित होने वाले ₹बायोयुग ग्रीन कमांड-2026 में पारंपरिक प्लास्टिक के विकल्प के रूप में बायोप्लास्टिक को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने की पहल का शुभारंभ किया जाएगा। इस कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

उत्तर प्रदेश को देश का एथेनॉल हब बनाने की दिशा में लगातार काम कर रही योगी सरकार अब गन्ना आधारित उद्योगों से निकलने वाले नवाचारों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ रही है। प्रदेश में एथेनॉल उत्पादन, जैव ऊर्जा और हरित उद्योगों को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों के बीच बायोप्लास्टिक का यह अभियान सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

भारत की अग्रणी इंटीग्रेटेड शुगर एवं एथेनॉल कंपनियों में शामिल बलरामपुर चीनी मिल्स लिमिटेड (बीसीएमएल) और लखनऊ कैंटोनमेंट बोर्ड के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में नीति निर्माताओं, उद्योग जगत, रक्षा क्षेत्र, शोध संस्थानों और पर्यावरण विशेषज्ञों का संगम देखने को मिलेगा। कार्यक्रम में बायोप्लास्टिक को बड़े पैमाने पर अपनाने की रणनीति, उत्पादन क्षमता, निवेश अवसरों और बाजार विस्तार पर विस्तृत चर्चा होगी। कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण दो उच्चस्तरीय पैनल चर्चाएं होंगी। पहली चर्चा मैंडेट टू मार्केट: अनलॉकिंग द बायोप्लास्टिक्स वैल्यू चेन इन उत्तर प्रदेश विषय पर केंद्रित होगी, जिसमें राज्य में बायोप्लास्टिक्स उद्योग के विकास, निवेश संभावनाओं और सरकारी सहयोग पर विमर्श किया जाएगा। वहीं दूसरी चर्चा फ्रॉम मेस मिशन : बायोप्लास्टिक्स फॉर डिफेंस में रक्षा क्षेत्र में बायोप्लास्टिक के उपयोग, अपशिष्ट प्रबंधन और पर्यावरणीय लाभों पर विशेषज्ञ अपने विचार रखेंगे।

यूपी में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के समाधान पर होगी चर्चा

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) पर वन, पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन विभाग की तरफ से इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मुख्य महोत्सव होगा, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। क्लीन यूपी, ग्रीन यूपी के तहत यहां उत्तर प्रदेश में जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान विषय पर राज्य स्तरीय संगोष्ठी भी होगी। इसमें वैज्ञानिक, पर्यावरण विशेषज्ञ, शिक्षाविद्, उद्योग प्रतिनिधि, युवा संगठन, अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं व समाज के प्रतिनिधियों की भी सहभागिता रहेगी। यह जानकारी वन मंत्री डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने दी। उन्होंने बताया कि आयोजन स्थल पर विशेष प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी, जिसमें उत्तर प्रदेश की अग्रणी पर्यावरणीय पहल, जलवायु परिवर्तन से संबंधित तकनीकी नवाचार, सतत विकास की सफल परियोजनाओं व संरक्षण के उत्कृष्ट उदाहरणों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। कई तकनीकी सत्रों में भी महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा होगी। कार्यक्रम में विश्व बैंक के सहयोग से 2741 करोड़ की लागत वाली भारत की पहली एयरशेड आधारित उत्तर प्रदेश क्लीन एयर मैनेजमेंट प्रोजेक्ट परियोजना की लॉन्चिंग करेंगे। पौधरोपण महाअभियान-2026 के अंतर्गत 35 करोड़ पौधरोपण महाभियान के लोगो का अनावरण, उत्तर प्रदेश के रामसर स्थलों के डॉकेट का विमोचन भी होगा। सीएम योगी उत्तर प्रदेश स्वच्छ वायु प्रबंध परियोजना की वेबसाइट का अनावरण, वीडियो लॉन्चिंग, लोगो डिजाइन प्रतियोगिता व उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत करेंगे। साथ ही वेटलैंड वाले गांवों के प्रधानों को प्रमाण पत्र भी वितरित किया जाएगा।

अमृत सरोवरों से पर्यावरण संरक्षण और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रदेश के सभी अमृत सरोवर स्थलों पर 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस तथा 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर व्यापक जनभागीदारी के साथ विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि अमृत सरोवर केवल जल संरक्षण के केंद्र नहीं हैं, बल्कि इन्हें पर्यावरण संरक्षण, जनजागरूकता और सामाजिक सहभागिता के प्रभावी मंच के रूप में विकसित किया जाना चाहिए।

उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य के निर्देशों के क्रम में ग्राम्य विकास विभाग की ओर से सभी जनपदों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। निर्देशों में कहा गया है कि विश्व पर्यावरण दिवस पर अमृत सरोवरों के आसपास वृक्षारोपण अभियान, स्वच्छता अभियान, जल संरक्षण एवं जैव विविधता संरक्षण संबंधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने वाली अन्य गतिविधियों को भी प्रोत्साहित किया जाए। उन्होंने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर अमृत सरोवर स्थलों पर योग सत्र आयोजित कर स्थानीय समुदाय, स्कूली छात्र-छात्राओं, स्वयं सहायता समूहों, आजीविका मिशन की महिलाओं, पंचायत प्रतिनिधियों, सरकारी अधिकारियों तथा अन्य हितधारकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाए। श्री मौर्य ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अमृत सरोवर उपयोगकर्ता समूहों, स्वयं सहायता समूहों, पद्म पुरस्कार प्राप्त व्यक्तियों, स्वतंत्रता सेनानियों एवं उनके परिजनों, युवा समूहों, शिक्षण संस्थानों तथा जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रमों से जोड़ते हुए व्यापक जनसहभागिता सुनिश्चित की जाए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इन अवसरों पर ग्राम पंचायत स्तर पर विशेष संवाद कार्यक्रमों का आयोजन कर ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, पर्यावरण संरक्षण, जल संवर्धन तथा ग्रामीण विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक किया जाए। आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग जी एस प्रियदर्शी ने सभी जनपदों को निर्देश दिए हैं कि आयोजित कार्यक्रमों की फोटोग्राफ तथा गतिविधियों का विवरण मिशन अमृत सरोवर पोर्टल पर अपलोड किया जाए तथा कार्यक्रम सम्पन्न होने के दो दिवस के भीतर राज्य मुख्यालय को विस्तृत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए।

जनगणना और शिक्षा व्यवस्था में संतुलन बनाते हुए तय की गयी स्थानांतरण नीति : संदीप सिंह

लखनऊ। योगी सरकार शिक्षकों की वास्तविक एवं मानवीय समस्याओं के समाधान के प्रति संवेदनशील है। इसी दृष्टिकोण से शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं के अंतर्जनपदीय स्थानांतरण के लिए विशेष नीति निर्धारित की गई है। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बताया कि भारत सरकार के गृह मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार जनगणना 2026-27 का कार्य संचालित किया जा रहा है, जिसमें बेसिक शिक्षा विभाग के बड़ी संख्या में शिक्षक एवं शिक्षिकाएं दायित्व निभा रहे हैं। इसी कारण इस वर्ष केवल विशेष परिस्थितियों में ही अंतर्जनपदीय स्थानांतरण की अनुमति प्रदान की गई है । अपर मुख्य सचिव बेसिक शिक्षा द्वारा जारी नीति के अनुसार शिक्षक अथवा शिक्षिका स्वयं, उनके पति या पत्नी अथवा अविवाहित पुत्र-पुत्री के दिव्यांग होने की स्थिति में स्थानांतरण का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त शिक्षक अथवा उनके अविवाहित पुत्र-पुत्री के कैंसर से पीड़ित होने या डायलिसिस पर होने की दशा में भी स्थानांतरण के आवेदन पर विचार किया जाएगा।

राजनाथ सिंह तीन दिवसीय लखनऊ दौरे पर, विभिन्न कार्यक्रमों में होंगे शामिल

लखनऊ। लखनऊ से सांसद एवं केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 5 जून से 7 जून तक तीन दिवसीय संसदीय क्षेत्र लखनऊ के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न सामाजिक, संगठनात्मक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों में भाग लेंगे तथा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नागरिकों एवं पार्टी पदाधिकारियों से संवाद करेंगे।

भाजपा लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी ने बताया कि रक्षा मंत्री 5 जून को पूर्वाह्न 11:05 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे। एयरपोर्ट से प्रस्थान कर वह पूर्वाह्न 11:15 बजे हिंद नगर, कानपुर रोड स्थित स्वर्गीय अशोक मोतियानी के आवास पर जाएंगे। इसके बाद पूर्वाह्न 11:35 बजे कृष्णा नगर स्थित स्वर्गीय दर्शन लाल के आवास पहुंचेंगे तथा पूर्वाह्न 11:55 बजे कैंट क्षेत्र की बड़ी लाल कुर्ती स्थित रूपा देवी के आवास पर मुलाकात करेंगे। अपराह्न 12:15 बजे विश्व पर्यावरण दिवस पर कैंट स्थित कस्तूरबा पार्क में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण करेंगे। अपराह्न 12:40 बजे उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के आवास पहुंचेंगे। इसके बाद कालिदास मार्ग स्थित आवास जाएंगे। सायं 4:00 बजे दिलकुशा लॉन में आयोजित ₹बायोयुग ग्रीन कमांडर₹ कार्यक्रम तथा सायं 5:25 बजे सेवा अस्पताल, सीतापुर रोड में आयोजित ₹राम कथा महोत्सव₹ में सहभागिता करेंगे। 6 जून को रक्षा मंत्री पूर्वाह्न 11:45 बजे गोमतीनगर के वास्तु खंड स्थित प्रशांत सिंह अटल के आवास पहुंचेंगे। इसके उपरांत अपराह्न 12:10 बजे निराला नगर स्थित स्वर्गीय भगवती शुक्ला के आवास पर जाकर परिजनों से मुलाकात करेंगे। सायंकाल 6:00 बजे हरदोई रोड स्थित मिलेनियम पैलेस में पश्चिम मंडल-2 के प्रबुद्ध नागरिकों एवं गणमान्य व्यक्तियों के साथ संवाद एवं बैठक करेंगे। 7 जून को रक्षा मंत्री पूर्वाह्न 12:00 बजे आलमबाग के टेढ़ी पुलिया स्थित जीपी होटल एंड बैंक्वेट में कैंट मंडल-1 के प्रबुद्ध नागरिकों एवं गणमान्य व्यक्तियों के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम के उपरांत दोपहर 1:10 बजे लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचेंगे और वहां से नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए 7 से शुरू होगी आवेदन प्रक्रिया

लखनऊ। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा राज्य अध्यापक पुरस्कार-2025 के लिए चयन प्रक्रिया, दिशा-निर्देश एवं समय-सारिणी जारी कर दी गई है। पात्र शिक्षक एवं शिक्षिकाएं 07 जून से 30 जून 2026 तक विभाग के प्रेरणा पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि राज्य अध्यापक पुरस्कार शिक्षकों के उत्कृष्ट कार्यों, नवाचारों और विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में उनके योगदान को सम्मानित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। पुरस्कार के लिए आवेदन प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन होगी तथा किसी भी प्रकार के ऑफलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। इच्छुक शिक्षक निर्धारित अवधि में प्रेरणा पोर्टल पर अपना आवेदन एवं ऑनलाइन पोर्टफोलियो प्रस्तुत कर सकेंगे। राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए केवल नियमित रूप से कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षिकाएं ही पात्र होंगे। आवेदनकर्ता के लिए न्यूनतम 15 वर्ष की नियमित सेवा पूर्ण होना आवश्यक है तथा सेवानिवृत्ति में कम से कम पांच वर्ष की अवधि शेष होनी चाहिए। संविदा शिक्षक, शिक्षामित्र, सेवानिवृत्त शिक्षक अथवा पूर्व में राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर पुरस्कृत शिक्षक इस पुरस्कार के लिए पात्र नहीं होंगे। शिक्षा निदेशक (बेसिक) अनिल भूषण चतुर्वेदी द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार 01 जुलाई से 20 जुलाई तक जनपद चयन समितियां प्राप्त आवेदनों का परीक्षण, अभिलेखीय सत्यापन एवं मूल्यांकन करेंगी। इसके बाद चयनित आवेदनों को राज्य चयन समिति को प्रेषित किया जाएगा। राज्य स्तर पर 01 अगस्त से 14 अगस्त तक पुनर्मूल्यांकन, प्रस्तुतीकरण एवं साक्षात्कार की प्रक्रिया संपन्न कराई जाएगी। राज्य अध्यापक पुरस्कार के लिए शिक्षकों का मूल्यांकन 100 अंकों की निर्धारित प्रणाली के आधार पर किया जाएगा।

आधुनिक तकनीक से सशक्त होगी सुरक्षा व्यवस्थाः सीएम

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी सुरक्षा बल की वास्तविक शक्ति उसके प्रशिक्षित, अनुशासित और तकनीकी रूप से दक्ष कार्मिक होते हैं। ऐसे में यह आवश्यक है कि सुरक्षा बलों के प्रशिक्षण व्यवस्था को अधिक व्यवहारिक और तकनीक आधारित बनाया जाए, ताकि सुरक्षा बलों के जवान हर परिस्थिति में प्रभावी और त्वरित प्रतिक्रिया देने में सक्षम हों।

गुरुवार को उत्तर प्रदेश प्रांतीय आर्म्ड कांस्टेबुलरी (पीएसी), एसडीआरएफ तथा उत्तर प्रदेश विशेष सुरक्षा बल (यूपीएसएसएफ) के आधुनिकीकरण, क्षमता विस्तार, प्रशिक्षण, अवसंरचना विकास एवं भावी कार्ययोजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कहा कि पीएसी, एसडीआरएफ और यूपीएसएसएफ प्रदेश की सुरक्षा प्रणाली के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं और इन्हें भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने पीएसी बल का गणवेश सिविल पुलिस से अलग करने की आवश्यकता भी जताई।

मुख्यमंत्री ने पीएसी के डिजिटलीकरण एवं तकनीकी उन्नयन की समीक्षा करते हुए कहा कि आधुनिक सुरक्षा व्यवस्था में सूचना प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग किया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि सभी पीएसी वाहनों में जीपीएस एवं डैशकैम स्थापित करने तथा त्वरित प्रतिक्रिया वाहनों की व्यवस्था विकसित करने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के समक्ष उत्तर प्रदेश पीएसी एकीकृत कमांड एवं नियंत्रण केंद्र (आईसीसीसी) परियोजना की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसके माध्यम से प्रदेश की सभी पीएसी वाहिनियों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। जीपीएस आधारित वाहन ट्रैकिंग, ड्रोन एवं एआई आधारित निगरानी, लाइव कमांड एवं कंट्रोल सेंटर तथा सुरक्षित संचार प्रणाली विकसित किए जाएंगे। इससे कानून-व्यवस्था, चुनावी तैनाती, महिला सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन में बेहतर समन्वय और त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री ने महिला सुरक्षा के दृष्टिकोण से महिला बटालियनों के निर्माण कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि बदायूं, लखनऊ और गोरखपुर में महिला बटालियनों का निर्माण कार्य तेजी से प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री ने तीनों बटालियन परिसर में क्रमशः वीरांगना अवंतीबाई, वीरांगना उदा देवी और वीरांगना झलकारी बाई की अश्वारोही प्रतिमा स्थापित करने के निर्देश दिए। यह भी बताया गया कि बलरामपुर, मीरजापुर और जालौन में नई महिला वाहिनियों से संबंधित कार्यवाही भी आगे बढ़ाई जा रही है। मुख्यमंत्री ने आगामी मानसून को देखते हुए बाढ़ एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

सीएम धामी ने 'कृष्णा' वट का किया रोपण

उत्तराखंड में जैव विविधता संरक्षण को मिलेगा नया आयाम

प्रमुख संवाददाता

- मधुमक्खियों, तितलियों और पक्षियों के लिए तैयार होगा विशेष प्राकृतिक आवास

देहरादून। पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन की दिशा में एक अभिनव पहल करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास परिसर स्थित राजकीय उद्यान, सर्किट हाउस में विकसित किए जा रहे 3-बी गार्डन की शुरूआत की। इस अवसर पर उन्होंने 'कृष्णा' वट का पौधा रोपित कर परियोजना का शुभारम्भ किया।

3-बी गार्डन का उद्देश्य मधुमक्खियों, तितलियों और विभिन्न पक्षी प्रजातियों के लिए अनुकूल प्राकृतिक वातावरण तैयार करना है। इस उद्यान को ऐसे पौधों और वृक्षों से विकसित किया जा रहा है जो परागण प्रक्रिया को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय जैव विविधता को भी मजबूत करें। प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए पूरे क्षेत्र में रासायनिक कीटनाशकों और हानिकारक तत्वों के उपयोग से परहेज किया जाएगा।

इस पहल से न केवल परागण करने वाले जीवों के संरक्षण को बल मिलेगा, बल्कि मधुमक्खी पालन जैसी आजीविका गतिविधियों को भी प्रोत्साहन प्राप्त होगा। साथ ही यह उद्यान पर्यावरण शिक्षा और

प्रकृति के प्रति जनजागरूकता का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री के निर्देश पर उद्यान विभाग ने पूर्व में ही इस परियोजना की रूपरेखा तैयार कर उपयुक्त पौधों के चयन और रोपण का कार्य शुरू कर दिया था। उद्यान में फलदार, औषधीय, पुष्पीय एवं सुगंधित प्रजातियों को शामिल किया जा रहा है, जिनमें जामुन, शहतूत, अमरूद, सहजन, नीम, कदम्ब, कपूर, बांस, गुड़हल, सूरजमुखी, तुलसी, लैवेंडर, रोजमेरी, पुदीना सहित अनेक प्रजातियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त तितलियों और मधुमक्खियों को आकर्षित करने वाले विशेष फूलों एवं झाड़ियों का भी रोपण किया जा रहा है। परिसर में मौजूद पुराने एवं क्षतिग्रस्त वृक्षों के आसपास नई हरियाली विकसित करने की योजना के तहत व्यापक पौधारोपण अभियान भी संचालित किया जा रहा है। वहीं हिमालयी पारिस्थितिकी से जुड़े बांज, बुरांश, तेजपत्ता और पया जैसी प्रजातियों के पौधे भी लगाए गए हैं, जो अब परिसर की प्राकृतिक सुंदरता और पारिस्थितिक समृद्धि में उल्लेखनीय वृद्धि कर रहे हैं। मुख्यमंत्री धामी ने परिसर में संचालित पर्यावरणीय गतिविधियों की सराहना करते हुए उद्यान विभाग को मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की पहलें पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ स्थानीय आजीविका और पारिस्थितिक संतुलन को भी सुदृढ़ करेंगी। कार्यक्रम में सचिव शैलेश बगौली, उद्यान निदेशक डॉ. आरके सिंह तथा नरेंद्र यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष जनकल्याण के स्वर्णिम अध्याय : भूपेन्द्र चौधरी

आगरा/लखनऊ। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री तथा आगरा के प्रभारी मंत्री भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष भारत के विकास, सुशासन, सेवा और जनकल्याण के स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हुए हैं। इन वर्षों में गरीब, किसान, युवा, महिला और वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने वाली अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में इन योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू कर जनसामान्य तक लाभ पहुंचाया गया है। नवीन सर्किट हाउस सभागार आगरा में आयोजित समीक्षा बैठक एवं प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 05 जून से 21 जून तक प्रदेशभर में सेवा, सुशासन, संस्कार एवं सम्मान अभियान चलाया जाएगा।

चखनी घाट के निर्माणाधीन पुल में आयी दरार, डीएम सख्त

अधिशासी अभियंता को नोटिस जारी, पुल की जांच के लिए समिति गठित, खामियां मिलने पर शासन को देंगे रिपोर्ट

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। देवरिया के भाटपाररानी क्षेत्र स्थित चखनी घाट पर खंनुवा नदी पर बन रहे 16 करोड़ रुपये की लागत वाले निमार्णाधीन पुल का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। पुल के पिलर और स्लैब में कई फीट लंबी दरार पड़ने के बाद कंक्रीट का हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन निर्माण की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जिले के खनुआ नाला के चखनी घाट पर बन रहे पुल के एक पिलर व स्लैब में खामियां आने के बाद डीएम मधुसूदन हुल्गी अब सख्त हो गए हैं। उन्होंने गुरुवार को सेतु निगम के अलावा तीन सदस्यीय कमेटी गठित की है। टीम दो दिनों में जांच रिपोर्ट तैयार कर जिलाधिकारी को सौपेंगी। इसके बाद निलंबन व अन्य कार्रवाई अधिकारियों के विरुद्ध की जा सकती है। उधर डीएम ने तत्काल प्रभाव से अधिशासी अभियंता सेतु निगम को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है। डीएम के सख्त रुख के बाद विभाग में खलबली मच गई है।

यूपी-बिहार को जोड़ने वाली अहम परियोजना

चखनी घाट पर बन रहा यह पुल उत्तर प्रदेश और बिहार के बीच संपर्क को बेहतर बनाने वाली महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल है। पुल बनने के बाद दोनों राज्यों के हजारों लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद थी। हालांकि निर्माण के दौरान ही पुल में दरार आने से पूरी परियोजना की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण शुरू होने के बाद से ही गुणवत्ता संबंधी शिकायतें की जाती रही हैं। उनका दावा है कि कई जगह मानकों की अनदेखी की गई और घटिया सामग्री का इस्तेमाल हुआ।

यूपी-बिहार बार्डर को जोड़ने वाले चखनी घाट पर अभी तक आवागमन के लिए लकड़ी का पुल का लोग सहारा लेते रहे हैं। कई बार लकड़ी का पुल होने के चलते हादसे भी हो जाते थे। इसको देखते हुए भाटपाररानी विधायक सभाकुंवर कुशवाहा के प्रयास से सरकार ने यहां पुल बनाने की मंजूरी दे दी। इस पुल के बनने के बाद यूपी-बिहार की यात्रा सुगम हो जाएगी और लोगों को आने-जाने में दिक्कत नहीं होगी। शासन ने इसके लिए कुल 16 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। पुल का निर्माण कार्य तेजी से शुरू हुआ लेकिन इन दिनों पुल के स्लैब टूटा हुआ नजर आने लगा है, जबकि एक पिलर में भी दिक्कत आने की बात कही जा रही है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते प्रशासन सख्त हो गया है। गुरुवार को डीएम मधुसूदन हुल्गी ने सेतु निगम के अधिशासी अभियंता को तलब किया और जानकारी ली। साथ ही कारण बताओ नोटिस जारी किया है। वहीं लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर, जिला विकास अधिकारी समेत तीन अधिकारियों की कमेटी गठित की गई है, यह टीम दो दिनों के अंदर अपनी जांच कमेटी देगी। अगर गुणवत्ता में कमी मिली तो सख्त कार्रवाई की तैयारी है। डीएम मधुसूदन हुल्गी ने कहा कि पुल की गुणवत्ता में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मामले की जानकारी मिली है। सेतु निगम के अलावा एक अलग तीन सदस्यीय जांच कमेटी गठित की गई है। यह टीम जल्द ही अपनी रिपोर्ट दे देगी। अगर गुणवत्ता व पुल निर्माण में खामियां मिली तो अधिशासी अभियंता समेत अन्य के विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को संस्तुति की जाएगी।

बता दें कि घटना 1 जून को उस समय हुई, जब पुल पर निर्माण कार्य चल रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार अचानक तेज आवाज हुई और पुल के ऊपरी हिस्से में दरारें दिखाई देने लगीं। देखते ही देखते स्लैब का हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। उस समय नीचे मजदूर काम कर रहे थे, लेकिन सभी समय रहते सुरक्षित स्थान पर पहुंच गए। हादसे के बाद निर्माण कार्य तत्काल रोक दिया गया।

हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल गिरने की जांच कर रही आईआईटी बीएचयू

विशेष संवाददाता (vol)

- जांच के आधार पर की जायेगी कार्रवाई

लखनऊ। हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निमार्णाधीन पुल का स्लैब गिरने के बाद अब उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की गठित टीम ने जांच तेज कर दी है। इस सम्बन्ध में टीम ने हादसे की जगह का मुआयना किया और वहां से इक्ठ्ठा की गयी निर्माण सामग्री की जांच के लिए आईआईटी बीएचयू को भेजा गया है। निगम के एमडी धर्मवीर सिंह ने कहा कि अभी प्रारम्भिक जांच में प्रथम दृष्टया दोषी पाये गये अधिकारियों पर कार्रवाई की गयी है और फर्म को ब्लैकलिस्ट किया गया है। जांच रिपोर्ट आने पर जहां पर कमी पायी जायेगी, उसके आधार पर कार्रवाई की जायेगी।

बता दें कि हमीरपुर में बेतवा नदी पर बन रहे निमार्णाधीन पुल का स्लैब 29 मई की देर रात 2 बजे गिरने से 6 मजदूरों की मौत हो गई। मृतकों में 4 बांदा और 2 हमीरपुर के रहने वाले थे।

निगम के एमडी धर्मवीर सिंह ने बताया कि आंधी-बारिश के कारण स्लैब गिरा और नीचे सो रहे मजदूर दब गए। हादसे के बाद सहायक अभियंता गजेंद्र कुमार चौधरी को निलंबित कर दिया गया है। डीपीएम दिलीप कुमार पर विभागीय कार्रवाई शुरू की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, पुल पर दो शिफ्ट में काम होता है। जिस वक्त आंधी आयी, पहली शिफ्ट के लोग पुल के नीचे थे, जबकि दूसरी शिफ्ट के मजदूर पुल पर काम कर रहे थे। इसी बीच हादसा हो गया। उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम पुल का निर्माण करवा रहा है। 700 मीटर लंबा दो लेन का ब्रिज मोराकांड से कुरारा गांव के बीच बनाया जा रहा है। इसका निर्माण मार्च 2024 में शुरू हुआ था। दिसंबर 2026 तक इसे पूरा किया जाना है। इसकी लागत 90 करोड़ रुपये है। सूत्रों के अनुसार सीएम की सख्ती के बाद सेतु निगम के एमडी धर्मवीर सिंह ने सहायक अभियंता को सस्पेंड किया। डिप्टी प्रोजेक्ट मैनेजर के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिये। साथ ही मामले में विभागीय जांच के लिए कमेटी गठित की है। प्रदेश में निगम की ओर से बनाये जाने वाले पुलों की थर्ड पार्टी ऑडिट आईआईटी बीएचयू से करायी जाती है। इस ब्रिज की भी थर्ड पार्टी ऑडिट आईआईटी बीएचयू ही कर रहा है।

अनुभवहीन ठेकेदारों से कराया जा रहा काम, हो हर पिलर की जांच : इशरत जहां

`उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम इम्प्लाईज यूनियन के मुख्य संरक्षक इशरत जहां ने हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल के स्लैब गिरने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सेतु निगम में अनुभवहीन ठेकेदारों से काम कराया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार नियमानुसार 30 प्रतिशत से अधिक कपलर नहीं लगना चाहिए जबकि प्रत्येक लिफ्ट में यही पद्धति अपनायी गयी है इसलिए यह पिलर तीन-चार जगह से टूटा है। सेतु निगम के 40 वर्ष तक कार्य करने वालों का कहना है कि हमीरपुर में पुल के हर पिलर का निर्माण इसी फार्मूले से किया गया है। जब यह सेतु चालू होगा तो भारी वाहन के ओवर लोडिंग और वाइब्रेशन होने से सारे पिलर इसी प्रकार से टूटेंगे, जिससे बड़ी दुर्घटनायें होने की पूर्ण संभावना होगी। वर्तमान सरकार की बदनामी होगी और राजकोष सरकार का धन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जायेगा। इससे अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त संस्था की प्रतिष्ठा और उप्र राज्य की छवि धूमिल हो रही है इसलिए जरूरी है कि इसके हर पिलर की जांच की जाये।

माय दीदी ईवी-बाइक सेवा शुरू करेगा मेट्रो

लखनऊ की पहली महिला-विशेष ईवी बाइक सेवा 'मायदीदी' होगी शुरू

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। मेट्रो महिलाओं के लिए एक नई सौगात लेकर आया है। महिलाओं की सुविधा और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए यूपी मेट्रो शुक्रवार को मायदीदी ईवी-बाइक सेवा शुरू करने जा रहा है जोकि एक मेट्रो फीडर सेवा है। इस सेवा का शुभारंभ यूपीएमआरसी के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार की ओर से विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर लखनऊ के विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन पर किया जाएगा।

मायदीदी महिलाओं के लिए विशेष ईवी-बाइक सेवा है। इसमें बाइक चलाने वाली और यात्रा करने वाली दोनों महिलाएं ही होंगी। इसका उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षित, आसान और सस्ती लास्ट माइल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना है। शुरुआत में यह सेवा लखनऊ के 4 मेट्रो स्टेशनों पर उपलब्ध होगी, विश्वविद्यालय मेट्रो स्टेशन, आईटी कॉलेज मेट्रो स्टेशन, भूतनाथ मेट्रो स्टेशन व कृष्णा नगर मेट्रो स्टेशन। महिलाएं इन स्टेशनों से 5 किलोमीटर तक की दूरी के लिए केवल 15 रुपये में यात्रा कर सकेंगी। सेवा के शुभारंभ के अवसर पर 5 जून से 13 जून तक सभी महिला यात्रियों को यह सुविधा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी।

यह सेवा पर्यावरण के अनुकूल इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के साथ-साथ महिलाओं के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी। शुभारंभ के दिन सेवा का उपयोग करने वाली पहली 10 महिला यात्रियों को विशेष उपहार भी दिए जाएंगे।

मेट्रो बनी सतत एवं हरित शहरी परिवहन की मिसाल

लखनऊ। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने पर्यावरण संरक्षण और सतत शहरी विकास के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियां बताई हैं।

लखनऊ मेट्रो आज न केवल एक आधुनिक परिवहन प्रणाली के रूप में पहचान बना चुकी है, बल्कि हरित और टिकाऊ विकास का राष्ट्रीय उदाहरण भी बन गई है। 05 सितंबर 2017 को यात्री सेवाओं की शुरूआत के बाद से अब तक 15 करोड़ से अधिक यात्री लखनऊ मेट्रो से यात्रा कर चुके हैं। इससे निजी वाहनों पर निर्भरता कम हुई है, सड़क यातायात का दबाव घटा है और कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। वर्तमान में मेट्रो प्रतिदिन 90 हजार से अधिक यात्रियों को सुरक्षित, तेज, किफायती और पर्यावरण-अनुकूल सेवा प्रदान कर रही है। यूपीएमआरसी ने अपने सभी मेट्रो कॉरिडोरों में 1.1 लाख वर्ग मीटर से अधिक हरित क्षेत्र विकसित किया है। लखनऊ मेट्रो स्टेशनों, डिपो और प्रशासनिक भवनों पर कुल 3.312 मेगावाट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई है। इससे अब तक 30 लाख यूनिट से अधिक स्वच्छ ऊर्जा का उत्पादन किया जा चुका है, जिससे पारंपरिक ऊर्जा पर निर्भरता कम हुई है। मेट्रो नेटवर्क में प्रतिवर्ष लगभग 35 लाख लीटर वर्षा जल का संरक्षण किया जा रहा है। डिपो में जल शोधन संयंत्रों के माध्यम से पुनः उपयोग योग्य जल का इस्तेमाल ट्रेनों की धुलाई और बागवानी में किया जा रहा है। सभी डिपो जीरो डिस्चार्ज सिस्टम पर आधारित हैं। यूपीएमआरसी ने भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज के माध्यम से ओपन एक्सेस मॉडल अपनाकर बिजली खरीद में लागत बचत की है, जिससे प्रतिमाह लगभग 45 लाख रुपये और प्रतिवर्ष 5 करोड़ रुपये से अधिक की बचत हो रही है। लखनऊ मेट्रो देश की पहली ऐसी प्रणाली है जिसमें 100 प्रतिशत एलईडी प्रकाश व्यवस्था का उपयोग किया गया है। इस तकनीक से ब्रेकिंग के दौरान उत्पन्न ऊर्जा को पुनः उपयोग में लाया जाता है, जिससे बिजली की खपत में बड़ी कमी आती है।

बिजली आपूर्ति में लापरवाही बर्दाश्त नहीं : सुरेश खन्ना

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा जनपद लखनऊ के प्रभारी मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने गुरुवार को नैमिषारण्य वीवीआईपी गेस्ट हाउस में विद्युत विभाग के अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ जनपद में विद्युत आपूर्ति, शिकायतों के निस्तारण तथा विभागीय कार्यप्रणाली की समीक्षा बैठक की। बैठक में महापौर सुषमा खर्कवाल, विधायक बीकेटी योगेश शुक्ला, विधायक मोहनलालगंज अमरेश कुमार, विधायक पूर्व ओपी श्रीवास्तव एवं अन्य जनप्रतिनिधियों तथा जिलाधिकारी विशाख जी, मुख्य विकास अधिकारी तथा चारों जोनों के मुख्य अभियंता सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में प्रभारी मंत्री ने कहा कि बिजली आमजन से सीधे जुड़ी हुई एक अत्यंत महत्वपूर्ण एवं आवश्यक सेवा है। सुविधाओं का लाभ प्रत्येक उपभोक्ता तक समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आमजन को निर्धारित मानकों के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति हर हाल में सुनिश्चित की जाए तथा विद्युत संबंधी शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेकर उनका त्वरित निस्तारण किया जाए। प्रभारी मंत्री ने कहा कि लखनऊ प्रदेश की राजधानी है और अन्य जनपदों के लिए रोल मॉडल के रूप में देखा जाता है। ऐसे में विद्युत व्यवस्था में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने बिजली चोरी पर प्रभावी नियंत्रण, निगरानी व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने तथा राजस्व हानि रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से जो शिकायतें प्राप्त हो रही हैं, वे आमजन की समस्याओं का प्रतिबिंब हैं, इसलिए उनका प्राथमिकता के आधार पर समाधान किया जाना चाहिए।

बैठक में जनप्रतिनिधियों की ओर से शिकायत की गई कि कई स्थानों पर जूनियर इंजीनियर (जेई) फोन नहीं उठाते हैं, जिससे समस्याओं के समाधान में अनावश्यक विलंब होता है। इस पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए खन्ना ने निर्देश दिए कि सभी जेई अपने मोबाइल फोन में क्षेत्र के सभी जनप्रतिनिधियों के नंबर अनिवार्य रूप से सेव करें तथा उनका फोन हर हाल में रिसीव करें। यदि किसी कारणवश कॉल नहीं उठा पाते हैं तो बैक कॉल कर समस्या की जानकारी प्राप्त करें और उसका समाधान सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय एवं संवाद व्यवस्था मजबूत होना आवश्यक है। प्रभारी मंत्री ने विभागीय कार्यों में लापरवाही पर कड़ा रुख अपनाया। गलत एस्टीमेट तैयार करने तथा पोल स्थापना में अनियमितता संबंधी शिकायतों का संज्ञान लेते हुए उन्होंने जानकीपुरम क्षेत्र के संबंधित जेई को निलंबित किए जाने के निर्देश दिए।

इसके अतिरिक्त नगर निगम के ट्रांसफार्मर स्टेशन एवं चार्जिंग स्टेशन को विद्युत कनेक्शन उपलब्ध कराने में लापरवाही बरतने वाले संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध भी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खन्ना ने कहा कि विद्युत विभाग एक आपातकालीन सेवा है और इसकी उपलब्धता एवं कार्यकुशलता में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता और जनप्रतिनिधियों से प्राप्त प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए तथा ऐसी कार्यप्रणाली विकसित की जाए जिससे लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। वहीं जानकीपुरम जोन के मुख्य अभियंता ने बताया कि जांच किया जायेगा। उसके बाद कोई फैसला लिया जायेगा।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने 250 मालियों को किया सम्मानित

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने अपने आशियाना स्थित आवास पर आयोजित विशेष गार्डनिंग किट वितरण कार्यक्रम के अंतर्गत सरोजनीनगर क्षेत्र के 250 समर्पित मालियों को सम्मानित करते हुए, उन्हें प्रीमियम गार्डनिंग किट एवं टी-शर्ट वितरित की। श्री पीताम्बरा बंगलामुखी सिद्धपीठ उत्तराखंड ट्रस्ट, एनवायरनमेंट वॉरियर्स एवं ग्रीन स्माइल सोसाइटी के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने वाले कर्मयोगियों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक बना।

इस अवसर पर डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि हरित भविष्य का निर्माण केवल संकल्पों से नहीं, बल्कि उन लोगों के सतत प्रयासों से होता है जो प्रतिदिन प्रकृति की सेवा में जुटे रहते हैं। उन्होंने कहा कि माली समाज वास्तव में पर्यावरण संरक्षण के प्रथम योद्धा हैं, जिनकी भूमिका आज पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उन्होंने कहा कि बीते वर्षों में भूजल स्तर में लगातार गिरावट, वृक्षों की कटाई, तालाबों के सूखने तथा जल संरक्षण की चुनौतियों के बीच समाज को पर्यावरण के प्रति अधिक जिम्मेदार बनने की आवश्यकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपने घरों में बागवानी को बढ़ावा देने, कम से कम एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल का संकल्प लेने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम में सामाजिक संवेदनशीलता का परिचय देते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने दो विधवा एवं निराश्रित परिवारों को 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की। सहिजनपुर निवासी स्वर्गीय काजल रावत की सड़क दुर्घटना में असामयिक मृत्यु के उपरांत उनके परिजनों को 1 लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। वहीं बलसिंह खेड़ा निवासी स्वर्गीय अनुज कुमार यादव के निधन के बाद उनकी पत्नी महक यादव को भी 1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई। डॉ. राजेश्वर सिंह की इस सहायता पहल के अंतर्गत पूर्व में अधिवक्ताओं की 10 विधवा महिलाओं सहित अब तक कुल 17 विधवा एवं निराश्रित माताओं तथा परिवारों को 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा चुकी है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक संवेदनशीलता, दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य है कि विकसित और मानवीय समाज की नींव रखते हुए सरोजनीनगर को हरित, स्वच्छ और संवेदनशील क्षेत्र बनाने का अभियान निरंतर जारी रहेगा।

विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अफसरों को चेतावनी

प्रभारी मंत्री व मेयर ने निरीक्षण में गंदगी देख जताई नाराजगी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। वित्त व संसदीय कार्य एवं जिले के प्रभारी मंत्री सुरेश खन्ना तथा महापौर सुषमा खर्कवाल ने गुरुवार को नगर निगम जोन-4 के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया। इस दौरान विकास कार्यों में सुस्ती और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए समयबद्ध तरीके से काम पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री और महापौर ने खरगापुर सरसवां, भरवारा-मल्हौर, चिनहट प्रथम और राजीव गांधी प्रथम वार्ड का व्यापक दौरा कर वहां की सफाई व्यवस्था, जल निकासी (नाला निर्माण) और नागरिक सुविधाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण की शुरुआत खरगापुर सरसवां वार्ड के सेक्टर-5 गोमती नगर एक्सटेंशन, गीतापुरी चौराहा और खरगापुर क्षेत्र से हुई। यहाँ संकट मोचन द्वार के पास बन रहे नाले के निर्माण कार्य में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए प्रभारी मंत्री और महापौर ने अधिकारियों को 19 जून तक हर हाल में काम पूरा करने के निर्देश दिए ताकि आगामी मानसून में जलभराव की समस्या न हो।

भरवारा-मल्हौर वार्ड में एसटीपी एमिटी रोड के पास खाली पड़े प्लॉटों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इन खाली प्लॉटों में डंप हो रहे कूड़े और अवैध कब्जे की संभावना को देखते हुए जोनल अधिकारी को सख्त निर्देश दिए गए। अधिकारियों से कहा गया कि वे तुरंत संबंधित प्लॉट स्वामियों को नोटिस जारी कर बाउंड्री वॉल (चारदीवारी) का निर्माण सुनिश्चित करवाएं, ताकि वहां गंदगी और अतिक्रमण पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सके। चिनहट प्रथम वार्ड के अंतर्गत चिनहट चौराहा स्थित मुख्य बाजार क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों की समस्याओं को सुना गया। बाजार में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए सड़कों और फुटपाथों से तुरंत अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए। साथ ही, गाड़ियों के सुव्यवस्थित ठहराव के लिए बाजार के समीप ही समुचित पार्किंग स्थल विकसित करने को कहा गया। निरीक्षण के दौरान जहाँ एक तरफ कमियों पर अधिकारियों को फटकार लगी।

रनिंग कर्मचारी रेलवे संचालन की रीढ़ : गौरव

लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल के लखनऊ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर स्थित अवध रनिंग रूम में गुरुवार को मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल की अध्यक्षता में तथा अपर मण्डल रेल प्रबंधक (इंफ्रा0) भुवनेश सिंह एवं अपर मण्डल रेल प्रबंधक (परिचालन) नीतू की उपस्थिति में लोको पायलट, ट्रेन मैनेजर तथा रनिंग स्टाफ के लिए फैमिली संरक्षा सेमिनार का आयोजन किया गया। मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने कहा कि रनिंग कर्मचारी रेलवे संचालन की रीढ़ हैं तथा उनकी कार्यकुशलता और मानसिक संतुलन यात्रियों की सुरक्षित एवं समयबद्ध यात्रा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के साथ-साथ उनके परिवारों का सहयोग भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए इस प्रकार के संवाद कार्यक्रम कर्मचारियों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इस अवसर पर वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर (परिचालन), वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी एवं अन्य अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित थे।

तीन वरिष्ठ पीसीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ। राज्य सरकार ने तीन वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। सृष्टि धवन का पूर्व में मुख्य राजस्व अधिकारी सुल्तानपुर के पद पर किया गया तबादला निरस्त करते हुए उप निदेशक उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय लखनऊ के पद पर किया गया है। संतोष कुमार राय एडीएम (भू/अ) कानपुर नगर से अपर आयुक्त चित्रकूट धाम मंडल बांदा और आनंद मोहन उपाध्याय एडीएम वाराणसी से एडीएम (भू/अ) कानपुर नगर के पद पर भेजे गए हैं।

योग के माध्यम से मधुमेह प्रबंधन पर संगोष्ठी आयोजित

लखनऊ। आमजन में बढ़ती मधुमेह की परेशानी को ध्यान में रखते हुए, लखनऊ विश्वविद्यालय के योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय, योग विभाग की ओर से योग के माध्यम से मधुमेह प्रबंधन विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता राकेश कुमार श्रीवास्तव ने मधुमेह (डायबिटीज) को नियंत्रित करने में योग की भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नियमित योगाभ्यास, प्राणायाम, संतुलित आहार और सही दिनचर्या अपनाकर मधुमेह को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। उन्होंने प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों और स्वास्थ्य संबंधी सरल उपायों की जानकारी दी तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का आयोजन में योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. आलोक कुमार यादव तथा योग विभाग के समन्वयक डॉ. अमरजीत यादव उपस्थित रहे।

4 मार्गों पर लखनऊ में चलेंगी ई-सिटी बसें

लखनऊ। प्रदेश में एसी इलेक्ट्रिक सिटी बसें खरीदने की मंजूरी मिलने के बाद 300 ई सिटी बसें लखनऊ को मिली हैं। लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट की ओर से भेजे गए प्रस्ताव में 125 बसें थी, जिसमें 175 सिटी बसें और लखनऊ को दी गई। इन सिटी बसों के संचालन लखनऊ में 14 रूटों पर किया जाएगा। एसी इलेक्ट्रिक बसे सिटी ट्रांसपोर्ट के प्रबंध निदेशक विमल राजन ने बताया कि जो रूट प्रस्तावित किए गए है, उनमें अधिकांश रूट चारबाग से बीकेटी, स्कूटर इंडिया से इंजिनियरिंग कॉलेज, राजाजीपुरम, अहिमामऊ, गोमतीनगर के विराज खंड, बीबीडी के बीच के है। सिटी बसों को खरीदने की मंजूरी मिलने के बाद अब टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। जहां तीन माह का समय लगेगा। सात दिनों तक चले सिटी बसों की हड़ताल के दौरान उपद्रवी 15 संविदा बस कंडक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। इनमें आठ उपद्रवी कर्मियों को जेल भेज दिया गया। लखनऊ सिटी ट्रांसपोर्ट की इस कार्रवाई के बाद उपद्रवी हड़ताल खत्म करके ड्यूटी पर लौट आए हैं। शुक्रवार को सिटी ट्रांसपोर्ट के एमडी से वार्ता प्रस्तावित है। इस सबके बीच गुरुवार को लखनऊ में 115 ई सिटी बसों में से करीब 80 बसें रूट पर लौट आई हैं। शुक्रवार को सुबह 11 बजे वार्ता के बाद दोपहर से सभी बसों का संचालन कराया जाएगा। ताकि इस गर्मी में आम जनता को एसी ई सिटी बसों की सुविधा मिल सके।

बीबीएयू : प्रवेश प्रक्रिया को लेकर कुलपति प्रो. मित्तल ने दी जानकारी

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में गुरुवार को शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया के लिए प्रेस मीट का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने की। इसके अतिरिक्त मंच पर डीन ऑफ एकेडमिक अफेयर्स प्रो. एस. विक्टर बाबू, कुलसचिव डॉ. अश्विनी कुमार सिंह, एडमिशन सेल कमेटी के अध्यक्ष प्रो. अमित कुमार सिंह एवं विश्वविद्यालय जनसंपर्क अधिकारी डॉ. रचना गंगवार उपस्थित रहीं।

कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने कहा कि विश्वविद्यालय में आधुनिक सुविधाओं से युक्त लेक्चर हॉल कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जो लगभग सितंबर तक पूर्ण होने की संभावना है। अमेठी परिसर के विकास के संबंध में प्रो. मित्तल ने जानकारी दी कि लगभग एक करोड़ रुपये के बजट से विभिन्न विकास कार्य संचालित किए जा रहे हैं।

एडमिशन सेल कमेटी के अध्यक्ष प्रो. अमित कुमार सिंह ने कहा कि बीबीएयू में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए सीयूईटी-पीजी आधारित पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए आवेदन प्रक्रिया 14 मई से शुरू होकर 7 जून तक जारी रहेगी। विलंब शुल्क के साथ अभ्यर्थी https:// bbaucuet. samarth. edu.in/pg/ पर 13 जून तक आवेदन कर सकते हैं। इसी प्रकार नान-सीयूईटी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया 25 मई से शुरू होकर 24 जून तक चलेगी। विलंब शुल्क के साथ अभ्यर्थी https://bbauadm.samarth.edu.in/2026 के माध्यम से 30 जून तक आवेदन कर सकते हैं।

विश्वविद्यालय द्वारा जारी प्रवेश सूचना के अनुसार आवेदन प्रक्रिया को सरल एवं सुलभ बनाने के लिए विभिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है। सामान्य, ओबीसी एवं ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों को 500 रुपये आवेदन शुल्क जमा करना होगा, जबकि एससी, एसटी एवं दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए यह शुल्क 300 रुपये निर्धारित है। निर्धारित तिथि के बाद आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों से सभी श्रेणियों में 1000 रुपये विलंब शुल्क लिया जाएगा।

जियामऊ में भाजपा का प्रदेश मुख्यालय बनना तय

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी का जियामऊ में प्रदेश मुख्यालय बनाया जाना लगभग तय हो गया है। असल में भाजपा ने जियामऊ स्थित बहुमूल्य भूखंड नीलामी प्रक्रिया के जरिए खरीद लिया है। भाजपा ने 45 करोड़ रुपये में 5500 वर्गमीटर जमीन खरीदी है। नीलामी में तीन बड़े बिल्डर समूहों के साथ भाजपा भी शामिल थी। ऑनलाइन नीलामी में भाजपा ने सबसे अधिक कीमत लगाई। अंततः भूखंड अपने नाम करा लिया। इसके साथ ही प्रदेश मुख्यालय निर्माण का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। यहां अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त छह मंजिला प्रदेश मुख्यालय बनाए जाने का प्रस्ताव है। प्रस्तावित भवन में प्रशासनिक कार्यालय, बैठक कक्ष, सम्मेलन सुविधाएं और अन्य आधुनिक व्यवस्थाएं होंगी। सूत्रों के अनुसार भवन की सबसे ऊपरी मंजिल पर हेलीपैड भी विकसित करने की योजना है ताकि राष्ट्रीय स्तर के नेताओं की आवाजाही सुगम हो सके। यह भूखंड पहले नगर निगम ने दीनदयाल उपाध्याय सेवा न्यास को आवंटित किया था। वर्ष 2020 में नगर निगम ने करीब 5500 वर्गमीटर जमीन 90 वर्ष की लीज पर न्यास को दी थी। बाद में इसे फ्रीहोल्ड करने का प्रस्ताव भी पारित हुआ था, ताकि यहां भाजपा का प्रदेश मुख्यालय बनाया जा सके। लेकिन 7 अप्रैल को न्यास के सदस्य कृष्ण कुमार दीक्षित ने नगर निगम को पत्र भेजकर बजट की कमी का हवाला देते हुए जमीन वापस करने का निर्णय लिया। इसके बाद एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने नगर आयुक्त गौरव कुमार को पत्र भेजकर भूखंड को सर्किल रेट के दोगुने दर पर एलडीए को देने को कहा था। नगर निगम सदन ने भी जमीन एलडीए को देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके बाद एलडीए ने जमीन अपने अधिकार में लेकर नीलामी की प्रक्रिया शुरू की। प्रत्यक्ष हस्तांतरण की बजाय नीलामी का रास्ता अपनाने से एलडीए को बड़ा आर्थिक लाभ हुआ। 30 करोड़ रुपये में खरीदी गई जमीन 45 करोड़ रुपये में बिकने से प्राधिकरण को लगभग 15 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिला। अधिकारियों का मानना है कि खुली नीलामी प्रक्रिया अपनाने से भविष्य में किसी कानूनी या प्रशासनिक विवाद की संभावना भी कम होगी।

लखनऊ से कानपुर 67 किमी में नमो भारत रेल सेवा योजना ने पकड़ी रफ्तार

विशेष संवाददाता (vol)

- उन्नाव, बशीरत गंज, नवाबगंज, बंथरा से होकर गुजरेगा कॉरिडोर, 6 स्टेशन होंगे
- डीपीआर तैयार करने के लिए शासन ने दिये छह करोड़

लखनऊ। लखनऊ और कानपुर के बीच हाईस्पीड क्षेत्रीय रेल सेवा नमो भारत चलाने की कार्ययोजना ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेश सरकार ने इस महत्वाकांक्षी परियोजना की अल्टरनेटिव एनालिसिस रिपोर्ट (एएआर) और डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराने के लिए छह करोड़ रुपये का बजट मंजूर किया है। रिपोर्ट तैयार करने की जिम्मेदारी राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) नई दिल्ली को सौंपी गई है।

बता दें कि एनसीआरटीसी ने कानपुर में मेट्रो नेटवर्क पर नयागंज मेट्रो स्टेशन को लखनऊ में मेट्रो नेटवर्क के अमौसी मेट्रो स्टेशन से जोड़ने वाले नमो भारत कॉरिडोर के लिए प्रस्ताव तैयार किया है। यह कॉरिडोर उन्नाव, बशीरत गंज, नवाबगंज, बंथरा कस्बों से होकर गुजरेगा। लगभग 67 किमी लंबे कॉरिडोर में 6 स्टेशन होंगे। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मिल गया है।

उत्तर प्रदेश सरकार की औपचारिक मंजूरी मिलने के बाद परियोजना पर तेजी से काम शुरू होगा। एएआर और डीपीआर में नमो भारत रेल सेवा कॉरिडोर का प्रस्तावित रूट, संभावित स्टेशन, अनुमानित यात्री संख्या, निर्माण लागत, तकनीकी व्यवहार्यता और वित्तीय मॉडल का विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। रिपोर्ट तैयार होने के बाद परियोजना को अंतिम स्वीकृति और निर्माण प्रक्रिया के लिए आगे बढ़ाया जाएगा। इसको लेकर प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन विभाग प्रमुख सचिव पी. गुरुप्रसाद ने एनसीआरटीसी को पत्र भी भेजा है। ताकि रेल सेवा का काम जल्द शुरू किया जा सके।

पत्र में प्रमुख सचिव ने यह भी कहा है कि परियोजना पर आने वाला खर्च लखनऊ विकास प्राधिकरण, कानपुर विकास प्राधिकरण और उन्नाव-शुक्लागंज विकास प्राधिकरण संयुक्त रूप से वहन करेंगे। इस रेल सेवा के शुरू होने के बाद उन लोगों को बहुत राहत होगी जो लखनऊ और कानपुर के बीच रोजाना बड़ी संख्या में नौकरी, कारोबार, शिक्षा और अन्य कार्यों के लिए आवागमन करते हैं। नमो भारत कॉरिडोर शुरू होने पर यात्रियों को तेज, आरामदायक और समयबद्ध यात्रा की सुविधा मिलेगी। साथ ही उन्नाव समेत पूरे क्षेत्र में औद्योगिक, व्यावसायिक और आर्थिक गतिविधियों को भी नई रफ्तार मिलने की उम्मीद है। प्रस्तावित कॉरिडोर के अनुसार लखनऊ के अमौसी से बनी तक सड़क मार्ग के समानांतर, बनी से उन्नाव के जैतीपुर तक नया मार्ग विकसित करके और फिर कानपुर-लखनऊ रेल ट्रैक के समानांतर अजगैन, उन्नाव, मगरवारा होकर गंगा बैराज रैपिड रेल का अंतिम पड़ाव होगा।

नमो भारत देश की पहली रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम सेवा है, जिसे शहरों के बीच तेज, सुरक्षित और आधुनिक सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। इसकी ट्रेनें सामान्य उपनगरीय रेल सेवाओं की तुलना में अधिक गति से चलती हैं और कम समय में यात्रियों को एक शहर से दूसरे शहर तक पहुंचाती हैं। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर नमो भारत ट्रेन का सफल संचालन शुरू हो चुका है।

आंदोलनरत छात्रों के समर्थन में पहुंचे दीपक और पूजा

लविवि में छात्रों के अनिश्चितकालीन धरना का तीसरा दिन

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि में कांग्रेस पार्टी की ओर से पूर्व एमएलसी दीपक सिंह और लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व छात्र नेता एवं उत्तर विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी पूजा शुक्ला धरना स्थल पर पहुंची। साथ ही विभिन्न कालेजों के छात्रों ने पहुंचकर निष्कासित छात्रों के आंदोलन में शामिल हुए।

दीपक सिंह ने कहा कि यह कार्रवाई प्राकृतिक न्याय के विरुद्ध है और पूरी तरह अलोकतांत्रिक है। उन्होंने यह भी कहा कि कुलपति ऐसा व्यवहार कर रहे हैं मानो उन्होंने व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से पढ़ाई की हो। यदि उन्होंने संघर्ष करके यह पद प्राप्त किया होता तो उन्हें छात्र जीवन के संघर्ष और उसकी वास्तविकता की बेहतर समझ होती। उन्होंने कहा कि वे हर परिस्थिति में छात्रों के साथ खड़े हैं और उन्हें इस तानाशाही प्रशासन से डरने या घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ तीन छात्रों की लड़ाई नहीं है, बल्कि देश में छात्रों के साथ हो रहे व्यवहार के खिलाफ एक व्यापक संघर्ष है। यह न्याय और अधिकारों की लड़ाई है, जिसे छात्रों को मिलकर जीतना होगा। शाम 6 बजे लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व छात्र नेता एवं उत्तर विधानसभा की पूर्व प्रत्याशी पूजा शुक्ला भी धरना स्थल पर पहुंचीं और छात्रों का मनोबल बढ़ाया। इसके बाद सभी छात्रों ने मिलकर रघुपति राघव राजा राम भजन गाया और गेट नंबर 1 पर स्थित छात्र स्वराज्य शक्ति प्रतिमा के नीचे धरने पर बैठ गए। विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप है कि उसने स्थिति को और कठिन बनाते हुए सरस्वती प्रतिमा की लाइट बंद कर दी, जिससे धरना स्थल पर अंधेरा हो गया और छात्र अंधकार में बैठने को मजबूर हैं। साथ ही पास में लगे फ्रिज और कूलर भी बंद कर दिए गए, जिससे छात्रों को ठंडा पानी भी नहीं मिल पा रहा है। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन जो नैतिकता की शिक्षा देता है, वही इस प्रकार का अमानवीय व्यवहार कर रहा है और अपनी वास्तविक छवि दिखा रहा है। इसके अलावा केकेसी के छात्रों ने भी अपना समर्थन दिया और धरना स्थल पर शामिल हुए। केकेसी के छात्रों का कहना है कि एलएलबी परीक्षा परिणाम में हुई कथित अनियमितताओं से बड़ी संख्या में छात्र प्रभावित हैं। जब उन्होंने यह मुद्दा विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष उठाया, तो उन्हें पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। इसके साथ ही कुलपति ने उनसे मिलने से इनकार कर दिया तथा केकेसी से आई छात्राओं के साथ पुरुष प्रॉक्टोरियल बोर्ड द्वारा अभद्र व्यवहार करते हुए उन्हें बाहर निकाल दिया गया।

रोबोटिक तकनीक से 11 वर्षीय बच्चे की जटिल बीमारी से दिलाई निजात

लखनऊ। किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के पीडियाट्रिक सर्जरी विभाग ने रोबोटिक तकनीक से 11 वर्षीय बच्चे गौरव की दुर्लभ और जटिल बीमारी का सफल ऑपरेशन किया है। कानपुर के पडीलालपुर गौरव लंबे समय से कोलेडोकल सिस्ट (पित्त नलिकाओं की जन्मजात बीमारी) से पीड़ित था, जिसके कारण उसकी पित्त नलिका असामान्य रूप से फूल गई थी। कई अस्पतालों से मायूस होने के बाद उसे केजीएमयू लाया गया था। विभागाध्यक्ष डा. जेडी रावत ने बताया कि 26 मई को रोबोटिक विधि से ऑपरेशन कर असामान्य पित्त नलिका को हटाया गया और लिवर से आंत तक पित्त प्रवाह के लिए नया मार्ग बनाया गया। रोबोटिक सर्जरी के कारण बेहद छोटे चीरे लगे, जिससे दर्द और खून का बहाव न्यूनतम रहा। बच्चा अब पूरी तरह स्वस्थ है और 4 जून को उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया।

महत्वपूर्ण नंबर
वूमेन पावर लाइन 1090
पुलिस 100
2629999
पुलिस स्टेशन गंज 2622556

फायर स्टेशन
हजरतगंज- कंट्रोल रूम
9454418642
गोमती नगर-9454418657

एम्बुलेंस
मेडिकल सेवा- 102, 108

सुपरवाइजर ने शराब के नशे में लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को मारी गोली, मौत

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। विकासनगर क्षेत्र में सिक्योरिटी एजेंसी के सुपरवाइजर ने शराब के नशे में लाइसेंसी रिवॉल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनते ही परिजन और आसपास के लोग पहुंचे तो देखा कि वह लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़े थे। परिजन उन्हें गंभीर हालत में ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां डाक्टर ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस ने घर पहुंचकर जांच के फोरेंसिक टीम को बुलाया। जांच टीम ने मौके से मिली रिवाल्वर कब्जे में ले ली।

विकासनगर के सेक्टर-सी सबोली निवासी संदीप सिंह (52) एक निजी कंपनी में सिक्योरिटी एजेंसी में सुपरवाइजर थे। परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। मृतक के भाई ने बताया कि संदीप शराब पीने के लती थे। वह बुधवार की रात करीब 10 बजे नशे की हालत में घर पहुंचे और अपने कमरे में चले गये। वहां संदीप ने अपनी लाइसेंसी रिवाल्वर से खुद को गोली मार ली। गोली की आवाज सुनते ही परिजन और आसपास के लोग दौड़े। कैमरे में देखा कि संदीप लहूलुहान हालत में जमीन पर पड़े थे। यह देखकर परिवार में अफरातफरी मच गई। परिजन पड़ोसियों की मदद से संदीप को ट्रामा सेंटर लेकर पहुंचे, जहां डाक्टर ने संदीप को देखते ही मृत घोषित कर दिया। संदीप की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस पहुंची और परिजनों से पूछताछ की। पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। उधर, पुलिस ने जांच के संदीप के घर पर फॉरेंसिक टीम को बुलाया। जांच टीम ने घटनास्थल से कुछ साक्ष्य एकत्र कर विधि प्रयोगशाला भेज दिए। साथ ही पुलिस ने संदीप की रिवाल्वर को कब्जे में ले लिया है।

कर्ज से परेशान सैलून संचालक ने नहर में कूदकर दी जान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। नाका के आर्यनगर निवासी सैलून संचालक पवन कुमार शर्मा (29) ने कर्ज से परेशान होकर खुदकुशी कर ली। उन्होंने बीबीडी स्थित इंदिरा नहर में कूदकर जान दे दी। उनका शव गुरुवार दोपहर किसान पथ के पास नहर में उतराता मिला। पवन मूलरूप से रायबरेली के लालगंज के रहने वाले थे। वह ऐशबाग इलाके में सैलून चलाते थे। उनके पिता प्रकाश शर्मा ने बताया कि बुधवार दोपहर पवन घर से निकले थे। शाम तक घर न लौटने पर परिजनों ने संपर्क किया तो फोन बंद मिला। नहर में मिले शव के पास मौजूद मोबाइल की मदद से पुलिस ने पहचान कर परिजनों को सूचना दी परिजनों ने बताया कि पवन ने कर्ज ले रखा था और मानसिक रूप से परेशान थे। इसी कारण उन्होंने यह कदम उठाया। परिवार में पत्नी निधि और पांच माह की बेटी है। इंस्पेक्टर बीबीडी राम सिंह ने बताया कि परिजनों ने न तो कोई तहरीर दी है। न ही किसी पर कोई आरोप लगाया है।

कंपनी को पक्षकार बनाये बिना निदेशकों पर नहीं चल सकता चेक बाउंस का मुकदमा : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता (vol)

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि चेक जारी करने वाली कंपनी को पक्षकार बनाए बिना उसके निदेशकों के खिलाफ निगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट की धारा-138 के तहत मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि कंपनी को विधिक नोटिस दिए बिना और उसे मुकदमे में आरोपी बनाए बिना केवल निदेशकों के खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही विधिसम्मत नहीं है। यह कहते हुए न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी ने रामपाल सिंह व दो अन्य की ओर से दाखिल धारा-482 सीआरपीसी की याचिका को स्वीकार करते हुए 22 अगस्त 2017 के तलबी आदेश, 15 मई 2018 को जारी गैर-जमानती वारंट तथा पूरे परिवाद की कार्यवाही रद्द कर दी। मामले के अनुसार लक्ष्मी नारायण पांडेय ने वर्ष 2014 में धारा-138 एनआई एक्ट के तहत शिकायत दाखिल की थी। शिकायत में कहा गया था कि महालक्ष्मी पावर कारपोरेशन लिमिटेड की ओर से 1.73 करोड़ रुपये का चेक दिया गया था, जो खाते में पर्याप्त धनराशि न होने के कारण बाउंस हो गया। इसके बाद कंपनी के निदेशकों रामपाल सिंह, विनोद सिंह और विजय सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया था। याचियों की ओर से तर्क दिया गया कि संबंधित समझौता दो कंपनियों के बीच हुआ था। चेक भी कंपनी की ओर से जारी किया गया था, लेकिन न तो चेक जारी करने वाली कंपनी को मुकदमे में पक्षकार बनाया गया और न ही उसे धारा-138 के तहत अनिवार्य नोटिस दिया गया। केवल निदेशकों को आरोपी बनाकर कार्यवाही शुरू कर दी गई। कोर्ट ने पत्रावली पर मौजूद रिकॉर्ड का परीक्षण करते हुए पाया कि विवाद दो कंपनियों के बीच का था। कोर्ट ने कहा कि कंपनी एक स्वतंत्र विधिक इकाई होती है और ऐसे मामलों में कंपनी की उपस्थिति आवश्यक है। यदि चेक कंपनी की ओर से जारी किया गया है तो उसके खिलाफ वैधानिक प्रक्रिया पूरी किए बिना निदेशकों को अभियोजन का सामना नहीं कराया जा सकता। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के एक निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि कंपनी को आरोपी बनाए बिना केवल निदेशकों के खिलाफ धारा-138 की कार्यवाही नहीं चल सकती। इसी आधार पर कोर्ट ने निचली अदालत की ओर से पारित तलबी आदेश, गैर-जमानती वारंट और पूरी शिकायत कार्यवाही को रद कर दिया।

हजरतगंज व चारबाग के होटलों का किया निरीक्षण

लखनऊ। गुरुवार को मुख्य अग्निशमन अधिकारी लखनऊ के निर्देशानुसार फायर स्टेशन हजरतगंज क्षेत्र के होटलों को अग्निशमन अधिकारी हजरतगंज रामकुमार रावत व उनकी टीम ने अग्नि सुरक्षा के दृष्टिकोण से निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने जेमीनी कॉन्टिनेंटल, रानी लक्ष्मी बाई मार्ग, होटल अवध क्लार्क, महात्मा गांधी मार्ग हजरतगंज, गोल्डन स्काई, एपी सेन रोड, यश होटल, एपी सेन रोड, मोहन होटल गौतम बुद्ध मार्ग चारबाग, होटल मिडास 46 मुन्नेलाल धर्मशाला रोड सब्जी मंडी चारबाग, होटल ड्रीम पैलेस मुन्नीलाल धर्मशाला रोड सब्जी मंडी चारबाग, त्रिवेणी होटल मुन्नीलाल धर्मशाला रोड सब्जी मंडी चारबाग, होटल विश्वनाथ नाका चारबाग, होटल पाल पैराडाइज नरही हजरतगंज का निरीक्षण किया गया। सीएफओ का कहना है कि यह कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

ब्रजेश पाठक के घर के बाहर तारों में लगी आग

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के घर के बाहर बुधवार रात तारों में आग लग गई, जिससे एबीसी लाइन व इंटरनेट केबिल गल गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया। बताते हैं कि बुधवार रात करीब 9.30 बजे दमकल को सूचना मिली कि उपमुख्यमंत्री डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के राजभवन कॉलोनी स्थित आवास के बाहर अचानक बिजली के तारों में आग लग गयी है। इस घटना से क्षेत्र में हड़कंप मचा गया। सूचना पाकर दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और जल्द ही आग पर काबू पाया। एफएसओ आरके रावत का कहना है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण एबीसी लाइन और इंटरनेट केबिल में लगी थी। सूचना मिलते ही सुरक्षाकर्मियों ने बिजली विभाग को जानकारी दी, जिससे समय रहते मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया गया। इस संबंध में ब्राडबैंड कम्पनी को नोटिस जारी किया गया है।

बाइक की टक्कर से रिक्शा चालक की मौत

लखनऊ। नाका इलाके में बुधवार को तेज रफ्तार बाइक सवार ने रिक्शा में टक्कर मार दी। हादसे में घायल रिक्शा चालक को गंभीर हालत में बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान रिक्शा चालक की गुरुवार को मौत हो गई। पुलिस ने बाइक सवार को हिरासत में ले लिया। आलमबाग स्थित मवैया निवासी रवि महतो (60) रिक्शा चलाते थे। परिवार में पत्नी गुलाब सुबह रिक्शा लेकर घर से निकले थे। मोती नगर चौराहे के पास तेज रफ्तार बाइक ने सामने से रिक्शे में टक्कर मार दी। बेटे नवल ने बताया कि हादसे में पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। भीड़ ने बाइक सवार को पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने रवि को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बाइक सवार को हिरासत में लेकर बाइक थाने में खड़ी कर ली। गुरुवार सुबह इलाज के दौरान पिता की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

महिला की मौत, हत्या का आरोप

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। ठाकुरगंज इलाके में बुधवार को संदिग्ध हालात में एक महिला की मौत हो गई। परिजनों ने पति पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया। पुलिस ने पति को हिरासत में ले लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शामली हेड़ीकर्म निवासी खुशी (21) अपने पति शावेज के साथ गऊघाट ठाकुरगंज में किराए पर रहती थी। पति शावेज सर्कस में काम करता है। उसके भाई अमन ने बताया करीब तीन साल पहले खुशी ने लव मैरिज की थी। इसके बाद उसे अपने साथ लखनऊ लेकर आ गया। इनके एक आठ माह की बेटी सनाया है। लखनऊ लाने के बाद खुशी का परिवार से कोई संपर्क नहीं था। मंगलवार देर रात करीब 10 बजे वीडियो कॉल करके बताया खुशी एडमिट है। जब हम लोग लखनऊ पहुंचे तब डॉक्टर से पता चला उसे जहर दिया गया है। खुशी की बलरामपुर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई।

रेलवे लाइन पर मिला छात्र का शव: गोमती नगर विस्तार क्षेत्र में छात्र की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। उसका शव रेलवे ट्रैक पर मिला है। छात्र घर से दवा लेने के लिए निकला था। काफी देर जब नहीं लौटा, तो उसकी तलाश शुरू की गई। इसी बीच पुलिस से परिजनों को उसकी मौत की जानकारी मिली। बताते हैं कि शाहाबाद बाराबंकी निवासी कृपा शंकर तिवारी सरकारी वकील हैं। उनका बेटा सरिल तिवारी (22) बीकॉम थर्ड ईयर का छात्र था। सरिल बुधवार को घर से दवा लेने जाने की बात कहकर घर से निकला था। काफी देर वापस नहीं लौटा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। काफी देर तक जब सरिल का कुछ पता नहीं चला तो परिजन उसके डॉक्टर की क्लिनिक पर पहुंचे। जानकारी हुई कि सरिल वहां नहीं गया था। हालांकि, सीसीटीवी में बाइक से सीधे जाते हुए दिखाई दिया। देर शाम करीब 7:30 बजे पुलिस ने परिजनों को एक्सीडेंट होने की सूचना दी। परिवार लखनऊ पहुंच तब असल मामला पता चला। इंस्पेक्टर गोमती नगर विस्तार गौरव वाजपेई का कहना है कि छात्र का शव रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला है।

सहारा शहर की ऊंची दीवार से गिरकर युवक की मौत

भाई ने लगाया हत्या का आरोप, दो संदिग्ध दबोचे

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। गोमतीनगर स्थित सहारा शहर में बुधवार देर रात चोरी के इरादे से दाखिल हो रहे एक 22 वर्षीय युवक की दीवार से गिरकर मौत हो गई। उसकी पहचान विशालखंड-एक निवासी सनी राना के रूप में हुई है। वह अपने साथियों के साथ करीब 20 फुट ऊंची दीवार पर चढ़कर कटीले तार काट रहा था, तभी उसका संतुलन बिगड़ा और वह परिसर के अंदर सिर के बल जा गिरा।

हादसे के बाद उसके साथी मौके से फरार हो गए। पुलिस ने दो संदिग्धों को हिरासत में ले लिया है, जबकि भाई ने हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक, घटना बुधवार रात करीब ढाई से तीन बजे के बीच की है। दीवार से किसी के भारी आवाज के साथ गिरने की आवाज सुनकर सहारा शहर के सुरक्षाकर्मी मौके की तरफ दौड़े। सुरक्षा कर्मियों को आता देख सनी के साथी वहां से भाग निकले। सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची गोमतीनगर पुलिस घायल सनी को पहले सिविल अस्पताल ले गई, जहां से नाजुक हालत को देखते हुए उसे लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। लोहिया अस्पताल में डॉक्टरों ने सनी को मृत घोषित कर दिया। भाई का आरोप, साथियों ने की हत्या की है। पुलिस ने जब सनी के परिजनों को हादसे तो पिता विनोद और भाई अमन-विनीत अस्पताल पहुंचे। भाई अमन ने बताया कि सनी अपने दोस्तों-ध्रुव, सुहेल और ब्रजेश के साथ घर से निकला था। अमन का आरोप है कि इन तीनों ने मिलकर सनी की हत्या की है। इंस्पेक्टर ब्रजेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि शुरूआती तफ्तीश और हिरासत में लिए गए ब्रजेश व उसके एक अन्य साथी से पूछताछ में सामने आया है कि सनी अपने दोस्तों के साथ चोरी के इरादे से सहारा शहर में घुस रहा था। दीवार पर लगे कटीले तार काटते समय संतुलन बिगड़ने से वह नीचे गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मार्च में भी हुई थी करोड़ों की चोरी: सहारा शहर सुरक्षा के लिहाज से पिछले कुछ समय से चोरों के निशाने पर है। बीते मार्च में भी यहां एक बड़ी चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया था। उस वक्त एसटीएफ ने मामले का खुलासा करते हुए छह शातिर चोरों को गिरफ्तार किया था। उनके करोड़ों रुपये के कीमती आभूषण, एंटिक आइटम्स और कार समेत भारी मात्रा में सामान बरामद हुआ था। उस गिरोह के चोर भी इसी तरह ऊंची दीवार फांदकर परिसर के भीतर दाखिल हुए थे।

विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

लखनऊ। चिनहट के कंचनपुर मटियारी में 23 वर्षीय विवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के समय उसका पति काम पर गया हुआ था। रात करीब एक बजे घर लौटने पर उसने पत्नी को दुपट्टे के सहारे पंखे से लटका देखा। महिला को 8 महीने पहले ही बेटी पैदा हुई थी।

पुलिस के मुताबिक मृतका की पहचान मोनिका मिश्रा (23) के रूप में हुई है। उसके पति आशुतोष तिवारी (24) जोमैटो में डिलीवरी बॉय हैं। आशुतोष ने पुलिस को बताया कि बुधवार देर रात करीब एक बजे वह घर पहुंचे तो पत्नी कमरे में फंदे से लटकी मिली। उन्होंने तुरंत उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। मोनिका की शादी करीब पांच साल पहले हुई थी। दंपती की आठ माह की एक बेटी है। घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस और फील्ड यूनिट मौके पर पहुंची तथा साक्ष्य जुटाए। मायके पक्ष को भी सूचना दे दी गई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए लोहिया अस्पताल भेज दिया है। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

गोण्डा और अयोध्या के बिजली अधिकारी उपभोक्ता की समस्या दूर करें: एमडी मध्यांचल

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा जनपद गोंडा में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें विद्युत व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं उपभोक्ता हितैषी बनाने के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में राजस्व वसूली, लाइन लॉस में कमी, विद्युत आपूर्ति की गुणवत्ता, उपभोक्ता शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा विभागीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई एवं निर्देशित किया कि उपभोक्ताओं को निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए तथा फील्ड स्तर पर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने राजस्व वृद्धि एवं बकाया वसूली में तेजी लाने के साथ-साथ सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। वहीं अयोध्या में समीक्षा बैठक के दौरान कहा कि जर्जर पोल बदला जाय, माननीयो के साथ समन्वय बनाया जाय। ट्रांसफार्मर समय से बदला जाय। कर्मचारियों को फील्ड मे भेजा जाय। उन्होंने ने निर्देश दिया कि उपभोक्ता के साथ कोई भी समस्या हो तो उसे तत्काल समाधान किया जाय।

ग्रीष्मकाल साप्ताहिक विशेष गाड़ी के लगेंगे तीन अतिरिक्त फेरे

लखनऊ। रेलवे प्रशासन द्वारा ग्रीष्मकाल के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त सुविधा के लिए पूर्व से चलाई जा रही 05736/05735 कटिहार-अमृतसर-कटिहार वाया गोरखपुर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी के संचलन अवधि का विस्तार तीन अतिरिक्त फेरों के लिए निम्नवत किया गया है। 05736 कटिहार-अमृतसर ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी 15, 22 एवं 29 जुलाई, प्रत्येक बुधवार को कटिहार से 21.00 बजे प्रस्थान कर पूर्णिया, अररिया कोर्ट बजे, फारबिसगंज, दूसरे दिन ललितग्राम से 00.15 बजे, राघोपुर, सरायगढ़, निर्मली, झंझारपुर, सकरी, शिशो, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, रक्सौल, नरकटियागंजे, कप्तानगंज, गोरखपुर, बस्ती, गोंडा, सीतापुर जं., शाहजहाँपुर, बरेली, तीसरे दिन मुरादाबाद से 00.33 बजे, लक्सर, रूड़की, सहारनपुर, अम्बाला कैंट, राजपुरा, ढंडारी कलां, जलंधर सिटी तथा ब्यास से 08.45 बजे छूटकर अमृतसर 09.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 05735 अमृतसर-कटिहार ग्रीष्मकालीन साप्ताहिक विशेष गाड़ी 17, 24 एवं 31 जुलाई, 2026 दिन प्रत्येक शुक्रवार को अमृतसर से 13.25 बजे प्रस्थान कर ब्यास से 13.57 बजे, जलंधर सिटी, ढंडारी कलां से, राजपुरा, अम्बाला कैंट, सहारनपुर से, रूड़की, लक्सर, मुरादाबाद, बरेली, दूसरे दिन शाहजहाँपुर, सीतापुर जं., गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, नरकटियागंज, रक्सौल, सीतामढ़ी, जनकपुर रोड, शिशो, सकरी, झंझारपुर, निर्मली, सरायगढ़, राघोपुर, ललितग्राम, फारबिसगंज, अररिया कोर्ट से 21.47 बजे तथा पूर्णिया से 22.32 बजे छूटकर कटिहार 23.45 बजे पहुँचेगी।

हाई कोर्ट ने नाबालिग की जेल से तत्काल रिहाई के दिए आदेश

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक नाबालिग को न्यायिक हिरासत में जेल भेजे जाने के मामले में कड़ी नाराजगी जताते हुए उसकी तत्काल रिहाई का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान और न्यायमूर्ति दिवेश चंद्र समंत की पीठ ने प्रथम द्दष्टया माना कि याची की हिरासत अवैध है। मामला एक एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें याची के खिलाफ ऐसी धाराएं लगाई गई थीं जिनमें अधिकतम तीन और पांच वर्ष की सजा का प्रावधान है। पीठ ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने सतेंद्र कुमार अंतिल बनाम सीबीआई मामले में सात वर्ष तक की सजा वाले अपराधों में गिरफ्तारी और रिमांड को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए हैं, लेकिन उनका पालन नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट के सामने यह तथ्य भी आया कि याची घटना के समय 17 वर्ष से कम आयु का था। इसके बावजूद पुलिस ने उसकी उम्र का सत्यापन नहीं किया और न्यायिक मजिस्ट्रेट ने भी उसे नाबालिग होने के बावजूद जेल भेज दिया। कोर्ट ने रिमांड आदेशों को यांत्रिक बताते हुए कहा कि उनमें न्यायिक विवेक का प्रयोग नहीं किया गया। पीठ ने संबंधित पुलिस अधिकारियों और रिमांड लेने वाले अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पंचम, लखनऊ से व्यक्तिगत हलफनामा तलब किया है तथा चेतावनी दी है कि संतोषजनक जवाब न मिलने पर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जा सकती है। मामले की अगली सुनवाई 3 जुलाई को होगी।

गाड़ी की टक्कर के बाद केजीएमयू डॉक्टर से मारपीट, हालत गंभीर

गले से चेन छीनने का आरोप पत्नी की शिकायत पर केस दर्ज

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। आशियाना थाना इलाके में चार दिन पूर्व बीते 31 मई की शाम बीबीएयू गेट नंबर एक के सामने पीछे से गाड़ी पर टक्कर मारने को लेकर विवाद के बाद मारपीट हो गया और पिटाई से डॉक्टर की हालत बिगड़ गई जिन्हें इलाज के लिए पत्नी ने केजीएमयू अस्पताल में भर्ती कराया है जहां पीड़ित डाक्टर की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं गुरूवार को पीड़ित डाक्टर की पत्नी ने गाड़ी में सवार चार युवक और एक महिला पर डॉक्टर पति की पिटाई कर गले से सोने की चेन छीनने का आरोप लगा गाड़ी नंबर के आधार पर लिखित शिकायत की है। हिमालयन कॉलोनी फेज 3 में रहने वाले डॉ विवेक कुमार सिंह केजीएमयू यूरोलॉजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर पद पर कार्यरत है। डॉ की पत्नी डॉ विजेता सिंह भी केजीएमयू में ही कार्यरत है। चोटिल डॉक्टर की पत्नी विजेता सिंह का आरोप है कि 31 मई की शाम करीब 5:30 बजे उनके पति अस्पताल से अपनी बलिनो कार द्वारा बीबीएयू के गेट नं.-1 के सामने से रायबरेली रोड़ की तरफ जा रहे थे। उसी दौरान पीछे से लापरवाही पूर्वक आ रही एक स्विफ्ट कार संख्या यूपी 32 इजे 9010 के चालक द्वारा उनके पति के गाड़ी में पीछे से टक्कर मार दिया। आरोप है कि उनके पति ने जब अपनी कार से उतर कार चालक से आपत्ति जताया तो कार में सवार आक्रामक हो गए और उनके चिकित्सक पति के साथ मारपीट करने लगे, इसी दौरान स्विफ्ट कार में बैठी एक महिला भी बाहर निकल आई और चिकित्सक के साथ अभद्र व्यवहार करते हुए उनका गला पकड़ लिया तथा उनकी लगभग 20 ग्राम सोने की चैन को खींचने लगी। चैन खींचने के कारण चिकित्सक के गले में गंभीर चोट आई तथा उनका दम घुटने लगा और चिकित्सक की हालत बिगड़ गई मौके गेट पर ड्यूटी पर तैनात यूनिवर्सिटी के सुरक्षा गार्ड ने बीच बचाव किया तब हमलावर अपनी गाड़ी लेकर फरार हो गए। महिला डाक्टर के अनुसार जानकारी मिलने पर उन्होंने अपने पति को इलाज के लिए रायबरेली रोड स्थित निजी अस्पताल ले गई जहां से केजीएमसी के लिए रेफर कर दिया गया वहीं अस्पताल में उनके पति की हालत गंभीर बना हुआ है और भर्ती कर इलाज चल रहा है।

पिकअप डाला की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल

लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र में बुधवार को एक तेज रफ्तार पिकअप डाला की टक्कर से बाइक सवार तीन लोग घायल हो गए। हादसे में एक युवती का पैर टूट गया, जबकि दो अन्य लोगों को भी गंभीर चोटें आई हैं। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्नाव जिले के हसनगंज थानान्तर्गत कुरौली निवासी विवेक कुमार मौर्या के मुताबिफ वह अपनी रिश्तेदार अनामिका और रुबी के साथ बुधवार को बाइक से बंथरा के कटीबगिया से घर लौट रहे थे। इसी दौरान पीटीसी कंपनी के सामने लाइफ लाइन हॉस्पिटल के पास एक अनियंत्रित पिकअप डाला (यूपी-35 सीटी 1024) ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में विवेक और अनामिका गंभीर रूप से घायल हो गए। अनामिका के पैर में गंभीर फ्रैक्चर होने के कारण उसे पहले लाइफ लाइन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसे ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया।

श्री रामचन्द्र नारायण शिक्षण एवं प्रशिक्षण महाविद्यालय
माधवपुर, बौरा जगदीशपुर, जनपद सुलतानपुर (उ.प्र.)
(कॉलेज कोड- 688)
निम्न विषयों में प्रवक्ताओं की आवश्यकता है।
1. **स्नातक स्तर (विज्ञान संकाय)**-भौतिक विज्ञान-01 पद, गणित -01 पद, रसायन विज्ञान-01 पद, जन्तु विज्ञान-01 पद, वनस्पति विज्ञान-01 पद।
2. **स्नातक स्तर (कला संकाय)**-गृह विज्ञान-01 पद, प्राचीन इतिहास- 01 पद, राजनीति शास्त्र-01 पद।
3. **परास्नातक स्तर (कला संकाय)**-भूगोल-02 पद, समाजशास्त्र-02 पद।
4. **परास्नातक स्तर (विज्ञान संकाय)**-जन्तु विज्ञान-02 पद, रसायन विज्ञान-02 पद।
अहर्ता वेतन :- विश्वविद्यालय/यूजीसी/एनसीटीई की परिनियमावली के अनुसार देय होगा।
इच्छुक योग्य एवं अनुभवी प्रवक्ता अपना आवेदन पत्र समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्रों की स्व प्रमाणित छाया प्रति व फोटो के साथ 15 दिन के महाविद्यालय के पते पर भेजें ।
हरिश्चन्द्र सिंह
प्रबंधक
श्री रामचन्द्र नारायण शिक्षण एवं प्रशिक्षण महाविद्यालय
माधवपुर
बौरा जगदीशपुर, सुलतानपुर (उ.प्र.)
मो. 8449555000

बकरीद में घर बुलाकर धर्मान्तरण का बनाया दबाव, सीएम पोर्टल पर की शिकायत

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। जनपद कानपुर के कल्याणपुर में रहने वाली महिला ने लखनऊ ठाकुरगंज निवासी सहेली पर बकरीद में घर बुला धोखे से गोमांस खिलाकर धमांन्तण का दबाव बनाने का आरोप लगाया है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपित दंपती अभी उसे परेशान कर रहे है। पीड़िता ने आईजीआरएस पोर्टल के बाद मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर शिकायत की है।

कल्याणपुर के आईआईटी नानकारी की अनीता गोस्वामी ने बताया कि उसकी बचपन की सहेली की शादी गोरखपुर में हुई थी। कुछ दिनों बाद ससुरालीजन से उसके संबंध खराब हुए तो उन्होंने उसे अपने घर में रखा था। वर्तमान में वह लखनऊ के ठाकुरगंज में रहती है। अनीता का कहना है कि सहेली ने उसे बकरीद पर अपने घर लखनऊ बुलाया। 28 मई को वह बेटे व भतीजे के साथ सहेली के घर गई।

रात में खाने के दौरान सहेली के पति ने अनीता से कहा कि वह अपने पति को छोड़ दे, वह विदेश में अच्छा कमाने वाले अपने मुस्लिम दोस्त से उसका निकाह करा देगा। आरोप है कि दंपती ने रात में खाने में उसे गोमांस से बनी बिरयानी खिला दी। इसके बाद उसे उल्टियां होने लगीं। अनीता के नाराज होने पर दंपती ने अपने धर्म की विशेषता बताते हुए एक मौलाना को बुला लिया। मौलाना ने कुरान की आयतें पढ़ने को कहा तो उसने इन्कार कर दिया। इसके बाद आरोपितों ने उसे जबरन पानी पिला दिया, इससे उसे चक्कर आने लगे।

अनीता ने बताया कि वह उनकी शिकायत पुलिस से न कर दे इसलिए आरोपितों ने अगले दिन सुबह उस पर जेवर चोरी का आरोप लगाकर पुलिस बुला ली। पुलिस उसे चौकी ले गई, जहां पूछताछ के बाद उसे छोड़ दिया गया। एसीपी कल्याणपुर आशुतोष कुमार ने बताया कि प्रकरण की जानकारी नहीं है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने लतीफनगर को दी विकास परियोजनाओं की सौगात

लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने गुरुवार को ग्रामसभा लतीफनगर में 36 लाख रुपये की लागत से निर्मित पंचायत भवन (मिनी सचिवालय) एवं विभिन्न जनहितकारी विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह केवल आधारभूत संरचना का विस्तार नहीं, बल्कि सुशासन, जनसुविधाओं एवं ग्रामीण सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि पंचायत भवन (मिनी सचिवालय) ग्रामीण नागरिकों को प्रशासनिक सेवाएं उनके द्वार तक उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने लतीफनगर राजकीय डिग्री कॉलेज के निर्माण के लिए 13.5 करोड़ रुपये की स्वीकृति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह परियोजना सरोजनीनगर के विद्यार्थियों और ग्रामीण युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को समर्पित है। कार्यक्रम के दौरान हाईस्कूल परीक्षा में 89.5% अंक प्राप्त करने वाली शेजल चौरसिया को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। इस दौरान शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। उन्होंने बताया कि सरोजनीनगर के विद्यालयों में कंप्यूटर लैब, मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप, साइकिल एवं अन्य सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास लगातार जारी हैं। महिला सशक्तिकरण पर चर्चा करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि सरोजनीनगर में संचालित 180 से अधिक तारा शक्ति केंद्र महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं, जहां अब तक 1 लाख से अधिक झंडे एवं 50 हजार से अधिक स्कूल बैग तैयार किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 5000 करोड़ रु. की लखनऊ-कानपुर एलिवेटेड रोड, लगभग 200 करोड़ के हरौनी पुल, डिग्री कॉलेज, आयुर्वेदिक अस्पताल और पंचायत भवन जैसी परियोजनाएं क्षेत्र के विकास को नई गति दे रही हैं।

पूर्वोत्तर रेलवे
खुली ई-निविदा सूचना
भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/ इंजीनियरिंग/पूर्वोत्तर रेलवे/ लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत् है :–
(1) ई–निविदा संख्याः NER-LJN-2026-180, कार्य का नाम : पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडलः– नौतनवां – स्टेशन भवन में सुधार, जिसमें रिटायरिंग रूम, वेटिंग रूम (महिलाओं और पुरूषों के लिए), स्टेशन शौचालय के साथ पैसेंजर हॉल, PP शेल्टर 02 बे (PF–02) और स्टेशन साइनेज आदि शामिल हैं, तथा नौतनवां में नई क्रू लॉबी का प्रावधान ।, अनुमानित लागत (रू) : 33877554.95, अग्रिम धन (रू) : 677600.00, समापन अवधि – 12 माह। **1.** उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2026-180 के लिये ई–निविदा दिनांक 28.07.2026 को 15.00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15.00 बजे के बाद ई–निविदा खोली जायेंगी। **2.** उपरोक्त ई–निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम् अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकार ई निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई–निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाईट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।
मंडल रेल प्रबंधक/इंजीनियरिंग,
मुजाधि/डब्ल्यू–151 **पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ**
गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

डिजिटल प्लेटफॉर्म ने कलाकारों को खूब मौके दिये : लिसा मिश्रा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। उड़ीसा में जन्मी और शिकागो में पली-बढ़ी लिसा मिश्रा आज भले मनोरंजन जगत में अपनी जमीन तलाश रही हैं, मगर उन्हें मुंबई आए 8 साल हो गए हैं। बॉलिवुड के कई मशहूर गीतों के कवर गए चुकी लिसा रे 'कॉल मी बे' के बाद वो वेब सीरीज 'द रॉयल्स' में भी नजर आईं। भारतीय मूल की ये अमेरिकन सिंगर-एक्टर बॉलिवुड में आगे बढ़ने को आतुर हैं और दिलजीत दोसांझ की तरह अपने सिंगिंग-एक्टिंग करियर को आगे बढ़ाना चाहती हैं।

इंडस्ट्री में नए कलाकारों को ऑडिशन की राह से तो गुजरना ही पड़ता है। लिसा बताती हैं, 'मैं अब तक अनगिनत ऑडिशन दे चुकी हूं और मुझे पचासों बार रिजेक्ट किया गया है, मगर मैं इसे बुरा नहीं मानती। यह मेरी ट्रेनिंग है और इसी के जरिए मैं अपनी कमियां जान पाती हूं। मैं हमेशा ये जानने को उत्सुक रहती हूं कि अगली बार क्या सुधार करूं। अब उदाहरण के रूप में इसी रोल के लिए मैंने 6 बार ऑडिशन दिया और आखिरकार मुझे लगने लगा कि ये रोल मुझे नहीं मिलने वाला। जबकि मैं इस भूमिका को पाने के लिए बहुत ज्यादा उम्मीद कर रही थी, क्योंकि मैं जानती थी कि द रॉयल्स में बहुत बड़े सितारे हैं, जिनके साथ काम करके मैं बहुत कुछ सीखूंगी। अगर ये भूमिका मुझे नहीं मिली होती, तो मैं तो डिप्रेशन में चली जाती। खुश हूं कि मेहनत के बल पर ये चरित्र मेरे हिस्से में आया। अपनी बैकग्राउंड के बारे में वह कहती हैं, 'मैं बरमपुर उड़ीसा की पैदाइश हूं। मेरे पापा-मम्मी दोनों उड़ीसा से हैं।

मेरे पापा स्टेट बैंक के कर्मचारी थे, जबकि मम्मी यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थीं। जिस वक्त मैं महज 6 साल की थी, मेरे पिता को कैंसर हो गया था, उसी वक्त हम शिकागो में शिफ्ट हो गए। हालांकि मेरा पैतृक परिवार आज भी उड़ीसा में है, मगर तब मैं, मेरी बड़ी बहन, मम्मी और पापा शिकागो शिफ्ट हो गए। मैंने पूरे 18 साल अमेरिका में बिताए। मगर इतना जरूर कह सकती हूं कि बाहरी तौर पर भले मैं अमेरिकन लगूं, मगर घर के अंदर मैं और मेरा परिवार काफी देसी रहा, क्योंकि मेरे माता-पिता नहीं चाहते थे कि हम अपनी जड़ें भूलें।

सिंगर-एक्टर बनना चाहती हूं: सिंगिंग से शुरूआत करने वाली लिसा कॉल मी बे से अपने अभिनय की यात्रा का आगाज भी कर चुकी हैं। वह कहती हैं, 'जैसा मैंने कहा कि संगीत हमेशा मेरा पहला प्यार रहेगा। आज हमारी इंडस्ट्री में कई सिंगर-एक्टर हैं, मगर मैं इस मामले में दिलजीत दोसांझ को अपना आदर्श मानती हूं। मैं उन्हीं की तरह गायन और अभिनय करना चाहूंगी। एक जमाना था, जब सुरैया, नूरजहां, अशोक कुमार और किशोर कुमार सरीखे सिंगर-एक्टर हुआ करते थे। आज हम जैसे कलाकार सिंगिंग और एक्टिंग करते हैं, तो लोगों को नया लगता है, मगर ये तो हम पहले से करते आए हैं। मैं सिंगर-एक्टर के रूप में अपना सफर जारी रखना चाहूंगी। आज इंडिया ही नहीं पूरी दुनिया भर में लेडी गागा, सेलेना गोम्स, विल स्मिथ सरीखे एक्टर-सिंगर छाए हुए हैं। आज मौके भी बहुत हैं और नई चीजों को स्वीकार करने की लोगों की क्षमता भी बढ़ी है।

संघर्ष तो सभी को करना पड़ता है

पिछले 7 सालों से लिसा मुंबई में हैं और उनके माता-पिता आज भी शिकागो में रहते हैं। मुंबई में उनके लिए सबसे मुश्किल दौर कौन-सा था? इस पर वह कहती हैं, 'मुंबई जितनी ऊर्जा मैंने दुनिया के किसी शहर में महसूस नहीं की। यह शहर मेहनतकशों का शहर है। आज ओटीटी और इंटरनेट के कारण सभी को मौके मिल रहे है। मुझ जैसों को मिला है। मगर अपने-अपने हिस्से का संघर्ष तो सभी को करना पड़ता है। मेरे लिए सबसे बड़ा संघर्ष था अपने परिवार से सात समंदर दूर रहना। वह लोग शिकागो में हैं और मैं यहां हूं। बहुत याद आती है उनकी। आपको अपने मम्मी-पापा का हग चाहिए होता है और उनके हाथ का खाना भी। अब साल में उनसे मिलने आप एक-दो बार ही जा सकते हैं। मुझे याद है कोविड के समय मेरा पैर टूट गया था और मैं यहां मुंबई में अकेली थी। उस वक्त मैंने अपने मम्मी-पापा को बहुत याद किया। कई बार उन्हें याद करके रोई हूं। कोविड में जब सारी दुनिया बंद पड़ी थी, तब आपको टूटे पैर के साथ अपने सारे काम करने पड़ रहे थे। वो दौर मेरे लिए काफी मुश्किल था।

13 साल की उम्र में अपना यूट्यूब चैनल खोला

लिसा का मानना है कि संगीत हमेशा उनका पहला प्यार रहा। वह कहती हैं, 'जब मैं शिकागो में थी, तो इंडियन क्लासिकल संगीत की विधिवत शिक्षा नहीं ले पाई, क्योंकि मेरे पास उस तरह के रिसोर्सेज नहीं थे, मगर मैं 3-4 साल की उम्र से बॉलिवुड गाने गाने लगी। बॉलिवुडका वो संगीत मेरे भीतर रह गया। मैं मात्र 13 साल की रही होऊंगी, जब मैंने पहली बार अपना यूट्यूब चैनल खोला था। तब मैं इंग्लिश गाने गाती थी, मगर ये अहसास होने में मुझे काफी समय लग गया कि मुझे हिंदी गाने गाने चाहिए। मेरा पहला गाना था कबीरा और उस कवर को गाने के बाद मुझे लगा कि बॉलिवुड गीतों की काफी फैन फॉलोइंग है। 3-4 साल तक मैं लगातार बॉलिवुड गानों के कवर गाती रही और मैंने जब वीरे दी वहडिंग का कवर तारीफां और लेट मी लव यू का कवर गाया तो सोनम कपूर और उनकी निर्मात्री बहन रिया कपूर ने मुझे आधिकारिक रूप से इंडिया में आमंत्रित किया कि मैं वीरे दी वहडिंग का रीप्राइज वर्जन गाऊं। तब मुझे अहसास हुआ कि अगर मुझे अपना करियर बनाना है, तो मुझे यहीं मुंबई में रहना होगा। मैंने यहां सिंगिंग ही नहीं कंपोजिशन और लिरिक्स राइटिंग का काम भी शुरू किया।

भानु सप्तमी 7 को , बनेंगे वैधृति विष्कुम्भ और द्विपुष्कर योग

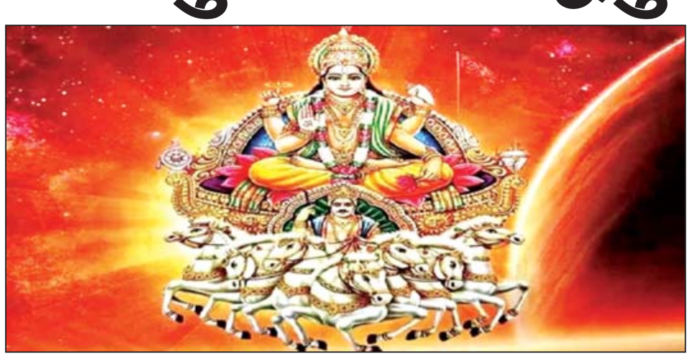

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की सप्तमी तिथि को रविवार का विशेष संयोग बनने जा रहा है, इसलिए इसे भानु सप्तमी कहा जा रहा है। पंचांग के अनुसार, इस साल यह तिथि 7 जून को पड़ेगी. शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार, यह दिन सूर्य की उपासना और उनकी कृपा पाने के लिए विशेष है. कहा जाता है कि इस दिन सूर्य देव की विशेष पूजा-अर्चना के साथ-साथ कुछ उपाय कर लिए जाएं, तो करियर और सेहत से जुड़ी दिक्कतें दूर हो जाती हैं. द्दक पंचांग के अनुसार, पुरुषोत्तम मास की भानु सप्तमी पर वैधृति, विष्कम्भ और द्विपुष्कर योग बनेंगे. ये तीनों मुहूर्त सूर्योपासना के लिए खास माने गए हैं।

पुरुषोत्तम भानु सप्तमी के 5 आसान उपाय:सूर्य को दें अर्घ्य- इस दिन सूर्य देव की अर्घ्य देने से सूर्य देव की विशेष कृपा प्राप्त होती है. ऐसे में इस दिन तांबे के लोटे में जल भरकर उसमें अक्षत, लाल फूल और रोली मिलाएं और फिर उगते हुए सूर्य को जल दें. साथ ही सूर्य को अर्घ्य देते वक्त 'ओम्घृणि सूर्याय नमः' इस मंत्र का जाप जरूर करें।

स्तोत्र पाठ- भानु सप्तमी के दिन सूर्य देवी की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें. मान्यतानुसार, सूर्य के इस स्तोत्र का पाठ करने से स्वास्थ्य उत्तम रहता है. इसके अलावा यह मंत्र आर्थिक परेशानियों को दूर करने में भी सहायक होता है. साथ ही, इस दिन साम्ब सूर्य स्तोत्र का पाठ करने से रोग दूर होता है. इसके अलावा भानु सप्तमी पर सूर्य द्वादश मंत्र नाम का जाप करने से समाज में मान-सम्मान और यश की प्राप्ति होती है।

दान- भानु सप्तमी पर सूर्य देव की कृपा पाने के लिए दान करना भी खास माना गया है. इस दिन एक लाल रंग के कपड़े में चावल और चने को मिलाकर एक पोटली बना लें. इसके बाद उस पोटली को किसी मंदिर या जरूरतमंद को दान स्वरूप प्रदान करें. यह उपाय दुर्भाग्य को दूर करने के लिए खास है।

नदी में प्रवाहित करें गुड़- भानु सप्तमी से अगले 3 रविवार तक सवा किलो गुड़ नदी में प्रवाहित कर दें. मान्यता है कि ऐसा करने पिता-पुत्र के बीच संबंध और मजबूत होते हैं. साथ ही यह उपाय पैतृक संपत्ति से जुड़े विवादों से मुक्ति पाने के लिए भी खास है। भानु सप्तमी के दिन घर में तांबे के सूर्य यंत्र की स्थापना करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर होने लगती है. जबकि, कारोबार वाले स्थान पर इसकी स्थापना करने से आर्थिक स्थिति और अच्छी होती है. साथ ही, अगर कारोबार में अटका हुआ पैसा वापस मिल जाता है।

आकर्षण का केंद्र बनेगा लखनऊ का हुस्नआरा आम

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। आम की यह खास वैरायटी राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में पैदा होती है। इसी क्रम में एक बार फिर लखनऊ में दुनिया का सबसे खूबसूरत हुस्नआरा आम इस समय आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। हुस्नआरा आम में मिठास के साथ साथ खूबसूरती भी है। लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र से आम पूरे देश और विदेश में सप्लाई होता है। बीते 13 वर्षों से आम की अलग-अलग वैरायटी की बागवानी करने वाले मलिहाबाद क्षेत्र के हमिरापुर के ग्राम प्रधान जुनैद अहमद ने बताया कि इस आम की खूबसूरती का अंदाज इस बात से लगाया जा सकता है कि यह यह मांग के बाद मार्केट में गायब हो जाता और इसे लोग घरों में सजाकर रखते हैं।

हुस्नआरा आम की कहानी: आम के किसान जुनैद बताते हैं कि मिजार्गंज निवासी मिर्जा हसनू की पुत्री हुस्नआरा के नाम पर इस आम का नाम रखा गया खुशीर्दाबाद के नवाब ने इसका नाम रखा था। यह आम दूसरे आमों से स्वाद और रंग रूप में बिल्कुल अलग है। आम की यह किस्म अपनी खूबसूरती के चलते किसानों को अच्छा मुनाफा भी दिलाती है। बाजार में इस आम की कीमत , 200 से लेकर 300 रुपए किलो तक होती है।

हुस्नआरा आम की खासियत : हुस्नआरा आम का रंग सुर्ख होता है। जब यह कच्चा होता है तो हरे रंग का दिखाई देता है लेकिन पकने के बाद यह आम सुनहरा ,पीला और सुर्ख लाल हो जाता है। इस आम का छिलका काफी पतला और कश्मीरी सेब की तरह होता है। यह आम नाम के अनुरूप अपनी खूबसूरती के लिए भी पूरे विश्व में मशहूर है।

हुस्नआरा आम की कीमत 200 रुपये किलो: ग्राम प्रधान जुनैद बताते हैं कि मिजार्गंज निवासी मिर्जा हसनू की पुत्री हुस्नआरा के नाम पर इस आम का नाम रखा गया खुशीर्दाबाद के नवाब ने इसका नाम रखा था। यह आम दूसरे आमों से स्वाद और रंग रूप में बिल्कुल अलग है. आम की यह किस्म अपनी खूबसूरती के चलते किसानों को अच्छा मुनाफा भी दिलाती है। बाजार में इस आम की कीमत 200 रुपए किलो तक होती है।

खाड़ी देशों में होता है आम का निर्यात: बता दें कि देश के कुल आम उत्पादन का लगभग 40 प्रतिशत अकेले उत्तर प्रदेश में होता है। लखनऊ से यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व खाड़ी के देशों में आम का निर्यात होता है। विश्व प्रसिद्ध मलिहाबादी दशहरी आम का दुबई, मस्कट, बहरीन और यूएई में भी जाता है। साल भर के इंतजार के बाद आखिरकार अब समय आम का कारोबार शुरू होने होने वाला है। मलिहाबाद में लगने वाली अस्थायी मंडी एक बार फिर से सजने की तैयारी है। गर्मी के बावजूद देश के विभिन्न हिस्सों से खरीदार पहुंच रहे हैं।

एक पेड़ से किसान को 20 हजार तक की आमदनी:प्रधान जुनैद अहमद के पास अपने बाग हैं, उनकी मानें तो, मलिहाबाद में हमारे बाग में तरह-तरह के आम आते हैं, जिसमें काफी ज्यादा जिनकी मांग रहती है,उसमें हुस्नआरा आम एक है। इसके साथ-साथ ही लंगड़ा, सफेदा, दशहरी आम भी हमारे बाग में लगते हैं, जिसकी हम देश-विदेश में सप्लाई करते हैं। उन्होंने बताया कि आम का उत्पादन भी काफी अच्छा है जिसके चलते एक पेड़ से किसान को 20 हजार रुपये तक की आमदनी हो जाती है। इस आम की सबसे बड़ी खासियत है कि पेड़ लगाने के 3 साल के भीतर ही यह फल देने लगता है। इस पेड़ से कोई बच्चा भी बड़े आसानी से फल को तोड़ सकता है। जमीन से 6 इंच ऊपर इस किस्म के पेड़ में फल लगने लगते हैं।

पतला छिलका और कश्मीरी सेब जैसा लुक: हुस्नआरा आम का रंग सुर्ख होता है। जब यह कच्चा होता है तो हरे रंग का दिखाई देता है, लेकिन पकने के बाद यह आम सुनहरा, पीला और सुर्ख लाल हो जाता है। इस आम का छिलका काफी पतला और कश्मीरी सेब की तरह होता है। यह आम नाम के अनुरूप अपनी खूबसूरती के लिए भी पूरे विश्व में मशहूर है।

श्रद्धा व उल्लास के साथ मना खाटू श्याम मंदिर का वार्षिक उत्सव

फूलों एवं रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया मंदिर

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। गोमती नगर विस्तार स्थित खाटू श्याम मंदिर में वार्षिक उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। बाबा खाटू श्याम की प्राण प्रतिष्ठा का एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक कार्यक्रम एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर मंदिर को आकर्षक फूलों एवं रंग-बिरंगी रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया है, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा है। मंदिर के संस्थापक अलंकार पांडे आशु ने बताया कि बाबा श्याम की कृपा से मंदिर लगातार श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि वार्षिक उत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर दर्शन एवं प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं पूर्व छात्र नेता सर्वेश सिंह ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में भाईचारे एवं आध्यात्मिक ऊर्जा को बढ़ावा देते हैं। मंदिर प्रांगण में भजन-कीर्तन, पूजा-अर्चना एवं विभिन्न भक्तिमय कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। श्रद्धालु बाबा श्याम के जयकारों के साथ उत्सव में बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर बाबा खाटू श्याम का आशीर्वाद प्राप्त करने की अपील की है।

महतारी शब्द में निहित है वात्सल्य का अद्भुत भाव : रामभद्राचार्य

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। पद्मविभूषण तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य ने नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के चतुर्थ दिवस भगवान श्रीराम की बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन करते हुए कहा कि राम की बाल लीला में उनके स्वभाव और चरित्र दोनों के दर्शन होते हैं। भगवान की प्रत्येक लीला लोकमंगल के लिए होती है तथा बाल्यकाल में भी उनके दिव्य स्वरूप और मयार्दा की झलक स्पष्ट दिखाई देती है।

सीतापुर रोड स्थित बृज की रसोई परिसर में उत्सव संस्था के तत्वावधान में चल रही श्रीराम कथा में विश्वविख्यात संत रामभद्राचार्य ने कहा कि अवध क्षेत्र में मां को महतारी कहा जाता है। मम्मी अथवा मदर जैसे शब्दों में वह भाव नहीं है जो महतारी शब्द में निहित है। महतारी अपने स्नेह और वात्सल्य को संतान पर उडेल देती है। उन्होंने कहा कि अवध की लोकसंस्कृति में मातृत्व की जो गरिमा है उसका अद्भुत प्रतीक महतारी शब्द है। श्रीराम जन्म प्रसंग का वर्णन करते हुए उन्होंने भये प्रकट कृपाला पद की विस्तृत व्याख्या की। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रचलित पाठ में कई बार निज आयुध भुज चारी बोला जाता है, जबकि सही पाठ निज आयुध भुज धारी है। उन्होंने कहा कि भगवान राम अपने विभिन्न अंशों के साथ अवतरित हुए। क्षीरसागर के विष्णु लक्ष्मण के रूप में, बैकुंठ के विष्णु भरत के रूप में तथा श्वेतद्वीप के विष्णु शत्रुघ्न के रूप में प्रकट हुए। उन्होंने कहा कि भगवान जब प्रकट हुए तब पंद्रह वर्ष के किशोर रूप में थे। बाद में माता कौशल्या के अनुरोध तजहु तात यह रूपा के उपरांत उन्होंने शिशु रूप धारण किया। कथा के दौरान रामभद्राचार्य ने अपने बाल्यकाल का एक संस्मरण भी सुनाया। उन्होंने बताया कि जब वे लगभग तीन वर्ष के थे, तब उनके गांव में एक मदारी बंदर का खेल दिखाने आया था। खेल देखते समय वे बच्चों के साथ भागते हुए एक सूखे कुएं में गिर पड़े। उसी दिन उन्होंने अपने पितामह से भये प्रकट कृपाला पद कंठस्थ किया था। कुएं में गिरने के बाद वे लगातार यह चरित जे गावहिं, हरि पद पावहिं, ते न परहिं भवकूपा का स्मरण करते रहे। उन्होंने कहा कि प्रभु की कृपा से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि रामकथा केवल आध्यात्मिक मार्गदर्शन ही नहीं देती, जीवन में संकट के समय भी संबल प्रदान करती है। कथा के दौरान उन्होंने कहा कि भगवान की बाल लीलाओं में भी उनकी ब्रह्मरूपता एक क्षण के लिए भी ओझल नहीं होती। वे पूर्ण रूप से सजग रहते हैं और भक्तों को आनंद तथा वात्सल्य रस का अनुभव कराने के लिए मानवीय लीलाएं करते हैं। इस अवसर पर इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष सुरेन्द्र गुप्ता, रविन्द्र गोयल, गोपाल खण्डेलवाल, पीसीयू के उपसभापति ब्रजकिशोर गुप्ता, सुधीर हलवासिया सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने व्यासपीठ का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कथा के उपरांत सर्वश्री राकेश पाण्डेय, श्यामजी अग्रवाल, रवि तिवारी, डॉ. अजय गुप्ता तथा अन्य श्रद्धालुओं ने आरती में सहभागिता की। आयोजक संस्था उत्सव, मारवाड़ी युवा मंच, श्याम प्रेमी सेवा संघ ट्रस्ट, बोरा फाउंडेशन, इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन आदि संस्थाओं के स्वयंसेवकों ने व्यवस्था संभाली। मीडिया प्रभारी डा. एस.के.गोपाल ने बताया कि शुक्रवार को श्रीराम कथा के पांचवें दिवस भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सहित प्रदेश सरकार के मंत्रीगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी सम्मिलित होंगे।

आरएसएस के भव्य पथ संचलन का नागरिकों ने किया पुष्पवर्षा से स्वागत

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के कार्यकर्ता विकास वर्ग-प्रथम प्रशिक्षण के अन्तर्गत आज शिक्षार्थियों द्वारा एक भव्य पथ संचलन का आयोजन हुआ। यह प्रशिक्षण वर्ग 22 मई से सरस्वती कुंज, निराला नगर, लखनऊ में संचालित हो रहा है, जिसमें काशी, कानपुर, गोरक्ष एवं अवध प्रांतों के कुल 289 कार्यकर्ता प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। अधिक ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष चतुर्थी, विक्रम संवत 2083 पर सायं 6 बजे प्रारम्भ हुआ पथ संचलन सरस्वती कुंज, निराला नगर से निकलकर आठ नम्बर चौराहा, विवेकानन्दपुरी, महानगर, आईटी मेट्रो स्टेशन (अयोध्या मार्ग), आईटी चौराहा तथा श्री रामकृष्ण मठ के सामने से होते हुए पुनः वर्ग स्थल पर सम्पन्न हुआ। पथ संचलन के दौरान विभिन्न स्थानों पर स्थानीय नागरिकों ने स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया। संघ के घोष वाद्य की मधुर स्वर-रचनाओं के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते स्वयंसेवकों ने अनुशासन, संगठन शक्ति, देशभक्ति एवं सामूहिकता का प्रभावी प्रदर्शन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रशिक्षण वर्ग के सर्वाधिकारी सरदार स्वर्ण सिंह, वर्ग कार्यवाह डॉ. देवेन्द्र अस्थाना, वर्ग पालक मिथिलेश नारायण, क्षेत्र प्रचारक अनिल तथा क्षेत्र शारीरिक शिक्षण प्रमुख अखिलेश, क्षेत्र प्रचार प्रमुख सुभाष चंद्र सहित अन्य प्रमुख अधिकारी महानगर-10, अयोध्या मार्ग स्थल पर उपस्थित रहे और पथ संचलन का अवलोकन किया।

इतिहास के बंद पन्ने खोलती है संजय दत्त की फिल्म 'आखिरी सवाल'

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। राजनीतिक गलियारों से लेकर यूनिवर्सिटी कैंपस तक उनके बारे में सवाल किए जाते हैं। तमाम आरोप लगाए जाते हैं। इतिहास के पन्नों में उनसे जुड़े कई विवाद भी लिखे गए हैं। भारत की आजादी के सफर में वो एक संस्था हमेशा सुर्खियों का हिस्सा रही। लेकिन कभी खुद पर लगे आरोपों और सवालों का जवाब उस संस्था ने नहीं दिया।

हम जिस संस्था का जिक्र कर रहे हैं, वो कोई और नहीं आरएसएस यानी राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ है। फिल्म आखिरी सवाल संघ की अनकही हकीकत को बयां करने की कोशिश करती है। फिल्म आखिरी सवाल की शुरूआत प्रो. गोपाल नाडकर्णी (संजय दत्त) और उनके स्टूडेंट विक्की हेगड़े (नमाशी चक्रवर्ती) के बीच हुई एक तकरार से शुरू होती है। इस तकरार की वजह आरआरएस यानी संघ है। विक्की ने संघ को देशद्रोही घोषित करते हुए शोध किया है, जिसे प्रो. गोपाल नाडकर्णी नकार देते हैं। इस बात पर विक्की आक्रोश में आकर प्रोफेसर गोपाल पर सवाल उठाता है और संघ पर आरोप लगाता है तो उसे बदले में थप्पड़ मिलता है। विक्की के गालों पर पड़ा थप्पड़ स्टूडेंट्स के बीच गुस्सा पैदा कर देता है। प्रोफेसर के खिलाफ विरोध के स्वर उठते हैं, प्रदर्शन होते हैं। फिर अचानक कहानी में एक बड़ा मोड़ आता है, विक्की संघ के बारे में प्रो. नाडकर्णी से पांच सवाल पूछने की बात कहता है।

यह कोई मामूली सवाल नहीं है, इन सवालों के जरिए संघ के इतिहास के बंद पन्ने खुलते हैं। महात्मा गांधी की हत्या, बाबरी विध्वंस और संस्था पर बैन लगने से लेकर तमाम मुद्दों पर चर्चा होती है। शुरूआती दो सवाल विक्की, प्रोफेसर गोपाल नाडकर्णी से कॉलेज कैंपस में पूछता है। बाकी के तीन सवाल टीवी डिबेट में लाइव टेलीकास्ट में पूछे जाते हैं। इन सवालों के जो जवाब प्रोफेसर गोपाल नाडकर्णी देते हैं, वो दर्शकों को चौंकाते हैं और इतिहास के एक अनकहे सच से रूबरू करवाते हैं। फिल्म में संजय दत्त प्रो. गोपाल नाडकर्णी के किरदार में फिल्म के शुरूआत में रमते हुए नजर आते हैं। लेकिन कई दृश्यों में किरदार से ज्यादा उन पर अपनी यानी संजय की पर्सनालिटी हावी होने लगती है। वह गुस्से वाले दृश्यों में जरूरत से ज्यादा चीखते-चिल्लाते हुए नजर आते हैं। लेकिन स्टूडेंट विक्की हेगड़े के रोल में नमाशी चक्रवर्ती (मिथुन चक्रवर्ती के छोटे बेटे) जरूर असर छोड़ते हैं, उनका अभिनय सधा हुआ लगता है। सहायक कलाकारों के तौर पर अमित साध, नीतू चंद्रा जितनी देर भी स्क्रीन पर नजर आए, ठीक-ठाक ही लगे। वहीं समीरा रेड्डी का किरदार काफी हटकर रहा, इसके नेगेटिव शेड्स को उन्होंने पर्दे पर बखूबी उतारा है। आखिरी सवाल को एक ऐसी फिल्म के तौर पर बनाया गया जो हर दर्शक वर्ग के लिए नहीं है।

दरअसल धुरंधर जैसी फिल्म देखने के बाद दर्शकों को यह उम्मीद रहने लगी है कि राजनीतिक परिदृश्य के ईद-गिर्द बुनी गई कहानियों में मनोरंजन भी भरपूर हो, जिसकी कमी आखिरी सवाल में खलती है। किरदारों का विकास ठीक से नहीं हो पाता है, इतिहास के गंभीर मुद्दों पर चर्चा और तर्क प्रभावित नहीं करते हैं। हां, फिल्म का अंत जरूर चौंकाता है, क्योंकि यहां सवाल करने वाला शख्स ही, आपके सामने एक बड़ा सवाल छोड़ जाता है। आखिरी सवाल ने एक ऐसे मुद्दे पर फिल्म बनाने की हिम्मत की है, जो फिर से पुराने विवादों को जन्म दे सकता है। फिल्म देखने के बाद वैचारिक स्तर पर दर्शक बंट सकते हैं। यह मौका दर्शकों को फिल्म की कहानी ही देती है। यह ज्वलंत और विवादित मुद्दों पर स्तही स्तर पर बात करती है, गहराई में नहीं उतरती है। आखिर तक आते-आते यह फिल्म एक डॉक्यूमेंट्री में बदलती हुई नजर आती है। जो थिएटर से बाहर आने के बाद ज्यादा देर तक याद नहीं रहती है। इस फिल्म का संगीत मोंटी शर्मा ने तैयार किया है और गीत कुमार विश्वास ने लिखे हैं। लेकिन फिल्म की कहानी को इसके गीत और संगीत कोई ज्यादा फायदा नहीं पहुंचा पाए। कई दृश्यों में तो बैकग्राउंड म्यूजिक जरूरत से ज्यादा लगने लगता है। आप एक आम दर्शक की तरह अपना वीकएंड मनोरंजन से भरपूर चाहते हैं तो यह फिल्म आपके लिए नहीं है। लेकिन आपकी रुचि देश के इतिहास, राजनीति में हैं। आप किसी विचारधारा विशेष से जुड़े हैं तो आखिरी सवाल के जरिए कई मुद्दों के बारे में जान सकते हैं।

- **कलाकार – संजय दत्त , नमाशी चक्रवर्ती , अमित साध , समीरा रेड्डी**
- **निर्देशक – अभिजीत मोहन वारंग**

रेटिंग-3/5

कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, बाराबंकी

संख्या -212/आबकारी/अपील/सूचना/2026-27/बाराबंकी/ दिनांक : 04.06.2026

अपील/सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि अवैध अड्डों/स्थानों से बिकने वाली अवैध मदिरा का सेवन न करें, क्योंकि अवैध अड्डों से मिलने वाली मदिरा जहरीली हो सकती है तथा मिथाइल अल्कोहल भी हो सकता है, जो एक विष है तथा इसके अल्प मात्रा के सेवन से ऑखों की रोशनी जाने के साथ व्यक्ति की मृत्यु भी हो सकती है। यदि किसी को अवैध मदिरा अथवा निर्धारित मूल्य से अधिक पर बिक्री की सूचना प्राप्त होती है, तो तत्काल जनहित में जनपद के जिला आबकारी अधिकारी, बाराबंकी-9454465638, आबकारी निरीक्षक, नवाबगंज-9454466232, आबकारी निरीक्षक, रामसनेही घाट-9454466233, आबकारी निरीक्षक, हैदरगढ़-9454466234, आबकारी निरीक्षक, फतेहपुर-9454466235, आबकारी निरीक्षक, सिरौली गौसपुर-8299856945, आबकारी निरीक्षक, रामनगर-7303337393, पर सूचना देने का कष्ट करें। अवैध मद्य निष्कर्षण से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की शिकायत के लिये **प्रदेश स्तर पर संचालित टोल फ्री नम्बर-14405 तथा व्हाट्सएप नम्बर 9454466019** पर भी दी जा सकती है। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गोपनीय रखा जायेगा। **आबकारी दुकानों से विक्रीत मदिरा की वैद्यता की जाँच हेतु गूगल प्ले स्टोर से यूपी एक्साइज सिटिजन एप्लिकेशन डाउनलोड कर की जा सकती है।**

(कुलदीप दिनकर)
जिला आबकारी अधिकारी
बाराबंकी

(ईशान प्रताप सिंह)
जिलाधिकारी
बाराबंकी

संक्षेप

युवती का शोषण करने वाला गिरफ्तार

आजमगढ़। निजामाबाद थाना पुलिस ने अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर युवती का शोषण करने तथा उसकी शादी में बाधा उत्पन्न करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, 27 मई 2026 को प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना निजामाबाद में सरवन कुमार यादव निवासी श्रीकांतपुर के विरुद्ध संबंधित धाराओं एवं एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। आरोप है कि उसने फर्जी इंस्टाग्राम आईडी बनाकर पीड़िता की शादी तुड़वाने का प्रयास किया और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसका शोषण किया। मामले की जांच के दौरान उपनिरीक्षक मयंक कृष्ण उपाध्याय व पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 3 जून को रानी की सराय बाईपास क्षेत्र से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसके पास से घटना में प्रयुक्त एक मोबाइल फोन बरामद किया है। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक मयंक कृष्ण उपाध्याय, हेड कांस्टेबल हीसिलानंद यादव तथा कांस्टेबल कृष्णचंद्र शामिल रहे।

प्रधान ने एसडीएम से की कार्रवाई की मांग

आजमगढ़। बिख तहबरपुर के ग्राम पंचायत मड़या के ग्राम प्रधान ने गुरुवार को सार्वजनिक रास्ते पर हुए अवैध अतिक्रमण को खाली कराने एवं ग्राम समाज के खड़ंजे को क्षतिग्रस्त किए जाने के मामले की शिकायत उपजिलाधिकारी सदर से की है। अपने शिकायती पत्र में ग्राम प्रधान तासीन शेख ने आरोप लगाया कि गांव के कुछ लोगों द्वारा ग्राम समाज के रास्ते में लगे खड़ंजे को उखाड़कर निजी आवास निर्माण का कार्य किया जा रहा है। इससे ग्रामीणों के आवागमन में बाधा उत्पन्न हो रही है तथा सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंच रहा है। शिकायत में कहा गया है कि संबंधित व्यक्तियों द्वारा खड़ंजे की ईंटें हटाने एवं रास्ते को अपनी निजी भूमि बताकर निर्माण कार्य आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे वाद-विवाद की स्थिति उत्पन्न हो रही है। ग्राम प्रधान ने प्रशासन से मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा यदि सार्वजनिक रास्ते एवं सरकारी संपत्ति को नुकसान की जांच कराकर संबंधित के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए रास्ते को अतिक्रमण मुक्त कराकर ग्रामीणों के आवागमन को सुचारु बनाए रखा जाए।

शॉर्ट सर्किट से आग में तीन छप्पर जले

जौनपुर । सिंगरामऊ थाना क्षेत्र के करनपुर गांव में गुरुवार को बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग ने पाल बस्ती में अफरा-तफरी मचा दी। आग की चपेट में आने से तीन छप्पर जलकर राख हो गए। घटना के बाद ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पाल बस्ती में अचानक बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने से चिंगारी निकली, जिसने देखते ही देखते पास के छप्परों को अपनी चपेट में ले लिया। आग तेजी से फैलने लगी, जिससे लोगों में दहशत फैल गई।घटना की सूचना मिलते ही सिंगरामऊ पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। वहीं ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया ।हालांकि आग से तीन छप्परों के जलने के कारण गृहस्थी का सामान भी नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है।

एनटीपीसी रिहंद में विकास लक्ष्य के अनुरूप स्थिरता पहलों में तेजी

बीजपुर,सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद ने अपने स्थिरता पहल को मजबूत करने में काफी तरक्की की है और अपने काम को सतत विकास लक्ष्य के साथ करीब से जोड़ा है। यह संगठन पर्यावरण संरक्षण, चक्रीय अर्थव्यवस्था के सिद्धांत और स्वच्छ ऊर्जा की ओर बढ़ने के लिए एक मजबूत और लगातार प्रतिबद्धता दिखाता रहता है। अपनी शुरूआत से ही, एनटीपीसी रिहंद ने बड़े पैमाने पर पेड़ लगाने और पारिस्थितिक बहाली पर जोर दिया है। संयंत्र ने अपने प्रचालन परिसर और आस-पास के इलाकों में लगभग 24 लाख पेड़ लगाए हैं, जिससे इलाके को हरा-भरा बनाने में बहुत मदद मिली है। इनमें से, लगभग 35,000 पौधे मियावाकी तकनीक का प्रयोग करके लगाए गए हैं, जो घने, तेजी से बढ़ने वाले सूक्ष्म वन बनाने के लिए जानी जाती है जो जैव विविधता को बढ़ाते हैं और हवा की गुणवत्ता में सुधार करते हैं। वित्तीय वर्ष 2026द27 के लिए, एनटीपीसी रिहंद ने 75,000 पेड़ लगाने का बड़ा लक्ष्य रखा है, जिसमें मियावाकी तरीके से लगाए गए 36,000 पौधे शामिल हैं, जिससे इसका हरा आवरण और पर्यावरणीय लचीलापन और मजबूत होगा। कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में, एनटीपीसी रिहंद ने स्थिरता और कुशल तरीकों को लागू करके काफी प्रगति की है। 2019 से, टाउनशिप में पैदा हुए लगभग 34 टन प्लास्टिक कचरे का सीमेंट प्लांट में सह-प्रसंस्करण के जरिए पूरी तरह इस्तेमाल किया गया है, जिससे पर्यावरण के हिसाब से सुरक्षित निपटान सुनिश्चित हुआ है। खास बात यह है कि स्टेशन जीरो-प्लास्टिक-वेस्ट-डिस्पोजल अप्रोच रखता है, जिसमें हर साल पैदा होने वाला सारा प्लास्टिक कचरा दोबारा इस्तेमाल के लिए सीमेंट इंडस्ट्रीज को भेज दिया जाता है। इसके अलावा, एनटीपीसी रिहंद ने टाउनशिप में कलर-कोडेड बिन लगाकर और नियमित जागरूकता अभियान चलाकर, लोगों को जिम्मेदार कचरा प्रबंधन के तरीके अपनाने के लिए बढ़ावा देकर, सोर्स पर ही कचरे को अलग करने को सक्रिय बढ़ावा दिया है।

अपने 'वेस्ट-टू-वेल्थ' अप्रोच पर जोर देते हुए, एनटीपीसी रिहंद ने उन कोशिशों को भी सपोर्ट किया है जो पुनर्चक्रण सामग्री को क्रिएटिव क्राफ्ट और आर्टवर्क में बदलते हैं। ये गतिविधियां न सिर्फ स्थिरता के बारे में जागरूकता पैदा करती हैं बल्कि समुदाय में कौशल विकास और रोजी-रोटी के मौकों में भी मदद करती हैं। स्टेशन ने औद्योगिक उप-उत्पादों के इस्तेमाल में भी काफी तरक्की की है। फ्लाई ऐश और पॉण्ड की राख को सीमेंट और सड़क बनाने वाली परियोजनाओं को अच्छे से आपूर्ति की जा रही है, जिससे उनका उत्पादक इस्तेमाल पक्का हो रहा है। इस प्रक्रिया को बीटीएपी और बीओएक्सएन वैगन जैसे खास परिवहन व्यवस्था के जरिए आसान बनाया गया है, जिससे बड़े पैमाने पर दोबारा इस्तेमाल हो पाता है और पर्यावरण पर कम असर होता है।

बीमा कंपनी की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे किसान

● नहीं मिला नष्ट फसलों का मुआवजा

मीरजापुर। लालगंज विकास खंड क्षेत्र में विगत 28,29,30 व 31 अक्टूबर 2025 को हुई तूफानी वर्षात से बामी, धसड़ा, बिरतिया आदि गांवों में धान की फसल को काफी नुकसान हुआ था। दर्जनों गांवों के किसानों ने 14447 पर 72 घंटे के अंदर सूचना भी दे दिया गया था। बीमा कंपनी द्वारा सभी बिमित व? केसीसी धारक किसानों का सर्वे करवाया गया था लेकिन किसानों को मुआवजा के नाम पर धेला नहीं मिला।

बामी के किसान उपेन्द्र सिंह, श्याम नारायण सिंह, शिवपूजन मिश्र, जय नारायण तिवारी, जयशंकर तिवारी, राकेश कुमार, ऐनुद्दीन, नविउल्ला, जविउल्ला, जैनुद्दीन आदि ने बताया की फसल क्षतिपूर्ति पोर्टल पर धान की फसल में 80 से 100 प्रतिशत तक नुकसान दर्ज कराया था। उनका आरोप है कि फसल पूरी तरह नष्ट होने के बावजूद पोर्टल पर अधिकांश किसानों का नुकसान कितना दर्शाया गया किसी को मालूम नही हुआ। बीमा कंपनी द्वारा कराए गए अलग-अलग सर्वे में नुकसान दिखा भी था। बाद में एक कंपनी की ओर से औराई के रहने वाले बीमा कंपनी के सर्वे करने आए कर्मचारियों ने किसानों से सुविधा शुल्क की मांग किया था। किसानों ने क्षतिपूर्ति मिलने के बाद दैने का आश्वासन भी दिया था। लेकिन किसानों ने सुविधा शुल्क नहीं दिया तो मुआवजा नहीं मिला। किसान उपेन्द्र सिंह ने बताया 14447पर संपर्क करने पर बार बार यही कहा गया की क्रियान्वयन किया जा रहा है। किसानों ने कहा की बैंक से कर्ज लेकर धान की खेती की गई थी, वर्षात से फसल नष्ट हो गई और बीमा कंपनी से मुआवजा नहीं मिला जिसके कारण बैंक के केसीसी का ब्याज तक नहीं जमा हो सका और किसान बैंक का कर्जदार बने हुए हैं।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में हुई मौत

मीरजापुर। लालगंज थाना क्षेत्र के मेंढरा गांव में गुरुवार को 24 वर्षीय विवाहिता खुशबू पांडेय की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खुशबू के ससुर रमेश पांडेय ने लालगंज थाने में बहू की मौत की सूचना दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों से पूछताछ की और छानबीन शुरू की। मृतका के स्वजनों का कहना है कि खुशबू काफी समय से बीमार चल रही थी और उसका इलाज भी चल रहा था। खुशबू का विवाह दो वर्ष पूर्व मेंढरा गांव के पवन कुमार पांडेय के साथ हुआ था।

नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला गिरफ्तार

आजमगढ़। कंधरापुर थाना क्षेत्र में टीटी (ट्रैवलिंग टिकट एग्जामिनर) की नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के एक और सदस्य को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, अभियुक्त संदीप श्रीवास्तव को गाजीपुर जिले के जमानिया थाना क्षेत्र स्थित उसके गांव टिसौरा से गिरफ्तार किया गया।मामला 7 मई 2026 का है, जब इसहाकपुर निवासी जनार्दन यादव ने कंधरापुर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उसके पुत्र अमन को रेलवे में टीटी की नौकरी दिलाने का झांसा देकर आरोपियों ने 9 लाख 63 हजार 500 रुपये ले लिए। आरोप है कि ठगी को विश्वसनीय दिखाने के लिए फर्जी टीटी पहचान पत्र भी बनाकर दे दिया गया। जब पैसे वापस मांगे गए तो आरोपियों ने गाली-गलौज और धमकी दी।इस मामले में कंधरापुर थाने पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। पुलिस पहले ही एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अब वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने गिरोह के एक अन्य सदस्य संदीप श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।पुलिस का कहना है कि मामले में अन्य आरोपियों की तलाश और जांच की कार्रवाई जारी है।

पुलिस टीम पर फायरिंग पर बदमाश फरार

जौनपुर। सुरेरी थाना क्षेत्र में बुधवार की देर रात उस समय हड़कंप मच गया जब रात्रि गश्त पर निकली पुलिस टीम पर बाइक सवार तीन बदमाशों ने फायरिंग कर दी। पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए, जबकि हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पूरे इलाके में सघन कांबिंग शुरू कर दी गई है।पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक रामाशीष यादव अपने हमराहियों आरक्षी संदीप गौड़, आरक्षी समीर यादव, आरक्षी जयहिंद तथा सरकारी वाहन चालक पीआरडी आशीष कुमार के साथ क्षेत्र में रात्रि गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों की जांच कर रहे थे।इसी दौरान कोठिया की बारी बहद ग्राम सुरेरी के पास रात करीब दो बजे एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन संदिग्ध युवक सुरेरी बाजार की ओर से आते दिखाई दिए।पुलिस टीम ने जब उन्हें रोककर पूछताछ करने का प्रयास किया तो बदमाशों ने रुकने के बजाय अवैध असलहे निकाल लिए और पुलिस दल पर फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हालांकि पुलिसकर्मियों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए खुद को सुरक्षित रखा, लेकिन हमलावर मौके से भदोही की दिशा में भाग निकले। उपनिरीक्षक की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही बदमाशों की पहचान में जुटी है।

सुरेरी पुलिस ने आठ लोगों को किया गिरफ्तार

जौनपुर। सुरेरी पुलिस ने सोशल मीडिया पर ग्रुप बनाकर गाली गलौज करने मारपीट करने एवं अशांति फैलाने वालों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत सुरेरी पुलिस ने गुरुवार को शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में 8 लोगों को गिरफ्तार किया। जिसमें भजन कुमार पुत्र त्रिभुन कुमार निवासी सुरेरी, विकास राजभर पुत्र रामविलास राजभर निवासी हीरापट्टी, आकाश कश्यप पुत्र अच्छे लाल निवासी हरिहरपुर, किशन पुत्र जयप्रकाश गौतम निवासी नोनरा, रोहित कनौजिया पुत्र सूर्यबली कनौजिया निवासी राईपुर, किशन विश्वकर्मा व अजय विश्वकर्मा पुत्र गण जगनरायण विश्वकर्मा निवासी राईपुर सूरज कुमार गौतम पुत्र कन्हैयालाल निवासी कसेरु, पुलिस सभी आरोपितों के विरुद्ध बीएनएस की धारा 170 के तहत कार्रवाई करते हुए चालान संबंधित न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार किए गए सभी आरोपित सोशल मीडिया के माध्यम से ग्रुप बनाकर गाली गलौज व क्षेत्र में शांति व्यवस्था प्रभावित करने की गतिविधियों में संलिप्त पाए गए थे।

जर्जर खड़ंजा को लेकर ग्रामीणों का प्रदर्शन

जौनपुर। रामनगर विकास खण्ड के छत्तीसाकला गांव में जर्जर खड़ंजा को लेकर नाराज ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान कलावती देवी व सचिव के खिलाफ प्रदर्शन किया।प्रदर्शन के दौरान उक्त गांव निवासी अमन सिंह व त्रिभुवन सिंह ने ग्राम प्रधान व सचिव पर आरोप लगाते हुए कहा कि गांव के नहर से लेकर ठाकुर बस्ती तक खड़ंजा पूरी तरह से खराब हो गया है।जिसके कारण हम लोगों को आने-जाने में काफी समस्या व कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।मार्ग खराब होने के कारण इस मार्ग पर चार पहिया वाहन नहीं आ सकता। यहां तक कि इस मार्ग से जो व्यक्ति बाइक लेकर आता-जाता है।वह कब इस मार्ग पर गिरकर घायल हो जाए कुछ कहा नहीं जा सकता।खराब मार्ग होने के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना प्रति दिन करना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि बराबर इस मार्ग पर आने जाने वाले लोग गिरकर घायल हुआ करते हैं। और जैसे ही बरसात होता है तब इस मार्ग का स्थित और खराब हो जाता है। ग्रामीणों ने कहा कि इस मार्ग को सही करवाने के लिए कई बार जन सुनवाई पोर्टल पर भी शिकायत किया गया।लेकिन सिर्फ आश्वासन पर आश्वासन दिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है की इस मार्ग को ठीक कराने के लिए लगभग दो वर्षों से शिकायत कर रहे हैं।लेकिन आज तक इस खड़ंजे का मरम्मत नहीं कराया गया। इस दौरान अमन सिंह,त्रिभुवन सिंह, अरविंद यादव, चंद्रेश यादव, भरत सिंह सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एनसीएल में पर्यावरण संरक्षण पर कार्यशाला का आयोजन

सोनभद्र। सिंगरौली स्थित भारत सरकार की मिनीरत्न कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में 'विश्व पर्यावरण दिवस' 2026 के उपलक्ष्य में 'पर्यावरण सप्ताह' मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में गत बुधवार को एनसीएल की जयंत परियोजना द्वारा 'पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास' विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन के प्रति लोगों को जागरूक करने और सतत विकास के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित की गयी थी।

इस दौरान कार्यशाला में महाप्रबंधक, जयंत, दीपक सक्सेना बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता एवं सतत विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी प्रदान की। कार्यशाला में विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन, वायु व जल प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, वनस्पति संरक्षण तथा खनन क्षेत्र में पर्यावरण प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकरी प्रदान की। इस अवसर पर महाप्रबंधक (पर्यावरण), राकेश कुमार, कार्यपालन मंत्री, मध्य प्रदेश. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीसीबी), सिंगरौली, शिवम रमन तथा एनसीएल मुख्यालय एवं जयंत परियोजना से अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी, सीएमपीडीआईएल, जयंत के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

राख ढुलाई पूरी तरह ठप

बीजपुर, सोनभद्र। एनटीपीसी रिहंद में राख ढुलाई का काम लगातार तीसरे दिन भी पूरी तरह ठप रहा। भाड़े में बढ़ोतरी की मांग को लेकर स्थानीय ट्रांसपोर्टर और वाहन मालिकों का विरोध प्रदर्शन गुरुवार को भी जारी रहा। आंदोलनकारी वाहन मालिक मांगों पर अड़े हुए हैं और उन्होंने साफ कर दिया है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं तब तक चक्का जाम रहेगा।

छात्रनेता ने दस सूत्री मांग पत्र जिला प्रशासन को सौंपा

● निजामाबाद के विकास को लेकर अरुण मिश्र लालू ने उठायी आवाज

आजमगढ़। दशकों से उपेक्षा का दंश झेल रहे ऐतिहासिक कस्बा निजामाबाद के विकास की आवाज अब मुखर होने लगी है। समाजसेवी एवं डीएवी पीजी कॉलेज छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष अरुण कुमार मिश्र लालू ने निजामाबाद के समग्र विकास के लिए मोर्चा खोलते हुए गुरुवार को जिलाधिकारी को दस सूत्रीय मांगपत्र सौंपा है। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि एक सप्ताह के भीतर मांगों पर ठोस पहल नहीं हुई तो वे अनिश्चितकालीन अनशन शुरू करेंगे। समाजसेवी अरुण मिश्र लालू का कहना है कि तहसील मुख्यालय होने के बावजूद निजामाबाद आज भी बदहाल सड़कों, अपर्याप्त पेयजल व्यवस्था, खराब प्रकाश व्यवस्था और मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है। हजारों लोग प्रतिदिन इन समस्याओं का सामना करने को मजबूर हैं, लेकिन समाधान की दिशा में अपेक्षित प्रयास नहीं हुए। ज्ञापन में सबसे प्रमुख मांग भदुली-निजामाबाद तथा रानी की सराय-निजामाबाद मार्ग के चैड़ीकरण और पुनर्निर्माण की है। सड़कें खराब होने के कारण व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य और आवागमन सभी प्रभावित हो रहे हैं।

अरुण मिश्र ने विश्वप्रसिद्ध ब्लैक पॉटरी कला को निजामाबाद की पहचान बताते हुए कहा कि यह केवल एक कला नहीं, बल्कि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत और हजारों परिवारों की आजीविका का आधार है। उन्होंने कारीगरों के लिए स्थायी विपणन केंद्र, शिल्प हाट और दुकानों की व्यवस्था किए जाने की मांग की ताकि इस कला को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिल सके। मांगपत्र में तहसील परिसर में आरओ युक्त शीतल पेयजल संयंत्र, आधुनिक सार्वजनिक शौचालय, बेहतर सफाई व्यवस्था, गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति, पर्यटन स्थलों के सौंदर्यीकरण और ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए विशेष योजना लागू करने की मांग भी शामिल है। अरुण मिश्र ने कहा कि निजामाबाद केवल एक कस्बा नहीं, बल्कि इतिहास, संस्कृति और शिल्पकला की जीवंत धरोहर है। यदि इसे योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जाए तो यह पूर्वांचल का प्रमुख पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र बन सकता है। उन्होंने प्रशासन से निजामाबाद को मॉडल हेरिटेज टाउन घोषित कर विशेष विकास योजना लागू करने की मांग की। उन्होंने जनता से आह्वान किया कि यह किसी व्यक्ति या संगठन की लड़ाई नहीं, बल्कि निजामाबाद के सम्मान, पहचान और भविष्य की लड़ाई है। यदि विकास के लिए जनआंदोलन करना पड़ा तो क्षेत्र की जनता के साथ पूरी ताकत से संघर्ष किया जाएगा।

संदिग्ध परिस्थिति में लगी आग

मीरजापुर। दिल्ली के होटल में लगी आग की घटना के बाद जिले में भी ऐसी घटनाओं की आशंकाएं जताई जा रही हैं। नगर क्षेत्र के ज्यादातर होटलों रेस्टोरेंट से लेकर दुकानों विभिन्न प्रतिष्ठानों में आग से बचाव के मुक्कमल बंदोबस्त न होकर नाममात्र के ही हैं। कहीं कहीं तो आग पर काबू पाने के यंत्र महज शो-पीस बनकर रह गए हैं। गुरुवार को तड़के कुछ ऐसा ही नजारा नगर के मध्य में देखने को मिला है जहां एक मकान से ऊठ रहे आग और धुएं के गुबार से लोगों का दम घुटने लगा था। जानकारी के मुताबिक शहर कोतवाली क्षेत्र के धुंधली कटरा इलाके में सेठ द्वारका प्रसाद बजाज स्कूल के बगल में स्थित मकान में गुरुवार को तड़के आग लग गयी। आग किन कारणों से लगा यह तो स्पष्ट नहीं हो पाया था लेकिन आग की लपटों को देकर आसपास के लोग सहम उठें थे। समीप में ही कटरा में कई दुकानें व मकान है जहाँ आग लगने से अफरातफरी मच गई थी।

पर्यावरण में सुधार के उपायों पर प्रकाश डाला

जौनपुर। विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर मैग्ज वेलफेयर फाउंडेशन तिघरा ,खुटहन द्वारा एस.एस.आर.एम्इंस्टिट्यूट के प्रांगण में पर्यावरण के विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया । उपस्थित व्यक्तियों द्वारा पर्यावरण की वर्तमान स्थिति और आने वाले समय में इसमें सुधार की संभावनाओं और उपायों पर भी प्रकाश डाला गया । ऑफिस इंचार्ज श्रीमती सुप्रिया सिंह ने बताया की पेड़ है तो जीवन है तथा वृक्षों से हमें फल फूल , छाया मिलती है तथा उनके सूख जाने पर हमें लकड़ी भी प्राप्त होती है तथा वृक्षों से ही पर्यावरण संतुलन भी बना रहता है। दीपांजलि यादव ने भी पर्यावरण पर अपने विचार रखे तथा उन्होंने उपस्थित सभी जनो से विशेष कर छात्रों को आह्वाहन किया कि वह सभी लोग आज से अपने अपने गाँव में जाकर अपने घर से शुरूआत करें और कम से कम अपने एक पडोसी को भी उत्साहित करें और उनसे भी एक एक पौधा अवश्य लगवाए ।राम नारायण पाल ने भीं प्रण लिया कि वो आज ही घर जाकर एक पौधा स्वयं और एक पौधा अपने पडोसी से भी लगवाएंगे ।वंदना पाल , श्रीमती फातिमा और श्री राजनाथ यादव ने भी अपने साथ साथ अपने दो पड़ोसियों के घर भी एक एक पौधा लगाने का संकल्प लिया । संस्था के डायरेक्टर सैयद मोहसिन रजा ने आह्वाहन किया कि लोग स्वयं भी पेड़ पौधे लगाएं और अपने अपने सगे सम्बन्धियों से भी आग्रह कर के पौधरोपण करवायें। मुस्कान,निशा, रहनुमा ,स्वाति ,जूही,अनिशा, सीमा , विशाल , रीतीष , ऑन मोहम्मद,सुभाष ,प्रियंका पाल , गरिमा सिंह, श्वेता , अंजलि ,ममता यादव ,अमृता, शिवांगी ,विकास यादव , मोहम्मद अशरफ आदि लोग उपस्थित रहे ।

हादसे में चालक समेत पांच घायल

जौनपुर । बरसठी थाना क्षेत्र के मौहरी गांव निवासी मुन्ना अपनी तीन बेटियों के साथ गोपालापुर अपने ससुराल गए थे घर वापस आते समय बरसठी थाना क्षेत्र के भान्नौर गांव के पास के सामने से आ रही बोलेरो ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी जिसमें ऑटो पलट गई पलट के क्षतिग्रस्त हो गया । ऑटो में बैठे चालक समेत पांच घायल हो गए घायलों में आटो चालक बृजभान 28 वर्ष पुत्र हीरालाल निवासी जमालपुर थाना रामपुर मुन्ना 45 वर्ष खुशबू 12 वर्ष अंजलि 13 वर्ष चांदनी 15 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए 108 द्वारा सभी को जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया है जहां पर उनका उपचार चल रहा है पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

युवक पर हमला, छह के खिलाफ केस दर्ज

जौनपुर। सुरेरी थाना क्षेत्र के जामडीह गांव में मामूली विवाद को लेकर एक युवक पर हमला किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने छह नामजद आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।जामडीह गांव निवासी रणजीत सिंह पुत्र रविंद्र सिंह ने सुरेरी थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि देर शाम गांव के ही शिवपूजन सिंह, सत्यम सिंह, प्रदुम सिंह, अनिल सिंह, छोटू सिंह एवं कल्लू सिंह ने मामूली कहासुनी को लेकर उन पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने बियर की बोतल से उनके सिर पर वार कर घायल कर दिया। इसके बाद जमीन पर गिर जाने पर लात-घूंसों व डंडों से मारपीट की गई। शोर-शराबा होने पर आसपास के लोगों के पहुंचने पर आरोपित जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए।

दूल्हे के फरार होने का मामला सुलझा, दहेज में दी पल्सर व 61 हजार लेकर माना लड़की पक्ष

फॉलोअप

मड़िहान/मीरजापुर ।स्थानीय थाना क्षेत्र के गांव में जयमाल के बाद दूल्हे के फरार होने से हंगामा मच गया ।मामला गुरुवार के दिन अपराह्न चार बजे पुलिस के हस्तक्षेप के बाद सुलझ गया ।दोनों पक्षों में समझौता हो गया ।कन्या पक्ष ने दहेज में दी गई पल्सर बाइक और 61 हजार रुपये हजार्ना लेकर शादी करने से इनकार कर दिया। कन्या के पिता ने बताया कि वह अपनी बेटी की शादी अब इस लड़के से नहीं करना चाहते ।थाने में पुलिस की मौजूदगी में दोनों पक्ष बैठे। लंबी पंचायत के बाद दूल्हा पक्ष ने दहेज में दी गई पल्सर बाइक और 61 हजार रुपये नकद वापस करने पर सहमति जताई। रुपये और बाइक मिलने के बाद लड़की पक्ष ने समझौता स्वीकार कर लिया ।समझौते की बात पर पुलिस की मौजूदगी में ही बुधवार देर रात रोकी गईं तीनों गाड़ियों को छोड़ दिया गया ।वही दूल्हे के पिता को बुद्धवार को ही मड़िहान पुलिस को सौप दिया था ।इससे गांव में बना तनाव का माहौल कुछ कम हुआ ।पीड़ित पिता ने बताया कि बेटी की शादी के लिए कर्ज लेकर पल्सर बाइक और नगद रुपए दिए थे ।दूल्हा फरार होने के बाद इज्जत और रुपये दोनों डूबने का डर था। पुलिस के सामने समझौता होने से अब कुछ राहत मिली है। गौरतलब है कि मंगलवार रात प्रयागराज जनपद के हरगढ़ गांव से आई बारात में जयमाल के बाद दूल्हा अशोक अपने दो साथियों के साथ बाइक से फरार हो गया था। इससे नाराज लड़की पक्ष ने दूल्हे के पिता राजमणी समेत तीन गाड़ियों को रोक लिया था। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने बुलाकर मामला शांत कराया।

जन-जागरूकता अभियान की तैयारियों की हुई समीक्षा

सोनभद्र। केंद्र सरकार के सफल एवं जनसेवा को समर्पित 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आगामी 05 जून से 21 जून, 2026 तक आयोजित होने वाले समेकित जन-कल्याण एवं जन-जागरूकता अभियान की तैयारियों के संबंध में जनपद के उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग विभाग के माननीय प्रभारी मंत्री श्री हंसराज विश्वकर्मा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अभियान के सफल, प्रभावी एवं व्यापक क्रियान्वयन को लेकर विभिन्न विभागों की तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। बैठक को संबोधित करते हुए माननीय प्रभारी मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार ने विगत 12 वर्षों में गरीब कल्याण, किसान हित, महिला सशक्तिकरण, युवा विकास, आधारभूत संरचना, सामाजिक सुरक्षा एवं सुशासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं। इन उपलब्धियों वजनहितकारी योजनाओं की जानकारी जन-जन तक पहुंचाना इस अभियान का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों, जनसंवादों, विकास प्रदर्शनी, लाभार्थी संपर्क कार्यक्रमों, स्वच्छता गतिविधियों, पौधरोपण कार्यक्रमों एवं जागरूकता अभियानों का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए।

बैठक के दौरान माननीय प्रभारी मंत्री द्वारा जनपद की पांच आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को डिजिटल सशक्तिकरण के उद्देश्य से स्मार्ट मोबाइल फोन वितरित किए गए। इन मोबाइल फोनों के माध्यम से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां पोषण ट्रैकर ऐप एवं प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना ऐप पर कार्य करते हुए लाभार्थियों तक योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचा सकेंगी। माननीय प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार आंगनबाड़ी केंद्रों को आधुनिक, तकनीक-सक्षम एवं अधिक प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। डिजिटल उपकरणों के माध्यम से विभागीय योजनाओं की निगरानी एवं क्रियान्वयन में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित होगी, जिससे महिलाओं एवं बच्चों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद को निदेशालय स्तर से कुल 2099 स्मार्ट मोबाइल फोन प्राप्त हुए हैं। इनका वितरण आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों एवं मुख्य सेविकाओं को चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा। मोबाइल उपलब्ध होने से विभागीय योजनाओं के संचालन में तकनीकी दक्षता बढ़ेगी तथा लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से प्राप्त हो सकेगा। इस अवसर पर डीएम ने कहा कि जनपद में अभियान को पूरी गंभीरता एवं प्रभावी रणनीति के साथ संचालित किया जाएगा। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करें। डीएम ने कहा कि अभियान के माध्यम से आमजन को विभिन्न योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के साथ-साथ लाभार्थियों से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं का समाधान भी सुनिश्चित किया जाएगा।

संक्षेप

मंदिर ठा. द्वारकाधीशजी महाराज में षट ऋतु मनोरथ का आयोजन

मथुरा। मथुरा के प्रसिद्ध मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी श्री श्री 108 डॉक्टर वागीश कुमार जी महाराज कांकरोली नरेश, तृतीय पीठाधीश्वर के द्वारा किया गया है। इसी के तहत अधिक मास उत्सवों की श्रंखला में आज ठाकुरजी शयन के दर्शनों में षट ऋतु में विराजमान हुए जिसके दर्शन कर भक्त भाव विभोर हो गए। इसी क्रम में पूरे एक माह तक विशेष मनोरथ आयोजित किए जाएंगे। शुक्रवार भव्य फूल बंगले का आयोजन शयन के दर्शनों में आयोजित होंगे। जो भी भक्त अपने आराध्य के लिए कोई मनोरथ कराना चाहते हैं, वे करा सकते हैं। अतः समस्त धर्मप्रेमी जनता से अनुरोध है, दर्शन कर पुण्य के भागी बने।

8 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म

मथुरा। थाना कोसीकलां क्षेत्र के एक गांव से दिल दहला देने वाला और इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक 8 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पीड़ित परिवार की लिखित शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़ित बच्ची के दादा द्वारा कोसी पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, यह खौफनाक घटना बीतीरात करीब एक बजे की है। 8 वर्षीय मासूम बच्ची अपने घर में माँ के पास ही एक दूसरी चारपाई पर सो रही थी। आरोप है कि इसी दौरान गांव का ही रहने वाला राहुल (पुत्र प्रकाश) दबे पांव घर के अंदर दाखिल हुआ और सोती हुई बच्ची को चुपचाप उठाकर ले गया। शिकायत में बताया गया है कि आरोपी मासूम को घर के पीछे स्थित एक खाली और निर्माणाधीन मकान में ले गया, जहाँ उसने बच्ची के साथ जबरन दुष्कर्म किया। वारदात के बाद लहूलुहान और रोती-चीखती हुई मासूम किसी तरह वापस अपने घर पहुँची और अपनी माँ को पूरी आपबीती सुनाई। सहमी हुई माँ लोकलाज और डर के मारे रात भर रोती रही। गुरुवार सुबह होते ही उसने परिवार के अन्य सदस्यों को इसकी जानकारी दी। घटना का पता चलते ही परिजनों ने तुरंत आपातकालीन नंबर 112 पर फोन कर पुलिस को सूचित किया और बच्ची को लेकर कोसीकलां थाने पहुँचे। कोसीकलां थाना पुलिस ने परिजनों की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। सीओ छाता भूषण वर्मा ने बताया मामले की संवेदनशीलता और गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित बच्ची को मेडिकल परीक्षण (चिकित्सीय परीक्षण) के लिए भेजा गया है।

पर्यावरण दिवस के तहत ई-वेस्ट जागरूकता अभियान आयोजित

मथुरा। विश्व पर्यावरण दिवस-2026 के उपलक्ष्य में उत्तर मध्य रेलवे के आगरा मंडल द्वारा एक व्यापक पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) गगन गोयल के कुशल मार्गदर्शन में यह अभियान 15 मई से शुरू हुआ है, जो 05 जून 2026 तक मंडल स्तर पर निरंतर जारी रहेगा। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की मुख्य थीम (जलवायु परिवर्तन) निर्धारित की गई है, जिसका उद्देश्य लोगों को जलवायु परिवर्तन के खतरों के प्रति सचेत करना और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

संस्कृति विवि में एनसीसी शिविर का भव्य समापन

मथुरा। संस्कृति विश्वविद्यालय में 11 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित 10-दिवसीय संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी-39) का भव्य समापन हुआ। 24 मई से 2 जून 2026 तक चले इस शिविर में 572 कैडेट्स ने भाग लिया, जिसमें से कड़े मूल्यांकन के बाद 362 कैडेट्स सफलतापूर्वक उत्तीर्ण हुए। इसके अलावा, थल सैनिक शिविर की स्क्रीनिंग में 66 कैडेट्स का चयन किया गया। भीषण गर्मी के बावजूद बेहतरीन प्रबंधनों के चलते लू (हीट स्ट्रोक) का एक भी मामला सामने नहीं आया। कैडेट्स का चयन ड्रिल, हथियार प्रशिक्षण, लिखित परीक्षा, टेंट लगाना, आत्मरक्षा और शारीरिक फिटनेस (रस्साकशी व एथलेटिक्स) के आधार पर किया गया। शिविर के अंतिम दिनों में कैडेट्स ने एकता और अनुशासन के मूलमंत्र को दशार्ते हुए विभिन्न राज्यों के लोक नृत्यों और देशभक्ति गीतों की शानदार प्रस्तुतियां दीं।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए संस्कृति विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. सचिन गुप्ता ने एनसीसी अधिकारियों के साथ मिलकर विजेता कैडेट्स को पुरस्कार व सीएटीसी ट्रॉफी वितरित की। कैडेट्स के समर्पण से प्रभावित होकर डॉ. गुप्ता ने घोषणा की कि विश्वविद्यालय इस शिविर में प्रथम स्थान पाने वाले कैडेट को शैक्षणिक शुल्क (ट्यूशन फीस) में 50 प्रतिशत तक की छूट, द्वितीय स्थान पाने वाले को 25 प्रतिशत तक की छूट, और तृतीय स्थान पाने वाले को 10 प्रतिशत तक की छूट देने पर विचार कर सकता है। कार्यक्रम का समापन पारंपरिक बड़ा खाना (सामुदायिक भोज) के साथ हुआ, कैंप कमांडेंट ने एक अनुकरणीय कैंप आयोजित करने में प्रशिक्षण टीम और सभी संबद्ध संस्थानों के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। इस कार्यक्रम में डिप्टी कैंप कमांडेंट, कैंप एडजुटेंट, कैंप क्वार्टर मास्टर, कैंप प्रशिक्षण अधिकारी, मीडिया अधिकारी, जीसीओ, एआई स्टाफ और सूबेदार मेजर, तथा सभी पीआई स्टाफ ने भाग लिया। कैंप कमांडेंट कर्नल विक्रांत त्यागी (एसएम) सहित सभी सैन्य अधिकारी और स्टाफ मौजूद रहे।

● कैडेट्स को मिलेगी फीस में छूट

पुलिस भर्ती परीक्षा नकलविहीन और पारदर्शी बनाने को प्रशासन मुस्तैद

फिरोजाबाद। मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम में आगामी 8,9 और 10 तारीख को होने वाली पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा को पूरी तरह सुरक्षित पारदर्शी और नकलविहीन बनाने के लिए फिरोजाबाद जिला व पुलिस प्रशासन पूरी तरह तैयार है। इस संबंध में डीएम संतोष कुमार शर्मा व एसएसपी आदित्य लांग्हे की अध्यक्षता में वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ परीक्षा तैयारियों की महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएम ने सख्त लहजे में कहा कि परीक्षा की शुचिता पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। यदि किसी भी स्तर पर थोड़ी सी भी लापरवाही पाई गई, तो संबंधित अधिकारी या कर्मचारी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने बताया कि जिले के सभी 6 परीक्षा केंद्रों पर कड़े इंतजाम किए गए हैं। परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों की बारीकी से चेकिंग की जाएगी। महिला अभ्यर्थियों की जांच के लिए अलग से कवर्ड घिरे हुए क्षेत्र बनाए जाएंगे, जहाँ महिला कांस्टेबल तैनात रहेंगी। पूरी प्रक्रिया पर एलआईयू इंस्पेक्टर नजर रखेंगे। ब्लूटूथ सिम कार्ड वाले बारीक डिवाइस और स्मार्ट वॉच जैसे उपकरणों को रोकने के लिए चेकिंग स्टाफ को विशेष ट्रेनिंग दी गई है। परीक्षा केंद्र पर क्या ले जाना प्रतिबंधित है, इसका बैनर मुख्य गेट पर लगाया जाएगा। परीक्षा केंद्रों और पार्किंग एरिया में संदिग्ध लोगों तथा गाड़ियों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। परीक्षा के दौरान केंद्रों के आसपास की सभी फोटोकॉपी, स्टेशनरी की दुकानें और साइबर कैफे बंद रखे जाएंगे। केंद्रों की सुरक्षा के लिए रात में भी पर्याप्त पुलिस बल तैनात रहेगा। सभी परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिनका लाइव फीड सीधे मुख्य कंट्रोल रूम से सिंक रहेगा।

केंद्र पर तैनात सफाईकर्मी पानी पिलाने वाले कर्मचारी और आउटसोर्सिंग स्टाफ की भी सघन चेकिंग होगी। परीक्षा केंद्र के अंदर मोबाइल ले जाना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। मीडियाकर्मियों का भी परीक्षा केंद्र के भीतर प्रवेश वर्जित होगा। सोशल मीडिया पर परीक्षा से जुड़ी किसी भी तरह की अफवाह या भ्रामक खबर फैलाने वालों पर सख्त नजर रखी जाएगी। ऐसी किसी भी गतिविधि की सूचना तुरंत नोडल अधिकारियों एसपी सिटी एडीएम को दी जाएगी। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर ऑटो टेम्पो और ई-रिक्शा चालकों के साथ बैठक की गई है, ताकि कोई भी चालक अभ्यर्थियों से मनमाना या ओवर-चार्जिंग अवैध वसूली न कर सके।

सप्तकोसीय परिक्रमा में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब, भक्ति में डूबा गोवर्धन धाम

मथुरा/गोवर्धन। अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) के पावन अवसर पर संपूर्ण ब्रजमंडल इस समय भक्ति और अगाध आस्था के सागर में डूबा हुआ है। एक ओर जहाँ ब्रज चैरासी कोस परिक्रमा में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है, वहीं गोवर्धन धाम की प्रसिद्ध सप्तकोसीय परिक्रमा में भी भक्तों का तांता लगा हुआ है। गिरिराज महाराज के जयकारों और हरि कीर्तन की गूंज के बीच श्रद्धालु नाचते-गाते हुए परिक्रमा पूरी कर रहे हैं। इस पावन महीने में पुण्य कमाने के लिए आम श्रद्धालुओं के साथ-साथ जनप्रतिनिधि भी गिरिराज जी की शरण में पहुँच रहे हैं। इसी क्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष किशन चैधरी ने अपनी पत्नी संजू चैधरी के साथ सप्तकोसीय परिक्रमा लगाई। परिक्रमा के दौरान उन्होंने गिरिराज महाराज का विधि-विधान से आशीर्वाद प्राप्त कर उत्तर प्रदेश एवं जनपद मथुरा की उन्नति, क्षेत्र की सुख-समृद्धि, विकास एवं जनकल्याण की मंगलकामना की। जनसेवा, विकास एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति समर्पित नेतृत्व का यह आध्यात्मिक संकल्प समाज के कल्याण और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु अत्यंत प्रेरणादायी नजर आया। इस दौरान उन्होंने परिक्रमा मार्ग में स्थानीय ग्रामीणों और तीर्थयात्रियों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम भी जानी। वहीं दूसरी ओर परिक्रमा मार्ग में आस्था के कई भावुक कर देने वाले नजारे देखने को मिल रहे हैं। भक्ति में सराबोर कई श्रद्धालु अपनी मां, दादी या दिवंगत पत्नी का चित्र हाथों में थामकर परिक्रमा कर रहे हैं। विभिन्न प्रांतों से आए तीर्थयात्री भीषण गर्मी और तेज धूप की परवाह किए बिना दंडवती परिक्रमा कर पुरुषोत्तम मास का पुण्य लाभ उठा रहे हैं। गर्मी से बचने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु शाम से लेकर सुबह 7 बजे तक परिक्रमा कर रहे हैं, जिससे रात के समय भी मार्ग में भारी रौनक बनी हुई है। गिरिराज धाम के प्रमुख मंदिरों में दर्शनार्थियों की भारी उपस्थिति से हर तरफ उत्सव जैसा माहौल है। ठाकुर जी का दुग्धाभिषेक और विशेष पूजा-अर्चना का दौर लगातार जारी है। श्रद्धालु पवित्र मानसी गंगा और राधाकुंड में स्नान कर पुण्य अर्जित कर रहे हैं।

टेट परीक्षा देकर लौट रही नवविवाहिता की मौत

शिकोहाबाद। आगरा में शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) देकर लौट रही एक नवविवाहिता की गुरुवार को सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। देवर के साथ बाइक पर सवार होकर घर लौट रही महिला अचानक चलती बाइक से नीचे गिर गई। गंभीर रूप से घायल महिला को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

थाना शिकोहाबाद क्षेत्र के गांव बुडरई निवासी नीरज (32) पत्नी मनदीप गुरुवार को आगरा में आयोजित टीईटी परीक्षा देने गई थीं। परीक्षा समाप्त होने के बाद वह अपने देवर योगेश पुत्र नवाब सिंह के साथ बाइक से वापस घर लौट रही थीं। बताया जाता है कि जब बाइक नेशनल हाईवे पर बालाजी मंदिर के समीप पहुंची, तभी अचानक नीरज चलती बाइक से नीचे गिर पड़ीं और सड़क पर सिर के बल जा गिरीं। हादसे में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। देवर ने तत्काल पास के एक चिकित्सक से प्राथमिक उपचार कराया, लेकिन कुछ ही देर बाद महिला की हालत तेजी से बिगड़ने लगी। इसके बाद उसे आनन-फानन में शिकोहाबाद के अस्पताल लाया गया, जहां इमरजेंसी में मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही मृतका के परिजन अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल परिसर में परिजनों की चीख-पुकार और मातम का माहौल बन गया। मृतका का मायका जसराना क्षेत्र के सोनमई गांव में है। परिवार के लोगों ने बताया कि नीरज की शादी इसी वर्ष फरवरी माह में हुई थी। शादी को अभी चार महीने भी पूरे नहीं हुए थे कि यह हादसा परिवार पर दुखों का पहाड़ बनकर टूट पड़ा। देवर योगेश के अनुसार, संभावना है कि यात्रा के दौरान नीरज को नींद का झोंका आ गया हो, जिसके कारण उनका संतुलन बिगड़ गया और वह बाइक से नीचे गिर गईं। हालांकि हादसे के वास्तविक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अनुज कुमार ने बताया कि महिला की मौत की सूचना प्राप्त हुई है। शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम कराया जा रहा है तथा मामले की जांच की जा रही है।

महंगाई, प्रदूषण व बिजली को लेकर कांग्रेसियों ने कलेक्ट्रेट तक किया पैदल मार्च और प्रदर्शन

मथुरा। महंगाई, बिजली संकट, यातायात अव्यवस्था, यमुना प्रदूषण और नीट पेपर लीक सहित विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर गुरुवार दोपहर शहर कांग्रेस कमेटी ने प्रदर्शन किया। कांग्रेस कार्यकताओं ने होलीगेट चैराहे से कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च निकाला और सरकार तथा प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। कलेक्ट्रेट पहुंचकर उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा को राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा, जिसमें समस्याओं के समाधान की मांग की गई।

प्रदर्शन का नेतृत्व महानगर अध्यक्ष यतेंद्र मुकदम ने किया। उन्होंने कहा कि जनता महंगाई, बेरोजगारी और बिजली कटौती जैसी बुनियादी समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन सरकार इनके समाधान के प्रति गंभीर नहीं दिख रही है। मुकदम ने आरोप लगाया कि मथुरा में बिजली व्यवस्था बदहाल है, जहां कई क्षेत्रों में 15 से 30 घंटे तक बिजली आपूर्ति बाधित रहती है। उन्होंने यह भी बताया कि बढ़ती बिजली दरों के बावजूद उपभोक्ताओं को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। कांग्रेस नेताओं ने यमुना नदी में बढ़ते प्रदूषण पर भी प्रशासन को घेरा। उन्होंने बताया कि शहर के कई गंदे नाले सीधे यमुना में गिर रहे हैं, जिससे नदी की स्थिति लगातार बिगड़ रही है। नेताओं ने आरोप लगाया कि धार्मिक नगरी मथुरा में यमुना की स्वच्छता को लेकर केवल दावे किए जा रहे हैं, जबकि जमीनी हकीकत चिंताजनक है।

इसके अतिरिक्त, नेताओं ने कृष्ण जन्मभूमि मार्ग सहित शहर की जर्जर सड़कों और बिगड़ी यातायात व्यवस्था का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि होलीगेट, डीग गेट और भरतपुर गेट जैसे क्षेत्रों में आम नागरिक प्रतिदिन जाम की समस्या से जूझ रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान नीट पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की गई। कांग्रेस कार्यकताओं ने चेतावनी दी कि यदि इन जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो पार्टी अपने आंदोलन को और तेज करेगी।

प्रशिक्षण शिविर में एनसीसी कैडेट्स की तबीयत बिगड़ी, इलाज के लिए कराया भर्ती

शिकोहाबाद। दिल्ली पब्लिक स्कूल में चल रहे एनसीसी के प्रशिक्षण शिविर में भीषण गर्मी के चलते कई कैडेट्स की हालत बिगड़ गई। कैडेट्स की हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सभी कैडेट्स का इलाज चल रहा है। दिल्ली पब्लिक स्कूल में 7 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें जनपद के सभी विद्यालय के छात्र छात्राएं प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए आए हुए है। गुरुवार को भीषण गर्मी में प्रशिक्षण के दौरान अचानक से छात्र छात्राओं की तबियत बिगड़ गई। छात्रों की तबियत बिगड़ते ही एनसीसी कैंप में हड़कंप मच गया। उन्हें आनन फानन में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। हिमांशु पुत्र वीरेश, रितिका माथुर पुत्री मुनत कुमार माथुर, अंशिका गुप्ता पुत्री नीरज कुमार गुप्ता, दीक्षा पुत्री पंचम सिंह का इलाज चल रहा है। इस बारे में एनसीसी प्रशिक्षक देवेश कुमार ने बताया कि इन छात्रों की ट्रेनिंग के दौरान तबियत बिगड़ गई थी। जिसके कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

मोबाइल छिनैती को अंजाम देने वाला गिरफ्तार

फिरोजाबाद। थाना शिकोहाबाद पुलिस द्वारा मोबाइल छिनैती की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से घटना में छीना गया एक मोबाइल फोन वन प्लस तथा एक अवैध तमंचा मय 02 जिन्दा कारतूस के बरामद किये गये। थाना शिकोहाबाद क्षेत्रान्तर्गत निवासी हिमांशु पुत्र अवधेश कुमार निवासी गणेश नगर एटा चौराहा शिकोहाबाद द्वारा दिनांक 02.06.2026 को थाना शिकोहाबाद पर तहरीर दी गयी कि उसकी चचेरी बहन दिनांक 30.05.2026 को रात्रि लगभग 08 बजे लाइब्रेरी से घर वापस आते समय हुसैन शोरूम के बाहर एटा चौराहा के पास अपने मोबाइल फोन पर बात कर रही थी, तभी मोटरसाइकिल सवार दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा झपट्टा मारकर मोबाइल फोन छीन लिया गया। उक्त तहरीर के आधार पर थाना शिकोहाबाद पर मुकदमा पंजीकृत किया गया। थाना शिकोहाबाद पुलिस टीम ने अथक प्रयास करते हुए अभियुक्त शुभी पुत्र रामप्रकाश को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से एक छीना हुआ मोबाइल फोन वन प्लस तथा एक अवैध तमंचा मय 2 जिन्दा कारतूस बरामद हुए, थाना पुलिस ने अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की है।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर भव्य कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार

● 12 वर्षों का कार्यकाल भारत का 'स्वर्णिम काल' भव्यता और दिव्यता से आयोजित होंगे सभी कार्यक्रम: प्रभारी मंत्री

फिरोजाबाद। केंद्र सरकार के यशस्वी 12 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में कलेक्ट्रेट सभागार कक्ष में जिले के प्रभारी मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी गन्ना विकास एवं चीनी मिलें की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 5 से 21 जून तक आयोजित होने वाले विभिन्न कल्याणकारी व जन-जागरूकता कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई और अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए गए। प्रभारी मंत्री ने बताया कि इस अभियान की शुरूआत 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस से हो रही है। सौभाग्य से इस दिन प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का जन्मदिन भी है। आज वैश्विक स्तर पर पर्यावरण सबसे बड़ी चिंता है, इसलिए पूरी धरा को हरा-भरा करने के संकल्प के साथ 'एक पेड़ मां के नाम' वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि जिस इंसान में मां के प्रति भाव नहीं, वह इंसान नहीं हो सकता; इसी भावना के साथ हमें पौधों का रोपण और संरक्षण करना है। यह वृक्षारोपण अस्पतालों, विवि, प्रमुख मार्गों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक रूप से किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि केंद्र सरकार के ये 12 वर्ष देश के लिए सेवा संस्कार सुशासन और सम्मान की एक विशाल ऐतिहासिक यात्रा रहे हैं, जिसका लाभ समाज के हर वर्ग को मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस कार्यकाल को भारत का 'स्वर्णिम काल' बताते हुए कहा कि इस दौरान भारत ने विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि इस पूरे आयोजन को हम पूरी भव्यता, दिव्यता के साथ मनाएं, ताकि सरकार की योजनाएं आम जनता तक प्रभावी रूप से पहुंचें। 8 जून से 14 जून के मध्य विशेष जन जागरुकता अभियान चलाया जाएगा, जबकि 11 जून से 14 जून के मध्य मीडिया से संवाद स्थापित कर केंद्र एवं राज्य सरकार की अद्यतन उपलब्धियों का विवरण प्रस्तुत किया जायेगा। 16 जून से 17 जून विकसित भारत संकल्प सम्मेलन राज्य व जनपद स्तर के न्यूनतम 300 प्रबुद्धजनों विषय विशेषज्ञों की सूची तैयार कर उन्हें विभिन्न विकास खंडों में भेजा जाएगा, जो सरकार की उपलब्धियों पर व्याख्यान देंगे। इस दौरान प्रबुद्ध जन शिक्षकों उद्यमियों और स्टार्टअप संचालकों का अभिनंदन भी किया जाएगा। 17 जून से 20 जून विकास प्रदर्शनी इस दौरान एक भव्य विकास प्रदर्शनी का आयोजन होगा, जिसमें केंद्र व राज्य सरकार की तमाम उपलब्धियों और कल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया जाएगा।

18 व 19 जून प्राकृतिक खेती कार्यशाला का आयोजन प्रभारी मंत्री ने इस पर विशेष जोर देते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुंध प्रयोग से लोग गंभीर बीमारियों के शिकार हो रहे हैं, जो चिंताजनक है। प्राकृतिक खेती का व्यापक प्रचार-प्रसार कर किसानों को जागरूक किया जाएगा। बैठक के समापन पर प्रभारी मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि यह मात्र सरकारी आयोजनों की एक श्रृंखला नहीं है, बल्कि यह देश और प्रदेश के पुनर्निर्माण सेवा और सुशासन का एक महा-उत्सव है। हमें इस पूरे कार्यक्रम को केवल कागजी या औपचारिक न रखकर, एक जन-उत्सव के रूप में मनाना है। इसके लिए जनपद के कोने-कोने में नुक्कड़ नाटकों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और लोक-माध्यमों का आयोजन किया जाए, ताकि सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियां सीधे आम जनमानस के दिलों तक उतर सकें। जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति इस उत्सव से नहीं जुड़ेगा, तब तक हमारा प्रयास अधूरा है।

बृज की माताएं हुईं योगमयी: कृष्ण कुटीर वृद्धाश्रम में आयुष विभाग ने कराया योगाभ्यास

मथुरा। आगामी 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के भव्य आयोजन को लेकर आयुष विभाग की तैयारियां पूरे बृज क्षेत्र में जोर-शोर से चल रही हैं। इस वर्ष के योग समारोह का मुख्य उद्देश्य बृजवासियों को स्वस्थ आयु और निरोग जीवन के प्रति जागरूक करना है। इसी कड़ी में आयुष विभाग द्वारा एक सराहनीय पहल की गई है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. डिगम्बर सिंह के दिशा-निर्देशन और जिला कार्यक्रम प्रबंधक (आयुष) अखिलेश कुमार विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में श्कृष्ण कुटीर वृद्धाश्रमश में एक विशेष योग सत्र का आयोजन किया गया। इस योग सत्र में आयुष विभाग की योग प्रशिक्षिका शन्नो शुक्ला द्वारा वृद्धाश्रम की वृद्ध माताओं को विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया। प्रशिक्षिका ने माताओं को ढलती उम्र में योग के महत्व और उससे होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में भी विस्तार से समझाया। योग सत्र के दौरान संस्था की माताओं के साथ-साथ वहां के प्रबंधकगण और अन्य स्टाफ ने भी बेहद प्रफुल्लित और उत्साहपूर्ण मन से प्रतिभाग किया। माताओं के इस अद्भुत उत्साह और प्रदर्शन को देखकर आयुष विभाग की टीम को भी गहरा संतोष और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली। इस अवसर पर विभाग की ओर से संदेश दिया गया कि आज के इस आधुनिक दौर में हर इंसान सांसारिक और भौतिक संसाधनों को जुटाने में लगा हुआ है। अपने जीवन को सुगम बनाने की इस अंधी दौड़ में लोग अपने स्वास्थ्य के प्रति दृष्टिकोण को भूलते जा रहे हैं। उम्र के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में आने वाले बदलावों को योग के माध्यम से ही संतुलित रखा जा सकता है। चाहे बच्चा हो या वृद्ध, आज के समय में कोई भी योग के महत्व से अछूता नहीं रह सकता। ऐसे में हम सभी को योग की तरफ कदम बढ़ाना चाहिए ताकि बढ़ती उम्र को एक श्स्वस्थमय आयुश और जीवन को संतोषमय बनाया जा सके।

छाता पुलिस ने दबोचा एक गांजा तस्कर

मथुरा। थाना छाता क्षेत्र स्थित कस्बा छाता के पास हाईवे से छाता पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार सीओ छाता भूषण वर्मा के निर्देशन में थाना प्रभारी छाता उमेश चन्द्र त्रिपाठी और छाता कस्बा चैकी प्रभारी राहुल चैधरी पुलिस टीम के साथ अभियान चलाकर मादक पदार्थ तस्करों की तलाश में जुटे हुए थे उसी दौरान उन्हें मुखबिर से सूचना मिली कि कस्बा छाता के पास हाईवे पर एक मादक पदार्थ तस्कर खड़ा हुआ है सूचना मिलते ही थाना प्रभारी उमेश चन्द्र त्रिपाठी, कस्बा चैकी प्रभारी राहुल चैधरी और एसआई पुनीत सिरोही पुलिस टीम के साथ वहां पहुंच गए। पुलिस को देखकर भागने का प्रयास कर रहे मादक पदार्थ तस्कर राजवीर सिंह उर्फ राजू पुत्र हरीशचन्द्र निवासी गांव चैनपुरा थाना छाता को घेरकर दबोच लिया।

दूसरे दिन भी नहीं मिला नहर में डूबा बीबीए छात्र का शव, गोताखोरों की तलाश जारी

शिकोहाबाद। छीछामई के पास नहर में डूबे फतेहाबाद निवासी बीबीए छात्र का दूसरे दिन भी कोई सुराग नहीं लग सका। प्रशासन द्वारा गोताखोरों की मदद से लगातार तलाश अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक युवक का पता नहीं चल पाया था। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं गुरुवार को थाना प्रभारी अनुज कुमार भी पहुंचे। आगरा के फतेहाबाद क्षेत्र के मोहल्ला पठान निवासी 22 वर्षीय आरिफ पुत्र वसारत खान बुधवार को अपने रिश्तेदारों जीशान और हारिस के साथ नहर में नहाने आया था। छीछामई के पास नहर किनारे पहुंचने पर स्थानीय लोगों ने उसे नहर में गहराई और तेज बहाव होने की चेतावनी दी थी, लेकिन वह नहर में उतर गया। कुछ देर तक वह पानी में दिखाई दिया, इसके बाद तेज बहाव की चपेट में आकर डूब गया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस, तहसील प्रशासन और फायर सर्विस की टीम मौके पर पहुंची थी। पहले दिन स्थानीय लोगों और प्रशासनिक टीम ने काफी देर तक तलाश अभियान चलाया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद आगरा से पीएसी के गोताखोर बुलाए गए। गुरुवार को दूसरे दिन भी गोताखोरों ने नहर में कई किलोमीटर क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया। थाना प्रभारी अनुज कुमार और नायब तहसीलदार अजीम अहमद की निगरानी में लगातार खोजबीन की जा रही है, लेकिन देर शाम तक युवक का कोई पता नहीं चल सका। बताया गया है कि आरिश बीबीए का छात्र था और अपनी मां फाकरा के साथ फतेहाबाद में रहता था। उसके पिता सऊदी अरब में नौकरी करते हैं, जबकि बड़ा भाई भी कुछ माह पूर्व उनके पास चला गया था। युवक के नहर में डूबने की खबर से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। प्रशासन का कहना है कि युवक की तलाश के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा। युवक की तलाश के लिए उसके कई सारे रिश्तेदार घटनास्थल पर प्रशासन

एटा कासगंज नई रेल लाइन परियोजना को मिली गति

टूंडला। एटा कासगंज 389 करोड़ लागत से स्वीकृत नई रेल लाइन परियोजना के शीघ्र क्रियान्वयन की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। लगभग 29 किमी लंबी इस बहुप्रतीक्षित रेल परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है तथा निर्माण कार्य हेतु आमंत्रित निविदाओं को 10 जून 2026 को खोला जाएगा। क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति उत्तर मध्य रेलवे के सदस्य श्रीकृष्ण गौतम के अनुरोध पर राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी द्वारा परियोजना की वर्तमान स्थिति के संबंध में पत्र द्वारा जानकारी प्राप्त की गई थी। इसके उत्तर में पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर द्वारा सांसद को भेजे गए पत्र में परियोजना की प्रगति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध करा कर मुख्य अभियंता निर्माण-द्वितीय राजेश कुमार सिंह द्वारा अवगत कराया गया है कि भूमि अधिग्रहण के लिए 20-ए राजपत्र अधिसूचना अप्रैल 2025 तथा 20-ई राजपत्र अधिसूचना अक्टूबर 2025 में जारी की जा चुकी है। वर्तमान में 20-एफ अधिसूचना जारी करने हेतु राज्य सरकार द्वारा भू-स्वामियों के मुआवजे का निर्धारण तथा आवश्यक अभिलेखों को अंतिम रूप देने का कार्य किया जा रहा है। रेलवे प्रशासन द्वारा राज्य सरकार से इस प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण कराने का लगातार अनुरोध किया जा रहा है। रेल प्रशासन के अनुसार परियोजना का निर्माण अभियांत्रिकी, क्रय एवं निर्माण ईपीसी प्रणाली के अंतर्गत कराया जाएगा। रेलवे बोर्ड की नीति के अनुसार निर्माण अनुबंध को अंतिम रूप देने के लिए कम से कम 90% भूमि उपलब्ध होना आवश्यक है।

परियोजना को गति प्रदान करने के उद्देश्य से निर्माण कार्य की निविदाएं पहले ही आमंत्रित की जा चुकी हैं तथा इनके प्रस्ताव 10 जून 2026 को खोले जाएंगे। भूमि अधिग्रहण की औपचारिकताएं पूर्ण होते ही निर्माण अनुबंध प्रदान कर कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। रेलवे द्वारा इस महत्वपूर्ण परियोजना को कायारंभ की तिथि से दो वर्ष के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। वर्तमान में टूंडला से एटा तक रेल संपर्क उपलब्ध है। एटाझकासगंज रेल लाइन के निर्माण के उपरांत टूंडला, फिरोजाबाद तथा आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को कासगंज के माध्यम से बरेली बदायूँ, कासगंज सोरों क्षेत्र और उत्तराखंड के प्रमुख नगरों लालकुआँ हल्द्वानी काठगोदाम काशीपुर रामनगर एवं टनकपुर से सीधे रेल संपर्क जुड़ जाएगा।

पुलिस ने नशा तस्कर को दबोचा 358 ग्राम एल्प्राजोलाम बरामद

मथुरा। थाना जैंत पुलिस को मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चेकिंग के दौरान एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध एल्प्राजोलाम और मादक पदार्थ की बिक्री के 1.95 लाख रुपये नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने तस्कर की कार भी जब्त कर ली है, जबकि उसके दो अन्य साथी मौके से भागने में सफल रहे। एसएसपी मथुरा के निर्देशन और अपर पुलिस अधीक्षक नगर व क्षेत्राधिकारी सदर के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष जैत सोनू कुमार पुलिस टीम के साथ क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग कर रहे थे। 03 जून 2026 की रात लगभग 11:40 बजे पुलिस ने जैत माइनर बम्बे की पटरी के पास से एक कार को रोका। तलाशी के दौरान कार सवार जावेद पुत्र बुन्दू खां निवासी भूतेश्वर नवनीत नगर, मथुरा के पास से 358 ग्राम अवैध एल्प्राजोलाम व बिक्री के 1,95,000 रुपये नकद बरामद हुए। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने दो साथियों के नाम भी उजागर किए हैं।

टीएमसी में असली-नकली

लगता है परिवारवादी पार्टियों की यही नियति है। क्षेत्रीय सियासत को हवा देकर यह राज्य की सत्ता पर काबिज हो जाती हैं। ताकतवर सियासी जमात बन जाती हैं लेकिन कहीं न कहीं यह ऐसे मोड़ पर आ जाती हैं जहां परिवारवाद इनकी सबसे बड़ी कमजोरी बन जाता है और इनके पराभव का दौर शुरू हो जाता है। तेलगु देशम, इंडियन नेशनल लोकदल, लोजपा, शिवसेना, एनसीपी में असली-नकली की लड़ाई का खेल हो चुका है। अब इसी तरह के संघर्ष में टीएमसी भी उलझती हुई नजर आ रही है। बंगाल में 15 साल की सत्ता के बाद करारी पराजय और फिर नेतृत्व का संघर्ष टीएमसी को एक ऐसे मुकाम पर ला सकता है जहां इसके पराभव या फिर खात्मे का दौर शुरू हो सकता है। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस में बगावत हो गई है, लिहाजा पार्टी में टूट के पुख्ता आसार हैं। ममता ने मंगलवार को जहां प्रतीकात्मक धरना दिया था, वहां तृणमूल के 80 नवनिर्वाचित विधायकों में से सिर्फ 7 ही पहुंचे। शेष 73 विधायक कहां थे? धरने से एक दिन पहले ममता बनर्जी ने विधायकों की बैठक बुलाई थी, लेकिन उसमें भी 20 विधायक ही पहुंचे। शेष 60 विधायक तब भी गायब थे, नतीजतन बैठक रद्द करनी पड़ी। धरने के वक्त समर्थकों की जो संख्या दिख रही थी, उससे

ममता और तृणमूल के प्रति मोहभंग और अस्वीकार्यता स्पष्ट होती है। संसद के दोनों सदनों में तृणमूल कांग्रेस के 42 सांसद हैं। 80 विधायक हालिया चुनाव में जीत कर आए हैं और करारी पराजय के बावजूद 40 फीसदी से अधिक वोट तृणमूल को मिले हैं। इसके मद्देनजर पार्टी के अस्तित्व और समग्र स्वीकृति सरीखे सवाल नहीं उठाये जा सकते। सवाल यह मौजू है कि क्या तृणमूल कांग्रेस की नियति भी शिवसेना और एनसीपी जैसी हो सकती है? आज असली शिवसेना महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पास है। जिस एनसीपी को शरद पवार ने गठित किया था, सालों तक सींचा भी था, आज वह पार्टी उन्हीं की बहू सुनेत्रा पवार (दिवंगत अजित पवार की पत्नी) के कब्जे में है। अजित शरद पवार के भतीजे थे और वह ही अजित की राजनीति के चाणक्य थे। अजित ने भाजपा से गठबंधन कर लिया और महायुति की सरकार में उपमुख्यमंत्री बन गये। एक विमान दुर्घटना में उनकी मृत्यु हो गई। अब उनकी पत्नी सरकार में उपमुख्यमंत्री हैं और एनसीपी की प्रमुख भी हैं। हालांकि दोनों मामले शीर्ष अदालत के विचाराधीन हैं। ममता बनर्जी ने दो बागी विधायकों-ऋतब्रत बनर्जी और संदीपन साहा-को पार्टी से निष्कासित कर दिया था लेकिन इन्हीं में से एक ऋतब्रत बनर्जी को टीएमसी के करीब 58 विधायकों ने अपना नेता चुना है और विधानसभा अध्यक्ष ने नेता विरोधी दल की मान्यता दे दी है। इस तरह टीएमसी का विधानमंडल दल तो विभाजित हो ही गया है। ऐसी टूट संसदीय दल में भी होने की आशंका है और अगर ऐसा होता है, तो टीएमसी पर ममता के विरोधी नेताओं का अधिकार हो सकता है। दावे तो यहां तक किए जा रहे हैं कि तृणमूल के 28 लोकसभा सांसदों में से अधिकतर पाला बदलने को तैयार हैं, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने अभी तक स्वीकृति नहीं दी है। हालांकि असंतुष्ट सांसदों को संभवतः संकेत मिल गये हैं कि वे दो-तिहाई सांसदों का एक नया गुट तैयार करें, एक प्रस्ताव पर अधिकृत हस्ताक्षर कराएं और लोकसभा स्पीकर को दें। स्पीकर ही अंतिम निर्णय लेंगे। बहरहाल बंगाल में तृणमूल के विधायकों में नेता प्रतिपक्ष को लेकर पहला घमासान हुआ और इसमें ममता बनर्जी के पसंद के विधायक शोभनदेव को नेता प्रतिपक्ष का पद नहीं मिल सका। ममता के विरोधी खेमे ने अपना संख्याबल विधानसभा अध्यक्ष के सामने प्रमाणित किया और विरोधी गुट के नेता ऋतब्रत बनर्जी को यह पद मिल गया। इस तरह विरोधी गुट ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी पर भारी पड़ता दिख रहा है। आगे क्या होगा यह तो वक्ता बतायेगा लेकिन टीएमसी का पराभव होगा, यह तय है।

पर्यावरण संरक्षण के लिए बढ़ायें हरियाली

अरविन्द जयतिलक

> रिओ शिखर सम्मेलन में कहा गया था कि स्थायी विकास के सभी सरोकारों का केंद्र-बिंदु मानव ही है। उसे प्रकृति के साथ पूर्ण समरसता रखते हुए स्वस्थ एवं उत्पादन शील जीवन जीना चाहिए। लेकिन आज भी मनुष्य अपने दुराग्रहों के साथ ही खड़ा है। प्रकृति से उसके खिलवाड़ का तरीका पहले से भी जघन्य हो गया है। नतीजा सामने है। प्रकृति भी प्रतिक्रिया वादी बनती जा रही है लेकिन हम समझने के लिए तैयार नहीं।

आज विश्व पर्यावरण दिवस है। यह दिवस प्रत्येक वर्ष 5 जून को पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण हेतु पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने की घोषणा संयुक्त राष्ट्र ने पर्यावरण के प्रति वैश्विक स्तर पर राजनीतिक व सामाजिक जागृति लाने हेतु वर्ष 1972 में की थी। विडंबना यह है कि इस दिवस पर हम एक ओर पर्यावरण सुरक्षा के प्रति चिंता जाहिर करते हैं, संगोष्ठियां करते हैं, नये कानून गढ़ते हैं वहीं दूसरी ओर अंधाधुंध विकास के नाम पर प्रति वर्ष वनों का विनाश बढ़ता जा रहा है। ऐसे में पर्यावरण दिवस मनाना अपने आप में बेमानी हो जाता है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले सैकड़ों सालों में विकास के नाम पर करोड़ों हेक्टेयर वनों का विनाश किया गया। उसके इस कृत्य से प्रकृति की तकरीबन एक तिहाई से अधिक प्रजातियां नष्ट हुई हैं। जंगली जीवों की संख्या में 50 फीसद की कमी आयी है। उदाहरण के लिए भारत में पिछले एक दशक में पर्यावरण को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले गिद्धों की संख्या में 97 फीसद की गिरावट दर्ज की गयी है। इससे मृत पशुओं की सफाई, बीजों का प्रकीर्णन और परागण कार्य काफी हद तक प्रभावित हुआ है। गिद्धों की तरह अन्य प्रजातियां भी तेजी से विलुप्त हो रही हैं।

वनों के विनाश से वातारण भी जहरीला होता जा रहा है। यानी प्रतिवर्ष 2 अरब टन अतिरिक्त कार्बन-डाइआक्साइड वायुमण्डल में घुल-मिल रहा है। इससे जीवन का सुरक्षा कवच मानी जाने वाली ओजोन परत को नुकसान पहुंचा है। नेचर जिओसाइंस की मानें तो ओजोन परत को होने वाले नुकसान से कुछ खास किस्म के अत्यंत अल्प जीवी तत्वों (वीएसएलएस) की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है जो मानव जाति के अस्तित्व के लिए खतरनाक है। विडंबना यह कि ओजोन परत की सुरक्षा से संबंधित संयुक्त राष्ट्र के मांट्रियाल प्रोटोकाल में इन तत्वों पर नियंत्रण की कोई अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था नहीं है। गौरतलब है कि दुनिया के 20 सबसे ज्यादा क्लोरोफ्लोरो कार्बन उत्सर्जित करने वाले देशों के बीच ओजोन परत के क्षरण को रोकने के लिए 16 सितंबर, 1987 को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक संधि हुई जिसे मांट्रियाल प्रोटाकॉल नाम दिया गया। इसका मकसद ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार

गैसों एवं तत्वों के इस्तेमाल पर रोक लगाना था। लेकिन इस दिशा में अभी तक अपेक्षित सफलता हासिल नहीं हुई है। एक आंकड़ें के मुताबिक अब तक वायुमण्डल में 36 लाख टन कार्बन डाइआक्साइड की वृद्धि हो चुकी है और वायुमण्डल से 24 लाख टन आक्सीजन समाप्त हो चुकी है। अगर यही स्थिति रही तो 2050 तक पृथ्वी के तापक्रम में लगभग 4 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो सकती है। वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी का तापमान जिस तेजी से बढ़ रहा है अगर उस पर समय रहते काबू नहीं पाया गया तो अगली सदी में तापमान 60 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाएगा। आज जब 48 डिग्री सेल्सियस की गर्मी मनुष्य के लिए असहनीय है तो 60 डिग्री सेल्सियस गर्मी को कैसे बर्दाश्त कर सकता है। तापमान बढ़ने से सूर्य की किरणें कैंसर जैसे भयंकर रोगों में वृद्धि करेगी। कहीं सूखा पड़ेगा, कहीं गरम हवाएं चलेंगी तो कहीं भीषण तूफान व बाढ़ का सामना करना पड़ेगा। यदि पृथ्वी के तापमान में मात्र 3.6 डिग्री सेल्सियस तक वृद्धि हो जाए तो आर्कटिक एवं अण्टाकर्टिका के विशाल हिमखण्ड पिघल जाएंगे जिससे समुद्र के जल स्तर में 10 इंच से 5 फुट तक वृद्धि हो सकती है। इसका परिणाम यह होगा कि समुद्रतटीय नगर समुद्र में डूब जाएंगे।

विश्व पर्यावरण दिवस

भारत के मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, पणजी, विशाखापट्टनम कोचीन और त्रिवेंद्रम नगर समुद्र में होंगे। इसी तरह न्यूयॉर्क, लॉस एंजिल्स, पेरिस और लंदन आदि बड़े नगर भी जलमग्न हो जाएंगे। याद दिला दें कि 5 जून 2007 में पर्यावरण दिवस का सबसे ज्वलंत विषय ह्यपिघलती बर्फह्न था। इस पर मुख्य अंतर्राष्ट्रीय आयोजन नॉर्वे के ट्रामसे में संपन्न हुआ और दुनिया भर में ह्यग्लोबल आउटलुक फॉर आइस एंड स्नोह्न की शुरूआत हुई। गौर करें तो पर्यावरण के साथ खिलवाड़ का सबसे घातक असर ध्रवीय क्षेत्रों पर पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय अनुपात को देखते हुए उत्तरी ध्रुव क्षेत्र दोहरी तेजी से गरम हो रहा है। उत्तरी ध्रुव समुद्र में फैली स्थायी बर्फ की मोटी परत कम हो रही है। सदियों से बर्फ के मजबूत चादर में ढके क्षेत्र पिघल रहे हैं।

वर्ष 2007 की इंटरगवर्नमेंटल पैनल की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर के करीब 30 पर्वतीय ग्लेशियरों की मोटाई वर्ष 2005 में आधे मीटर से ज्यादा कम हो गयी। वैज्ञानिकों को मानना है कि इसके लिए मुख्य रुप से ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन जिम्मेदार है। हिमालय क्षेत्र में पिछले पांच दशकों में माउंट एवरेस्ट के ग्लेशियर 2 से 5 किलोमीटर सिकुड़ गए हैं। इसके अलावा हिमालय के 76 फीसद ग्लेशियर चिंताजनक गति से सिकुड़ रहे हैं। कश्मीर और नेपाल के बीच गंगोत्री ग्लेशियर तेजी से सिकुड़ते ग्लेशियर का एक अन्य उदाहरण है। अनुमानित भूमंडलीय तापन से जीवों का भौगोलिक वितरण भी प्रभावित हो सकता है। कई जातियां धीरे-धीरे ध्रुवीय दिशा या उच्च पर्वतों की ओर विस्थापित हो जाएंगी। जातियों के वितरण में इन परिवर्तनों का जाति विविधता तथा पारिस्थितिकी अभिक्रियाओं इत्यादि पर असर पड़ेगा। पृथ्वी पर करीब 12 करोड़ वर्षों तक राज करने वाले डायनासोर नामक दैत्याकार जीवों के समाप्त होने का कारण संभवतः ग्रीन हाउस प्रभाव ही था। निश्चित रुप से मनुष्य के विकास के लिए प्रकृति प्रदत्त संसाधनों का दोहन आवश्यक है। पर उसकी सीमा भी निर्धारित होनी चाहिए। लेकिन उसका पालन नहीं हो रहा है। विकास के लिए बिजली आवश्यक है। लेकिन जिस तरह बिजली के उत्पादन के लिए नदियों के सतत प्रवाह को रोककर बांध बनाया जा रहा है उससे खतरनाक पारिस्थितिकीय संकट उत्पन हो गया है। जल का दोहन स्रोत सालाना रिचार्ज से कई गुना बढ़ गया है। पेयजल और कृषिजल का संकट गहराने लगा है। भारत की गंगा और यमुना जैसी अनगिनत नदियां सूखने के कगार पर हैं। वह प्रदुषण से कराह रही हैं। सीवर का गंदा पानी और औद्योगिक कचरा बहाने के कारण क्रोमियम और मरकरी जैसे घातक रसायनों से नदियों का पानी जहर बनता जा रहा है। वैज्ञानिकों की मानें तो जल संरक्षण और प्रदूषण पर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले 200 सालों में भूजल स्रोत सूख जाएगा। नतीजतन मनुष्य को मौसमी परिवर्तनों मसलन ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन क्षरण, ग्रीन हाउस प्रभाव, भूकंप, भारी वर्शा, बाढ़ और सूखा जैसी विपदाओं से जुझना होगा। जलवायु परिवर्तन को लेकर 1972 में स्टाकहोम, 1992 में जेनेरियो, 2002 में जोंहासबर्ग, 2006 में मांट्रियाल और 2007 में बैंकॉक सम्मेलन हुआ। हो रहे बेढ़ब परिवर्तन को लेकर चिंता जतायी गयी।

जलवायु को संतुलित बनाए रखने के लिए ढेरों कानून बनाए गए। लेकिन त्रासदी है कि उस पर ईमानदारी से अमल नहीं हुआ। लेक सेक्स सम्मेलन 1949 में इस बात पर बल दिया गया कि प्रकृति के उपकरण एक नैसर्गिक बपौती के रुप में है जिन्हें शीध्रता से नष्ट नहीं करना चाहिए। इसी तरह स्टाकहोम सम्मेलन 1972 में मानवीय पर्यावरण पर घोषणा हुई। सैद्धांतिक रुप से पृथ्वी के प्राकृतिक द्रव्यों जिनमें वायु, पानी, भूमि तथा पेड़-पौधे शामिल हैं, को वर्तमान तथा भावी पीढ़ियों के लिए सावधानीपूर्ण तथा उपयुक्त योजना तथा प्रबंध द्वारा सुरक्षित रखने पर बल दिया गया।

सोशल मीडिया

सुप्रसिद्ध फिल्म निर्माता व केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री पहलाज निहलानी जी के निधन का समाचार अति दुखद है तथा फिल्म जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। केशव प्रसाद मौर्य.

चित्रकूट में पानी के लिए तरसते बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों की दयनीय हालात देखकर भारतीय जनता पार्टी के विकास का दावा अंडरग्राउंड हो गया है। अखिलेश यादव.

वेदांत और उसके मित्र प्रतिभाशाली, साहसी युवा भारतीय हैं, जिन्होंने सीबीएसई और मोदी सरकार से कुछ सीधे-साधे सवाल पूछे लेकिन जवाबों की जगह अपमान उन्हें मिला। राहुल गांधी.

निराशा का कारण

अंतर्दृष्टि

वासना, अत्यधिक लिप्सा और भोग की प्रवृत्ति हमारे व्यक्तित्व और चरित्र का ह्रास करती हैं। जिनके मन पर पर वासनाओं ने अधिकार जमा लिया है और जो इसके फल स्वरूप इंद्रियों के दास बन चुके हैं, उनका छुटकारा सहज में नहीं होता। वे विषयों की बुराइयां जानकर भी निर्बलता अथवा मोह वश उनके फंदे से नहीं निकल पाते। ऐसे लोगों को निरन्तर सत्संगति और आध्यात्मिक चिंतन की आवश्यकता पड़ती है। इन वासनाओं में प्रायः काम वासना ही सर्व प्रधान होती है और सबसे पहले उसी के निग्रह की चेष्टा की जानीचाहिए। स्त्री की प्रतिमूर्ति अथवा स्मरण मन को क्षुब्ध करता है। काम वासना शक्तिशाली होती है। यह एक कुसुम धानुष साथ लेकर चलती है, जिसमें मोहन, स्तम्भन, उन्मादन, शोषण और तपन रूपी पांच वाण सजे होते हैं। विवेक, विचार, भक्ति और ध्यान इस घोर राग का मूलोच्छेद करते हैं। यदि काम पर विजय प्राप्त हुई तो क्रोध, लोभ, आदि जो उसके शस्त्र हैं, आप ही कुण्डित हो जायेंगे। राग का प्रथम अस्त्र रमणी है। यदि इसे मन से नष्ट किया गया तो इसके अनुवर्ती और परिजन बड़ी आसानी से जीते जायेंगे। यदि सेनापति मारा गया तो सैनिकों को मार डालना आसान हो जायेगा। वासना पर विजय प्राप्त करो। फिर क्रोध को जीत लेना आसन हो जायेगा। केवल क्रोध ही वासना का अनुवर्ती है। सैनिक जैसे ही दुर्ग से बाहर निकलें, उन्हें एक-एक करके मार डालो, अंत में तुम्हारा दुर्ग पर आधिपत्य हो जायेगा। इसी प्रकार प्रत्येक संकल्प को जो मन में उठे एक-एक करके नष्ट कर दो। अंत में तुम्हारा मन पर अधिकार हो जायेगा। विचार, शांति, ध्यान और क्षमता के द्वारा क्रोध पर विजय प्राप्त करो। जो मनुष्य तुम्हारी हानि करता हो, उसके ऊपर दया करो और उसे क्षमा कर दो। उलाहने को प्रसाद समझो, उसे आभूषण जानों तथा अमृत तुल्य मानो। भर्त्सना को सह लो। सेवा, दया और ब्रह्मभावना के द्वारा विश्व प्रेम का विकास करो। जब क्रोध पर विजय प्राप्त हो जायेगी तो धृष्टता, अहंकार और द्वेष नष्ट हो जायेंगे। प्रार्थना और भजन से भी क्रोध दूर हो जाता है। संतोष, अभेद, विराग, तथा दान के द्वारा लोभ का शमन करो। अभिलाषाओं को मत बढ़ाओ, तुम्हें कभी निराश नहीं होना पड़ेगा। संतोष के राज्य के चार संतरियों की सहायता से तुम ब्रह्म ज्ञान, जीवन के चरम लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हो। अनुराग के पीछे-पीछे शोक और दुख भी लगे रहते हैं। अनुराग शोक से मिश्रित होता है। सुख के पीछे दुख चलता है। जहां सुख है वहां दुख है। अनुराग के नाम पर मनुष्य दुख का विषमय बीज वपन करता है जिससे शीघ्र की स्नेह के अंकुर निकल आते हैं। जिसमें बिजली के समान भयानक दाहकता होती है। इन अंकुरों से अनेक शाखाओं से युक्त दुख का वृक्ष उत्पन्न होता है।

सड़क पर सांड़ों की लड़ाई...

व्यंग्यलोक

जहां जाओ वहां सांडों की लड़ाई जारी है। सड़क पर सांडों की लड़ाई देखने के लिए कई बैल एकत्र हो जाते हैं और संसद में सांडों की लड़ाई हो जाए तो बैल तक भाग जाते हैं। सांड इतने जोरदार लड़ते हैं कि भीड़ के लोगों को भाड़ में ही जाना पड़ता है। सड़क पर से लेकर संसद तक सांडों का घमासान मचा है। इधर राजनीति में सांडों का जलवा भारी है। केरल, मध्य प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ से लेकर असम, बिहार, उत्तर प्रदेश तक नाना प्रकार के सांडों की नाना तरह की लड़ाइयां जारी है। राजधानी इंद्रप्रस्थ में होने वाली राजनीतिक सांडों की परंपरागत लड़ाई में घायल हुए एक चमचे का कहना है कि उसके जख्म सम्मान के पदक जैसे हैं। सांडों की इस लड़ाई में घायल होने से गर्व महसूस कर रहे एक दलाल ने मंगलवार को 'कल सबको खा जाऊंगा' (केएसकेजे) न्यूज चैनल को बताया कि उसे ऐसा लग रहा है, जैसे देश की राजधानी में उसका भव्य स्वागत किया गया हो। जैसे उसे शांति का नोबेल पुरस्कार मिल गया हो। अगर सांड किसी को टक्कर मारता है, तो वह खुद को एक महान सम्राट जैसे महसूस करता है। किसी भी पार्टी की सफलता बहुत हद तक उनके सांड प्रबंधन पर निर्भर करती है। हल्का कानूनी व्यायाम सांडों को काफी भारी होने से रोकता है। साड़ों को अलग से निर्मित बंगले में ही रखना चाहिए। इन सांडों के लिए बंगलों में खुले तथा ढके क्षेत्र होने चाहिए। सांडो को आरामदेह और हवादार कोठियों में ही रखना चाहिए। ये कोठियां साफ एवं स्वास्थ्यकर ढंग से प्रबंधित होनी चाहिए। वरिष्ठ सांड को अलग से एक बड़े रिसॉर्ट में अपने वरिष्ठ चमचे के साथ अकेले में रखना ज्यादा उचित होता है। रिसोर्ट की सतह ठोस और फिसलन रहित होनी चाहिए। बारिश, ठंड तथा गर्मी के महीनों में बचाव की समुचित व्यवस्था होनी चाहिए। अनीति जल की उत्तम व्यवस्था होनी चाहिए। सांडों से जब काम लिया जा रहा हो, तो उन्हें पर्याप्त मात्रा में भ्रष्टाचार का अनाज अतिरिक्त रूप में दिया जाना चाहिए। सांडों को सीबीआई-ईडी आदि की जांच का लाल कपड़ा दिखा कर नियंत्रित करने का प्रयास किया जाता है, लेकिन इससे वे उल्टा भड़कते दिखाई पड़ते हैं। इनकी आंखों में एक विशिष्ट प्रकार की तीक्ष्ण दृष्टि होती है, जिससे वे अपने मतलब के वोटर को सीधा भांप लेते हैं। चतुर नागरिकों को चाहिए कि वे सांडों की लड़ाई और दौड़ में शामिल न हो। वे अपने घरों में चुपचाप पड़े रहें और कल सबको खा जाऊंगा (केएसकेजे) जैसे न्यूज चैनलों में बिकनी गर्ल द्वारा दिखाई जाने वाली इनकी लड़ाई और दौड़ के साथ अपनी गरीबी के जमकर मजे लेते रहें।

रामविलास जॉगिड़

गरीबों के उत्थान को सतत् समर्पित एक कर्मयोगी

सीएम के जन्मदिन पर विशेष

प्रो. आर.एन. त्रिपाठी

सीएम योगी आदित्यनाथ के 9 साल के कार्यकाल में उ.प्र. ने विकास के लगभग सभी क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। एक जिला- एक उत्पाद योजना के माध्यम से भी और एक जिला-एक व्यंजन योजना के माध्यम से भी। हर जिले को मेडिकल कॉलेज से जोड़ने की उनकी योजना मूर्त रूप लेती नजर आ रही है तो एक्सप्रेस वे का हब भी प्रदेश बन रहा है। डिफेंस कॉरिडोर के जरिए जहां यूपी देश की रक्षा जरूरतों को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, वहीं अपनी धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और साहित्यिक विरासत के संरक्षण और संवर्द्धन में भी उत्तर प्रदेश मील का पत्थर साबित हो रहा है। यह बात पर दुख द्रवहिं संत सुपुनीता वाली अर्द्धाली को अक्षरशः चरितार्थ करती है। योगी ने हर पल का न केवल समुचित उपयोग किया है बल्कि उसे जनहित में नियोजित भी किया। रामचरितमानस में संत तुलसी दासजी ने लिखा है कि संत हृदय नवनीत समाना। अर्थात संतों का हृदय मक्खन जैसा कोमल होता है लेकिन विचारणीय यह है कि मक्खन तो केवल ताप (आंच या गर्मी) मिलने पर ही पिघलता है, जबकि संत दूसरों के दुःख से पिघल जाते हैं। द्रवित हो जाते हैं। ठीक यही बात यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर भी लागू होती है जो सादा जीवन-उच्च विचार के पर्याय बन गये हैं।

सबसे न्यूनतम खर्च पर जीवन जीते हैं और अधिकतम कार्य करते हैं। उन्होंने पूरा जीवन मां भारती की सेवा में समर्पित कर दिया है। ऐसे मुख्यमंत्री जो न कभी बीमार पड़े और न ही कभी उन्होंने अवकाश लिया। 'चरैवेति चरैवेति' के मंत्र को जीवन का अनिवार्य अंग माना। जहां कहीं भी मानवता की करुण पीड़ा सुनाई पड़ी, वहां उनका हृदय निश्चित रूप से पिघला और संत स्वभाव से मानवीय पीड़ा को तत्काल हरने का उन्होंने हरसंभव प्रयास भी किया। वे प्राचीन संतों की तरह दुष्टों को भविष्य हेतु श्राप नहीं देते बल्कि उसे तत्काल दंड में बदल कर ही चैन लेते हैं, और हां दंड देने में कोई कोर-कसर भी नहीं छोड़ते हैं। योगी जी का जन्म 5 जून 1972 को उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल में हुआ था। विज्ञान से स्नातक योगी आदित्यनाथ 6 वर्ष की आयु में गुरुमुख हुए और आज गोरखपुर के प्रसिद्ध गोरखनाथ मंदिर के पीठाधीश्वर हैं। वे 1998 से 2014 तक गोरखपुर से लगातार पांच बार सांसद रहे। 19 मार्च 2017 को वे पहली बार उ.प्र. के मुख्यमंत्री बने। वे हिंदू राष्ट्रवाद के प्रणेता और सख्त प्रशासक के रूप में, भारत ही नहीं पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। योगी आदित्य नाथ के राजनीतिक सफर और उपलब्धियों का आकलन इसी से ही किया जा सकता है कि भाजपा द्वारा किसी भी राज्य के चुनाव में स्टार प्रचारक के रूप में उनकी सभाएं अवश्य होती हैं। वह देश के हिंदू राष्ट्रवाद और कठोर प्रशासक की छवि वाले सबके लिए अनुकरणीय मुख्यमंत्री हैं। जीरो टॉलरेंस और सबका साथ सबका विकास की नीति के तहत सुबह 4 बजे से रात 12 बजे तक अनवरत चलते रहते हैं। अन्य मुख्य मंत्रियों से हटकर योगी आदित्य नाथ की कुछ विशिष्ट उपलब्धियां हैं जिसके कारण इन्हें अब पूरे राष्ट्र में नवचारक मुख्यमंत्री माना जाता है।

कानून व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव से उन्होंने प्रदेश को बीमारू राज्य की छवि से बाहर निकालकर देश के विकास का इंजन बनाया। उनकी जीरो टॉलरेंस नीति के तहत 2017-2025 में 222 अपराधी मुठभेड़ में मारे गये और 8118 घायल हुए, जिससे अपराध में कमी आई। एक जिला एक मेडिकल कॉलेज की नीति से आज 75 जिलों में मेडिकल कॉलेज स्थापित किया। नवंबर 2020 में प्रदेश सरकार ने भारत का पहला विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम लागू किया, जिसमें जबरन धर्म परिवर्तन पर 10 साल तक की सजा का प्रावधान है। लखनऊ, गौतमबुद्धनगर, कानपुर, वाराणसी, आगरा, गाजियाबाद और प्रयागराज में पुलिस कमिश्नरेट लागू किया। उत्तर प्रदेश स्पेशल सिक्योरिटी फोर्स के तहत नए सुरक्षा बल का गठन किया। यूपी-112 रिस्पांस टाइम 7 मिनट 24 सेकेंड तक कम किया। आज यूपी में 2.62 करोड़ इज्जत घर बन चुके हैं। नौ साल में उत्तर प्रदेश में सबसे अधिक ग्रामीण आवास बने हैं। जब उनका हम 54वां जन्मदिवस मना रहे हैं तो हम यही कहेंगे कि संत का जो चरित्र है 'उसके एक हाथ में माला होती है जो लोक कल्याण, परोपकार और सत्य की रक्षा हेतु होती है, तो वहीं दूसरे हाथ में भाला होता है जो दुष्टों को दंड देने के लिए सर्वथा उपयुक्त रहता है। योगी आदित्यनाथ दोनों के समन्वय हैं।

(लेखक बीएचयू में प्रोफेसर हैं)

विचार

वेदों के अध्ययन का सार है सत्य भाषण। जीवन का सार है इन्द्रिय संयम और इन्द्रिय संयम का सार है मोक्ष।

-महाभारत.

जब दुष्ट लोग गुट बना लें, तब सज्जनों को भी संगठित हो जाना चाहिए। अन्यथा एक-एक करके सबकी ही बलि चढ़ जायेगी।

-डिक्सन.

संगठन में अपार शक्ति है। संगठित होकर ही शक्तिशाली शत्रुओं पर विजयपायी जा सकती है।

-कौटिल्य.

ज्ञान द्वारा जिनके पाप धुल गए, वे ईश्वर का ध्यान धरने वाले, तन्मय हुए, उसमें स्थिर रहने वाले और उसी को सर्व मानने वाले लोग मोक्ष पाते हैं।

-श्रीमद्भागवत गीता.

यदि हमारे जीवन को हरा-भरा रखने हेतु, हमारे साथ प्रभु का पक्षपात है। यादें पंख हैं, जो उड़ने को पुरुषार्थ देती हैं।

-माखन लाल चतुर्वेदी.

आपकी बात

पाकिस्तान की बदहाली

कर्ज लेकर युद्ध करने के लिए हथियार खरीदने वाला पाकिस्तान अपनी बदहाली के लिए खुद ही जिम्मेदार है। उसने विकास के बजाय भारत से दुश्मनी पाली और अब इसकी कीमत चुका रहा है। परमाणु बम बनाकर इतराते वाला पाकिस्तान फिलहाल बदहाली और कंगाली के दौर से गुजर रहा है। 1947 में जब आजादी के साथ भारत से अलग होकर पाकिस्तान बना था तब पाकिस्तान भारत वह हिस्सा था जो अपेक्षाकृत अधिक विकसित हुआ करता था। आर्थिक विकास, मानव विकास, रोजगार आदि अनेक दृष्टि से पाकिस्तान भारत से आगे था। लेकिन जिस तरह पाकिस्तान के हुक्मरानों ने भारत के खिलाफ युद्ध, आतंकवाद और विवाद की नीति अपनायी, उसके कारण पाकिस्तान धीरे-धीरे बर्बादी के कगार पर पहुंच गया है। 1972 के युद्ध में पाकिस्तान के दो खंड हो गये। पाकिस्ताान अपने देश का आधा हिस्सा गंवा बैठ, लेकिन कश्मीर के एक टुकड़े के लिए जिस तरह वह वर्षों से भारत के खिलाफ छद्म युद्ध छेड़े हुए है उससे अब पाकिस्तान जर्जर होने के कगार पर पहुंच गया है। रही-सही कसर चीन के साथ दोस्ती, भ्रष्ट सेना और सियासतदानों ने पूरी कर दी है।

आज पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था इतनी अधिक जर्जर हो गयी है कि पाकिस्तानी दाने-दाने को मोहताज हो गये हैं। इसके बावजूद आतंकवाद के वित्त पोषण, भारत के खिलाफ उनको उकसाने आदि के मामले कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। पाकिस्तान गंभीर आर्थिक संकट में फंस चुका है। जनता दाने-दाने मोहताज है। यही कारण है कि जहां भी सस्ता अनाज पाता है वहां बेतहासा टूट पड़ता है। रोटी की जद्दोजहद में लोगों की जान जा रही है। पाकिस्तान में विकास दर लगभग ठप हो चुकी है, कर्ज जीडीपी के बराबर पहुंचने को बेताब है, महंगाई दर 27 फीसद के करीब है, निर्यात से आयात ढाई गुना अधिक है, पाकिस्तानी रुपया रसातल में पहुंच गया है और एक डॉलर के बदले 230 के करीब लुढ़क गया है। इसके बावजूद जिस तरह पाकिस्तान के हुक्मरान अपने घरेलू समस्याओं पर ध्यान देने के बजाय भारत के खिलाफ जहर उगलते रहते हैं, ताकि पाकिस्तानी लोगों को राष्ट्रवाद के नाम पर भारत के खिलाफ भड़काकर उनका ध्यान पाकिस्तान की घरेलू समस्याओं से भटकाया जा सके। इसी टैक्टिस का नतीजा है कि आज पाकिस्तान दाने-दाने को मोहताज है लेकिन कोई ऐसा सप्ताह नहीं जाता है, जब भारत पर परमाणु बम गिराने की धमकी पाकिस्तानी नेता न देते हों। पाकिस्तान के बेशर्म हुक्मरानों को यह भी नहीं पता कि भारत अब पाकिस्तान से बहुत आगे निकल चुका है। पाकिस्तान जहां आतंकवादियों का अड्डा बन गया है वहीं भारत कुशल मैन पावर का हब बन रहा है। यह दुर्भाग्य के इतनी बदहाली और नुकसान उठाने, बार-बार भारत की पिटाई के बाद बेशर्म पाकिस्तान आतंकवाद खत्म करने के बजाय युद्ध में फर्जी विजय का जश्न बना रहा है।

अशोक कुमार त्रिवेदी, लखनऊ.

समावेशी विकास की नीति

केन्द्र सरकार ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को व्यापक स्तर पर सामाजिक सुरक्षा मुहैया कराने के लिए बीमा योजना, पेंशन योजना और आयुष्मान भारत योजना जैसे अनेक कार्यक्रम लांच किये हैं। इस योजना के तहत एक श्रमिक जो दिहाड़ी मजदूर है या ऐसे रोजी-रोजगार से जुड़ा है जिसमें उसकी उसको किसी तरह से सामाजिक सुरक्षा का कवर उपलब्ध नहीं है, ऐसे लोग नयी पेंशन योजना में शामिल हो सकते हैं जिसमें उनको साठ साल पूरे होने पर प्रतिवर्ष तीन हजार रुपये पेंशन मिलेगी। श्रमिकों को सुरक्षा कवर उपलब्ध कराने का यह फैसला न सिर्फ सराहनीय है बल्कि उन करोड़ों श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा का विस्तार होगा जिनको वृद्धावस्था में कोई मदद नहीं मिलती थी। लेकिन इस योजना में कुछ खामियां हैं। अगर सरकार इनमें सुधार करती है तो यह और अधिक प्रभावी एवं कल्याणकारी बन जायेगी।

प्रमोद कुमार शर्मा, लखनऊ.

संक्षेप

गोसाईगंज में तमसा नदी पर आकार ले रहा सेतु

अयोध्या। कोहडौरा घाट तमसा नदी पर दीर्घ सेतु निर्माण कार्य तेज गति से चल रहा है। इस महत्वपूर्ण पुल के बनने से गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और आवागमन सुगम हो जाएगा। मोहम्मदपुर अरती से ग्यासपुर कोहडौरा घाट को जोड़ने वाला यह सेतु क्षेत्रवासियों के लिए लंबे समय से चली आ रही परेशानी का समाधान साबित होगा। तमसा नदी पर बन रहे इस पुल की कुल लंबाई 91.230 मीटर है। इसके अलावा मुख्य पहुंच मार्ग की लंबाई 200$200 मीटर तथा अतिरिक्त पहुंच मार्ग की लंबाई 325$115 मीटर रखी गई है। कुल मिलाकर यह एक आधुनिक और मजबूत संरचना के रूप में तैयार हो रहा है। 14.11 करोड़ रुपये की स्वीकृत लागत से लोक निर्माण विभाग द्वारा यह परियोजना संचालित की जा रही है। कार्य की शुरूआत 1 लजून 2025 को हुई थी और निर्धारित समयावधि के अनुसार 31 मार्च 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। वर्तमान में पुल के सुपर स्ट्रक्चर व पहुंच मार्गों का कार्य प्रगति पर है। अब तक 64 प्रतिशत भौतिक प्रगति दर्ज की जा चुकी है।

सेवा, संस्कार, सुशासन व सम्मान के 12 वर्ष पर होंगे जन कल्याणकारी कार्यक्रम

अयोध्या। केंद्र सरकार के सफल एवं जनकल्याणकारी 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में प्रदेशभर में 05 जून से 21 जून 2026 तक सेवा, संस्कार, सुशासन एवं सम्मान के 12 वर्ष विषयक विशेष जनसंपर्क एवं जन जागरूकता अभियान संचालित किया जाएगा। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी ने संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान की रूपरेखा की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि अभियान के अंतर्गत केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, नीतियों, उपलब्धियों एवं आमजन के जीवन में आए सकारात्मक परिवर्तनों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यक्रमों के आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी।

- 8 से 14 जून तक विशेष जनसंपर्क एवं जनजागरूकता अभियान

जिलाधिकारी ने वन विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत नगर निकायों, विकास खंडों, ग्राम पंचायतों, अमृत सरोवरों, तालाबों, सड़कों, एक्सप्रेस-वे, नदियों एवं नहरों के किनारे व्यापक वृक्षारोपण कराया जाए तथा सिटी फॉरेस्ट विकसित करने की दिशा में प्रभावी कार्यवाही की जाए। उन्होंने पारंपरिक एवं फलदार प्रजातियों के पौधारोपण पर विशेष बल देते हुए विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयं सहायता समूहों एवं सामाजिक संगठनों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में निर्देश दिए गए कि 08 जून से 14 जून 2026 तक विशेष जनसंपर्क एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इसके अंतर्गत जनपद के प्रबुद्धजनों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों, सामाजिक कार्यकताओं एवं विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों से संवाद स्थापित कर सरकार की योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी पहुंचाई जाए। साथ ही नागरिकों को स्वयं पौधारोपण के लिए प्रेरित किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि विकासखंड एवं नगर क्षेत्र मुख्यालयों पर जनकल्याणकारी शिविर एवं स्वास्थ्य मेलों का आयोजन किया जाए।

इन शिविरों में आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, पीएम स्वनिधि योजना, अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी तथा लाभार्थियों की सफलता की कहानियों का भी प्रदर्शन किया जाएगा। संबंधित विभागों के अधिकारी इन कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता करेंगे। जनपद स्तरीय विकास प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। प्रदर्शनी में योग, महिला सशक्तिकरण, गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना विकास, आध्यात्मिक एवं धार्मिक स्थलों के विकास, कानून-व्यवस्था एवं आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में हुए परिवर्तन को प्रदर्शित किया जाएगा। जिलाधिकारी ने 18 एवं 19 जून को प्राकृतिक खेती कार्यशालाओं के आयोजन के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गौ-आधारित प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण, कम लागत एवं अधिक आय आधारित कृषि तकनीकों पर विशेष सत्र आयोजित किए जाएं तथा किसानों के साथ संवाद स्थापित किया जाए। बैठक में बताया गया कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा, जिसमें युवाओं, महिलाओं, एनसीसी, पुलिस, स्वयंसेवी संगठनों एवं आमजन की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। वहीं अभियान अवधी में रात्रि चैपाल का आयोजन होगा, जिसमें जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी प्रतिभाग करेंगे। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि सभी कार्यक्रम प्लास्टिक मुक्त वातावरण में आयोजित किए जाएं तथा अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित किया जाए, जिससे अधिकाधिक नागरिक शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह सहित जनपद स्तरीय अधिकारी गण एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तहसील फतेहपुर में मकान सूचीकरण का कार्य पूर्ण करने पर जनगणना टीम सम्मानित

बाराबंकी। जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत तहसील फतेहपुर में मकान सूचीकरण का कार्य निर्धारित समय सीमा से पूर्व 100 प्रतिशत पूर्ण करने पर सुपरवाइजर व प्रगणकों की टीम को तहसील फतेहपुर कार्यालय में उप जिलाधिकारी कार्तिकेय सिंह, तहसीलदार वैशाली अहलावत, नायब तहसीलदार, अनु सिंह, नायब तहसीलदार विजय प्रकाश तिवारी ने प्रशस्ति पत्र सौपते हुये सम्मानित किया। इस मौके पर उप जिलाधिकारी श्री सिंह ने कहा कि जनगणना 2027 देश की आधारशिला है। टीम ने अनुशासन, समयनिष्ठा और समर्पण से यह साबित किया है कि लक्ष्य कठिन नहीं होते। इनका कार्य अन्य लोगों के लिए आदर्श बनेगा। तहसीलदार सुश्री अहलावत ने टीम की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि इतने बड़े क्षेत्र में शुद्ध डाटा संग्रह करना आसान नहीं था। टीम ने जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। आगामी चरणों में भी इसी तत्परता की अपेक्षा है। नायब तहसीलदार श्रीमती सिंह ने कहा कि महिला प्रगणकों निशा निगम, रिचा शर्मा व नेहा सोनी ने भी क्षेत्र में जाकर बेहतरीन कार्य किया है जो अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा है। नायब तहसीलदार श्री तिवारी ने सभी सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ऐसी टीम वर्क से ही प्रशासनिक लक्ष्य समय पर पूरे होते हैं।

गुण्डा एक्ट के तहत 3 अपराधी हुए जिला बदर

बहराइच। जनपद में विधि व्यवस्था एवं लोक परिशान्ति सहित लोक व्यवस्था व जनसुरक्षा कायम रखने के उद्देश्य से जिला मजिस्ट्रेट अक्षय त्रिपाठी द्वारा 03 अपराधियों के विरूद्ध धारा 3(1) गुण्डा एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए 06 माह के लिए जनपद से जिला बदर कर दिया गया है। इसके अलावा 11 व्यक्तियों को अपने सम्बन्धित थानें में प्रत्येक माह आगामी 06 माह तक उपस्थिति दर्ज कराये जाने के आदेश दिये गये हैं। जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश के अनुसार थाना बौण्डी अन्तर्गत खरगीपुरवा दा. मंझारा तौकली नि. रामतेज यादव, राजेश यादव व संजय यादव पुत्रगण तीरथ यादव को 06 माह के जिला बदर किया गया है। इसके अलावा थाना कोतवाली नानपारा अन्तर्गत बलहा नि. मुन्ना, रहीस, महमूद व सैय्यद पुत्रगण दुलारे, थाना रूपईडीहा के बक्शीगांव दा. माधवपुर निदौना नि. हीरालाल उर्फ गुल्ले पुत्र कुरकुट, थाना मोतीपुर के झाला नि. सरफुद्दीन पुत्र कलीम, थाना रानीपुर के राधानगर दा. रामपुर नि. रामकुमार उर्फ भाई व माधवराज उर्फ माधव पुत्रगण शंकर, थाना दरगाह शरीफ (हालपता जी.आई.सी. स्कूल के निकट) मो. धनकुट्टीपुरा थाना कोतवाली नगर नि. तौहीद अहमद पुत्र कादिर शाह, थाना सुजौली के सीतारामपुरवा दा. बाजपुर बनकटी नि. ज्ञानी पुत्र चुन्नीलाल तथा थाना नवाबगंज के नन्दागांव नि. धर्मरात वर्मा पुत्र जगतराम वर्मा को जिला मजिस्ट्रेट द्वारा निर्देश दिया गया है कि अपने से सम्बन्धित थाने में आगामी छः माह तक प्रत्येक माह की 15 तारीख को उपस्थिति दर्ज कराना सुनिश्चित करेंगे।

जिले के 11 परीक्षा केन्द्रों पर सम्पन्न होगी भर्ती परीक्षा

बहराइच 04 जून। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित उ.प्र. पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती हेतु 08 से 10 जून 2026 तक दो पालियों में सम्पन्न होने वाली की लिखित परीक्षा-2025 हेतु जनपद में 11 शिक्षण संस्थाओं को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है।

भर्ती परीक्षा को शासन की मंशानुसार स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी ने पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव, नोडल अधिकारी/अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह के साथ परीक्षा केन्द्र राजकीय पॉलिटेक्निक आसाम चौराहा भिनगा रोड का निरीक्षण कर विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा मौके पर मौजूद प्रधानाचार्य अरूण कुमार को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

अयोध्या विकास प्राधिकरण में मनाया गया शमन मानचित्र दिवस

अयोध्या। गुरूवार को अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रातः 10 बजे से अपराह्न 2 बजे तक प्राधिकरण में मानचित्र एवं शमन मानचित्रों के निस्तारण / स्वीकृति हेतु शमन मानचित्र दिवस के रूप में मनाया गया, जिसमें प्राधिकरण के विभिन्न अनुभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहें।

- एक होटल व एक आवासीय मानचित्र किया गया स्वीकृत

शमन मानचित्र दिवस में कुल 16 आवेदकों द्वारा मानचित्र / शमन मानचित्र स्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया गया, जिसमें से दो आवेदकों मनोज कुमार मन्ना का होटल व शत्रोहन कुमार गुप्ता का आवासीय मानचित्र स्वीकृत किया गया। शेष के सम्बन्ध में सम्बन्धित अनुभाग से आख्या प्राप्त की गयी। तदोपरान्त भवन निर्माण एवं विकास उपविधि तथा मांडल जोनिंग रेग्यूलेशन 2025 के अनुसार अग्रिम कार्यवाही हेतु सम्बन्धित को पत्रावलियों प्रेषित की गयी, जिसका निस्तारण आगामी समाधान दिवस से पूर्व निस्तारण का निर्देश उपाध्यक्ष द्वारा दिया गया। उक्त के अतिरिक्त उल्लेखनीय है कि शासन से स्वीकृत चैक स्थित मछरहट्टा में मल्टीलेबल पार्किंग एवं दुकानों का निर्माण कार्य प्राधिकरण द्वारा कराया जा रहा है। निमार्णाधीन पार्किंग स्थल पर लगभग 25 लोग आवासित हैं, जो पार्किंग निर्माण स्थल से प्रभावित हैं, जिन्हें वहां से अपना आवास हटाना है। पार्किंग निर्माण स्थल पर 25 निवासित लोगों में से 13 व्यक्तियों द्वारा, उनके आवास के एवज में मुआवजा दिये जाने के उपरान्त वहां से आवास हटाने हेतु सहमति व्यक्त की गयी है, जिसमें से प्रथम चरण में 11 लोगों को आवास हटाने की शर्त पर उनकी आपसी सहमति से मुआवजा की धनराशि उपलब्ध करा दी गयी है तथा स्थल पर अवशेष आवासित लोगों से आवास हटाने की सहमति हेतु वार्ता प्रचलन में है। दूसरे चरण में अवशेष आवासित लोगों से आवास हटाने की आपसी सहमति के उपरान्त उन्हें मुआवजा धनराशि का भुगतान कर दिया जायेगा। उक्त जानकारी अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव द्वारा दी गयी।

12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए डीएम ने की बैठक

बहराइच। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में 15 जून से 21 जून 2026 तक ह्ययोग सप्ताहह्न हर्षोल्लास के साथ मनाए जाने हेतु जनपद/ब्लाक स्तरीय समस्त अधिकारियों को आवष्यक दिषा निर्देष दिये गये। 15 जून 2026 को इसका उद्घाटन समारोह महाराजा सुहेल देव स्मारक स्थल पर एवं मुख्य कार्यक्रम/समापन कार्यक्रम इंदिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम बहराइच मे आयोजित कराने के निर्देश दिये गये। योग सप्ताह में ज्यादा से ज्यादा जनमानस कि सहभागिता सुनिश्चित किये जाने हेतु समस्त तहसील, ब्लाक, ग्राम पंचायत स्तर पर योग कार्यक्रम आयोजित कराए जाने का निर्देश दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक विष्वजीत श्रीवास्तव, मुख्य विकास अधिकारी सुनील कुमार धनवंता, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ संजय कुमार सहित अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका, क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी आधिकारी डा. सरोज शंकर राम, जिला होम्योपैथिक चिकित्साधिकारी नोडल अधिकारी डॉ पियूष नायक, जिला कार्यक्रम प्रबंधक डा. प्रभात मिश्र वं ब्रह्मकुमारीज, आरोग्य भारती के सदस्य सहित अन्य सम्बन्धित मौजूद रहे।

श्रमिक अपना पंजीकरण श्रम विभाग में अवश्य करायें: उज्जवल उपाध्याय

एसीजेएम ने किया विधिक साक्षरता और जागरूकता शिविर का शुभारंभ

बाराबंकी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में रिलांयस कम्पनी मे विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारम्भ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव व एसीजेएम उज्ज्वल उपाध्याय ने दीप प्रज्जवलित कर किया। शिविर मे श्रमिको को जागरुक करते हुये सचिव श्री उपाध्याय ने बताया कि आप लोग अपना पंजीकरण श्रम विभाग में अवश्य करायें। जिससे पंजीकरण होने पर विभाग की ओर से चलायी जा रही योजनाओं का लाभ मिल सके। आप सभी अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए विद्यालय अवश्य भेजे। आपके बच्चे ही शिक्षित होकर आगे देश के भविष्य होगे। सहायक श्रम आयुक्त अमित प्रकाश सिंह ने कहा कि ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्य, ग्राम पंचायत के पास एक तस्वीर के साथ अपना नाम, उम्र और पता जमा करने के पश्चात्जांच के बाद पंचायत घरों को पंजीकृत किया जाता है। और एक जॉब कार्ड प्रदान किया जाता है। जॉब कार्ड में पंजीकृत वयस्क सदस्य का ब्यौरा और उसकी फोटो शमिल होती है। एक पंजीकृत व्यक्ति, या तो पंचायत या कार्यक्रम अधिकारी को लिखित रूप से काम करने के लिए एक आवेदन प्रस्तुत कर सकता है। आवेदन दैनिक बेरोजगारी भत्ता आवेदक को भुगतान किया जाएगा। इस अवसर पर अनूप मिश्रा, डेटा एन्ट्री ऑपरेटर लवकुश कनौजिया मौजूद रहे।

शोध, शिक्षा व प्रसार होगी प्राथमिकता: डॉ. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह

मिल्कीपुर-अयोध्या। नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय के नवनियुक्त कुलपति डा. ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह ने गुरुवार को अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर उन्होंने नरेंद्र उद्यान स्थित आचार्य नरेंद्र देव की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया साथ ही चंदन का पेड़ लगाया। विवि के समस्त शिक्षकों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों ने माल्यार्पण कर कुलपति का स्वागत किया। कुलपति ने कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही विशेष रूप से व्यक्त किया आभार। कार्यभार ग्रहण करने के बाद कुलपति ने समस्त अधिष्ठाता, निदेशक, वैज्ञानिक एवं शिक्षकों के साथ बैठक कर कई अहम मुद्दों पर विचार विमर्श किया और दिशा-निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि इस विश्वविद्यालय को मजबूती देने में पूर्व के कुलपति व वैज्ञानिकों को सराहनीय योगदान रहा है और इसे हम सभी को मिलकर आगे बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने शिक्षा, शोध एवं प्रसार को यथाशीघ्र सुदृढ़ करने पर मुख्य रूप से जोर दिया।

उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों की समस्याओं को दूर कर उन्हें और मजबूत करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों के द्वारा ही नवाचार को किसानों तक पहुंचाया जा सकता है। किसानों तक अगर सही जानकारी नहीं पहुंचती है तो हम अपने उद्देश्यों में विफल माने जाएंगे। किसानों के हित में कार्य करने की जरूरत है। डॉ. सिंह ने स्पष्ट किया कि उनके कार्यकाल में शिक्षा, शोध और प्रसार गतिविधियां सर्वोच्च प्राथमिकता रहेंगी। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों को विश्वविद्यालय की आधारशिला बताते हुए कहा कि किसानों तक वैज्ञानिक जानकारी पहुंचाने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। यदि किसानों तक सही तकनीक और जानकारी नहीं पहुंचती है तो विश्वविद्यालय अपने उद्देश्य पूरे नहीं कर सकेगा। शोध और शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए और कार्य करने की जरूरत है। शोध को बढ़ावा देने के लिए विवि में प्रोजेक्ट लाने होंगे सचिव, वैद्य, गुरु तीनि जौं प्रिय बोलहिं भय आस। राज, धर्म, तन तीनि कर होइ बेगिहीं नास। अर्थात मंत्री, वैद्य और गुरु - ये तीन यदि किसी भय अथवा लाभ की आशा (लालच) में केवल मीठा या प्रिय बोलते हैं और कड़वा (हितकारी) सच छिपाते हैं, तो क्रमशः राज्य (या संस्था), धर्म (या विवेक) और शरीर (या स्वास्थ्य) का बहुत जल्द सर्वनाश हो जाता है। अर्थात हमको मीडिया की खबरों को एक आईना मानकर चलना है। हमारा मीडिया से बहुत गहरा नाता रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था में सुधार, कर्मचारियों की नियमित एवं ससमय उपस्थिति, किसानों को तकनीकी जानकारियां मिल सकें, कम लागत में किसानों को ज्यादा मुनाफा मिले यही प्राथमिकता होगी। आगामी एक माह के अंदर विश्वविद्यालय में बदलाव दिखाई पड़ेगा। ईऑफिस इलेक्ट्रॉनिक मॉनिटरिंग सिंगल विंडो सिस्टम पूरी तरह से विश्वविद्यालय में लागू किया जाएगा जिसके माध्यम से किसानों को एक ही स्थल पर बीज खाद दवा सहित कृषि संबंधी जानकारियां मिल सकेंगी।

एसपी ने सुनीं जनसमस्याएं

बहराइच। पुलिस अधीक्षश्री विश्वजीत श्रीवास्तव द्वारा *जनता दर्शन* में आये फरियादियों की समस्याएं/शिकायतों को सुना गया। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों/प्रार्थना पत्रों के सम्बध में सम्बन्धित अधिकारियों/थाना प्रभारियों को शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण जाँच कर निस्तारित करने हेतु आदेशित किया गया। जनसुनवाई के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक नगर श्री आयुष विक्रम सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री दुर्गा प्रसाद तिवारी उपस्थित रहें।

भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट पद हासिल कर नंदिनी सिंह ने बढ़ाया मान

गोसाईंगंज-अयोध्या। भारतीय नौसेना में सब लेफ्टिनेंट पद हासिल कर क्षेत्र की बेटी ने गांव जिला प्रदेश और देश का मान बढ़ाया। अपनी होनहार बेटी के घर वापस आने पर क्षेत्रवासियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्राम महुवारी का माजरा खैरा निवासी रणजीत सिंह की पुत्री नंदिनी सिंह की नौसेना में बतौर सब लेफ्टिनेंट पद पर 2025 में चयन हुआ। एक साल की अथक ट्रेनिंग के बाद 28 मई को इंडियन मिलिट्री अकादमी म्रीपउंसं (एरीमला) केरला से पासिंग आउट परेड के बाद घर आते समय क्षेत्रवासियों ने महबूबगंज चैराहे पर रोककर माल्यार्पण कर स्वागत किया। नंदिनी सिंह ने बताया कि हमारी शिक्षा तारापुर विद्या मंदिर से शुरू हुई और पालघर महाराष्ट्र से हमने इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल किया। बचपन से ही हमारी भारतीय सेना में जाने की ललक थी, जो 2025 में पूरी हुई। अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता भाईयोघ और गुरुजनों को देती हूं, जिन्होंने समय-समय पर हमारा हौसला अफजाई करते हुए मार्गदर्शन दिया। मैं देश के युवाओं से कहना चाहती हूं कि मेहनत सफलता की सबसे बड़ी कुंजी है। मेहनत से ही बड़े से बड़ा लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। माता रितु सिंह ने बताया की पासिंग आउट परेड का वह सबसे बड़ा भावुक पल था, जब हम दोनों पति-पत्नी ने अपनी शेरनी बेटी के कंधे पर फित्ती लगाई। पिता और क्षेत्र वासियों ने कहा कि आज हमारा सीना चैड़ा और सिर गर्व से ऊंचा हो गया है। इस अवसर पर रणभद्र सिंह, डॉक्टर डीपी सिंह, आकाश सिंह समाजसेवी, विश्वनाथ सिंह, सूर्यभान सिंह, गुड्डू सिंह, भवानी फिर सिंह, प्रेम नारायण सिंह, पवन कुमार सिंह, दिग्विजय त्रिपाठी, अंकुर सिंह, सहित सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

अमेरिका से व्यापार समझौता रद्द व किसानों की फसलों के दाम बढ़ाये जाने की मांग

जिला संवाददाता

बाराबंकी। संयुक्त किसान मोर्चा के आवाहन पर भारतीय किसान संगठन जिलाध्यक्ष के0के यादव व भारतीय किसान यूनियन हरपाल गुट जिलाध्यक्ष विक्रांत सैनी के नेतृत्व मे पदाधिकारियो ने भारत सरकार द्वारा अमेरिका से व्यापार समझौता रद्द किए जाने को लेकर महामहिम राष्ट्रपति को सम्बोधित 6 सूत्रीय मांग पत्र नायब तहसीलदार राजीव कुमार वर्मा को सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि भारत सरकार अमेरिका के दबाव में आकर किसानों और देश के हितों के साथ कोई समझौता न करें। एनपीके खाद और उर्वरकों पर बढाए गए दामों को तत्काल वापस लेने, डीजल, पेट्रोल, खाद पर बढ़ाये गए दामों की तरह किसानों की फसलों के दाम भी बढ़ाए जाने की मांग की है। ज्ञापन सौपने वालो मे सतीश मौर्य, विजय यादव, संजय यादव, नरेंद्र यादव, शाहिद अंसारी, शैल कुमारी, आकाश यादव, अनिल यादव, राजकुमार यादव, रंजीत यादव, शिव वर्मा, रामबख्श वर्मा, निरंकार वर्मा, जय सिंह वर्मा, सुधाकर यादव मौजूद रहे।

- भाकियू ने विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

पुलिस भर्ती परीक्षा के संबंध में डीएम ने की अधिकारियों के साथ बैठक

बहराइच। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड लखनऊ द्वारा आयोजित उ.प्र. पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती हेतु 08 से 10 जून 2026 तक दो पालियों में सम्पन्न होने वाली लिखित परीक्षा-2025 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी, सुचितापूर्ण ढंग से सकुशल सम्पन्न कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में बुधवार को देर शाम कलेक्ट्रेट सभागार में केन्द्र व्यवस्थापकों, स्टैटिक व सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक के दौरान केन्द्र व्यवस्थापकों को उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराने के सम्बंध में जारी दिशा-निदेर्शों की जानकारी देते हुए निर्देशित किया गया कि दिशा-निदेर्शों का भलि-भांति अध्ययन कर शासन की मंशानुसार सकुशल परीक्षा सम्पन्न कराने के लिए सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाय। डीएम ने बताया कि परीक्षा की अवधि में भ्रामक खबरों पर अंकुश लगाये जाने के लिए सोशल मीडिया पर भी सर्तक निगरानी रखी जायेगी।

परीक्षा केन्द्र के अन्दर कोई भी पेपर, पेन्सिल बाक्स, कलकूलेटर, सनग्लास, वायलेट, कैप, ज्वैलरी, खाद्य सामग्री, मोबाइल, यूएसबी ड्राइव, कैमरा, घड़ी, चाभी, ब्लूट्यूब, डिजिटल पेन, हेल्थबैण्ड सहित अन्य इलेक्ट्रानिक डिवाइस ले जाने की अनुमति नहीं होगी। डीएम ने सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया कि अपने-अपने केन्द्र पर भ्रमणशील रहकर केन्द्र पर स्थापित सीसीटीवी कैमरा, कन्ट्रोल रूम से परीक्षा केन्द्र के सभी कक्षों का मानीटरिंग भी करते रहे। जनपद में निर्धारित परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षार्थियों को पहुचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो, बस व रेलवे स्टेशन पर कर्मचारी तैनात किये गये है।

पुलिस अधीक्षक विष्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि नवीन व्यवस्था के तहत भर्ती परीक्षा में पुरूष व महिला परीक्षार्थियों की तलाशी का कार्य पुरूष व महिला आरक्षियों द्वारा किया जायेगा।

संक्षेप

सैमसंग ने नये गैलेक्सी वॉच फीचर्स लॉन्च किये

नई दिल्ली। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी लिमिटेड ने आज सैमसंग हेल्थ ऐप के लिए एक बड़े अपडेट की घोषणा की है, जो आने वाली गैलेक्सी वॉच को एक सक्रिय और समझदार हेल्थ पार्टनर में बदल देगा। 8 जून से सैमसंग इस ऐप अपडेट को रोल आउट करना शुरू कर देगा ताकि आगामी गैलेक्सी वॉच में मिलने वाले मुख्य हेल्थ फीचर्स की झलक दिखाई जा सके। यह अपडेट रात की नींद से लेकर दिनभर की गतिविधियों तक के जटिल बायोमेट्रिक डेटा को सरल और काम आने वाले सुझावों में बदलकर रोजाना के स्वास्थ्य प्रबंधन को बहुत आसान बना देता है। सैमसंग हेल्थ ऐप अब गैलेक्सी वॉच द्वारा मापे गए हेल्थ डेटा को एआई आधारित जानकारियों से जोड़ने के लिए विकसित हो रहा है। इससे यूजर्स अपनी शारीरिक और मानसिक स्थिति को अधिक आसानी से और बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

दुबई समर सरप्राइजेस 2026 'मेक इट ए दुबई समर' थीम के साथ शुरू हो रहा है

नई दिल्ली। दुबई समर सरप्राइजेस 2026 की उलटी गिनती आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। दुबई फेस्टिवल्स एंड रिटेल एस्टेब्लिशमेंट ने निवासियों और पर्यटकों से मेक इट ए दुबई समर का हिस्सा बनने की अपील की है। दुबई का यह लोकप्रिय समर फेस्टिवल 2 जुलाई से 30 अगस्त 2026 तक आयोजित किया जाएगा। इसके 60 दिनों के सफर के दौरान पूरा शहर शॉपिंग, एंटरटेनमेंट, डाइनिंग और फैमिली-फ्रेंडली अनुभवों से गुलजार रहेगा। इस दौरान होटल्स, रेस्टोरेंट्स, प्रमुख आकर्षण केंद्रों और रिटेल डेस्टिनेशंस पर शानदार ऑफर्स भी उपलब्ध होंगे। इस साल के आयोजन में एक विशेष चरणबद्ध रिटेल कैलेंडर पेश किया जाएगा, जिसका मुख्य उद्देश्य पूरे सीजन के दौरान उत्साह और नये पन को बनाए रखना है। इसके तहत बड़े सेल ऑफर्स, सीमित अवधि की डील्स और शहरभर में कई नए अनुभव शामिल किए जाएंगे।

शेयर डॉट मार्केट का क्रिप्स म्यूचुअल फंड स्कोरकार्ड

नई दिल्ली। फोनपे के शेयर डॉट मार्केट ने मार्च 2026 को समाप्त हुई तिमाही के लिए, अपना 'क्रिप्स म्यूचुअल फंड स्कोरकार्ड' जारी किया है। यह नतीजा पिछले 20 सालों के ऐतिहासिक डेटा, निफ्टी स्मॉल कैप 250 टीआर इंडेक्स और निफ्टी 100 टीआर इंडेक्स के एनालिसिस से निकला है। निफ्टी स्मॉल कैप 250 इंडेक्स ने सालाना 12.54% का रिटर्न दिया। यानी स्मॉल-कैप में सिर्फ 0.82% का ही आउटपरफॉर्मेंस मिला। इस एक्स्ट्रा 0.82% के अतिरिक्त रिटर्न के लिए, इन्वेस्टर्स को 28.81% का भारी उतार-चढ़ाव (वोलटैलिटी) झेलना पड़ा, जबकि लार्ज-कैप में यह केवल 21.06% था। साथ ही, स्मॉल/हाई-रिस्क सेगमेंट में अधिकतम गिरावट (मैक्सिमम ड्रॉडाउन) भी लार्ज-कैप की तुलना में काफी ज्यादा रही। इस स्कोरकार्ड से पता चलता है कि स्मॉल-कैप फंड्स का प्रदर्शन अत्यधिक चक्रीय है। जब मार्केट तेजी (बुल रन) में होता है (जैसे 2014-2017), तो ये बहुत तेज भागते हैं, लेकिन जब मार्केट करेक्शन होता है (जैसे 2018-2020), तो इनकी हालत खराब हो जाती है। 3 साल की अवधि में देखें, तो स्मॉल-कैप का प्रदर्शन मार्केट की तेजी में जहाँ +20.52% तक ऊपर गया, वहीं मार्केट करेक्शन में यह -17.16% तक नीचे गिर गया। आम धारणा के विपरीत, स्मॉल-कैप में सिर्फ 'खरीदो और भूल जाओ' वाली स्ट्रेटेजी सही नहीं है, क्योंकि हो सकता है कि यह आपके रिस्क की सही भरपाई न कर पाए।

वोग आईवियर की ब्रांड एंबेसडर बनी कृति सेनन

नई दिल्ली। वोग आईवियर ने मशहूर अभिनेत्री कृति सेनन को अपना नया महिला ब्रांड एम्बेसडर नियुक्त करने की घोषणा की है। इस भूमिका में वह शाहिद कपूर के साथ शामिल हुई हैं, जो लंबे समय से ब्रांड का चेहरा रहे हैं। नई पीढ़ी की व्यक्तिगत पहचान और आत्मविश्वास को केंद्र में रखते हुए, ब्रांड ने अपना नया कैंपेन वोग आईवियर जर्नीज लॉन्च किया है। यह अभियान न केवल फैशनेबल है, बल्कि आज के युवाओं की सोच से भी मेल खाता है। नेशनल अवॉर्ड विनर और पैन-इंडिया स्टार कृति सेनन, वोग आईवियर के लिए एक आधुनिक सोच लेकर आई हैं। अपने खास 'पर्सनल स्टाइल' और युवाओं के साथ गहरे जुड़ाव के लिए पहचानी जाने वाली कृति, अपनी सहजता से ब्रांड की चंचल और कॉन्फिडेंट इमेज को जीवंत करती हैं।

सेंसेक्स में 14 अंकों की उछाल

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच घरेलू शेयर बाजार बृहस्पतिवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में लगभग स्थिर बंद हुए। सेंसेक्स में 14 अंक और निफ्टी में 11 अंक की मामूली बढ़त रही।

विशेषज्ञों के मुताबिक, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति के नीतिगत दर पर आने वाले फैसले से पहले भी बाजार में सतर्कता का माहौल रहा। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 13.84 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 74,360.01 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 74,544.24 के ऊपरी और 73,807.30 अंक के निचले स्तर तक गया। इसी तरह, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 10.95 अंक यानी 0.05 प्रतिशत चढ़कर 23,416.55 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से टाइटन, आईटीसी, टेक महिंद्रा, भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक प्रमुख रूप से बढ़त में रहीं। दूसरी तरफ, इन्फोसिस, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचसीएल टेक और अदाणी पोर्ट्स के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 5,616.56 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। कमजोर वैश्विक संकेत, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक तनाव के कारण बाजार की शुरुआत दबाव में हुई। हालांकि, निचले स्तरों पर खरीदारी आने से सूचकांक नुकसान की भरपाई करने में सफल रहे। इस बीच, वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.68 प्रतिशत गिरकर 96.17 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। कारोबार के दौरान बाजार बढ़त एवं गिरावट के बीच झूलता रहा और अंततः लगभग स्थिर स्तर पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता को प्रभावित किया। आरबीआई की आगामी मौद्रिक नीति के फैसले और जीडीपी आंकड़ों के जारी होने से पहले निवेशक सतर्क रहे। व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मालकैप सूचकांक 1.02 प्रतिशत चढ़ गया जबकि मझोली कंपनियों के मिडकैप सूचकांक में 0.40 प्रतिशत की तेजी रही। क्षेत्रवार सूचकांकों में टिकाऊ उपभोक्ता खंड ने सर्वाधिक 1.94 प्रतिशत की छलांग लगाई जबकि पूंजीगत उत्पाद खंड में 1.01 प्रतिशत, दूरसंचार खंड में 0.82 प्रतिशत और तेल एवं गैस खंड में 0.57 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। दूसरी तरफ धातु, जिंस एवं आईटी खंड में गिरावट रही।

रुपया सात पैसे टूटकर 95.83 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया बृहस्पतिवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सात पैसे कमजोर होकर 95.83 (अस्थायी) पर बंद हुआ। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने के बीच ऊर्जा बाजार में उतार-चढ़ाव और सुरक्षित निवेश की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण घरेलू मुद्रा में यह गिरावट आई।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में लंबा खिंचता संकट भारत के लिए एक बड़ा जोखिम है, क्योंकि देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए काफी हद तक आयात पर निर्भर है। बाजार प्रतिभागियों की नजर अब पांच जून को होने वाली भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा पर है। मुद्रास्फीति, वृद्धि दर और रुपये की चाल पर इसका असर पड़ सकता है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली छह सदस्यीय एमपीसी पांच जून को मौद्रिक नीति समीक्षा पेश करेगी। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.70 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 95.85 के निचले और 95.59 के उच्च स्तर तक गया, और अंत में 95.83 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से सात पैसे कमजोर है। रुपया बुधवार को 40 पैसे टूटकर 95.76 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.31 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 2.04 प्रतिशत गिरकर 95.81 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। वैश्विक तनाव और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में मजबूती के कारण हमें रुपये में नकारात्मक रुख के साथ कारोबार का अनुमान है। हालांकि, अमेरिका-ईरान शांति वार्ता के मोर्चे पर किसी भी सकारात्मक विकास से घरेलू मुद्रा में तेज गिरावट रुक सकती है। कारोबारी आज अमेरिका के साप्ताहिक बेरोजगारी दावों के आंकड़ों और शुक्रवार को आने वाली गैर-कृषि वेतन रिपोर्ट से संकेत लेंगे। साथ ही निवेशक आरबीआई की मौद्रिक नीति के फैसले पर भी नजर रखेंगे।

सोने की वायदा कीमत में तेजी

एजेंसी

नयी दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों के सुरक्षित निवेश की ओर रुख करने से वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 926 रुपये चढ़कर 10 ग्राम के 1.59 लाख रुपये पर पहुंच गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर अगस्त में आपूर्ति वाले सोने के अनुबंधों की कीमत 926 रुपये यानी 0.58 प्रतिशत चढ़कर 1,59,445 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। विश्लेषकों के अनुसार, भू-राजनीतिक चिंताओं के बने रहने और कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के कारण निवेशकों की रुचि कीमती धातुओं में बढ़ी, जिससे सोने की कीमतों को समर्थन मिला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में न्यूयॉर्क में कोमेक्स पर अगस्त में आपूर्ति वाले सोने का वायदा भाव 32.55 डॉलर यानी करीब एक प्रतिशत चढ़कर 4,499.45 डॉलर प्रति औंस हो गया।

टाटा ने सोलर ऊर्जा हब बनाने की दिशा में बढ़ाया कदम

सीतापुर। टाटा पावर सोलर रूफटॉप ने घर-घर सोलर अभियान के साथ टाटा पावर बैटरी स्टोरेज, एक एकीकृत बैटरी ऊर्जा भंडारण समाधान का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य राज्य के शहरी, अर्ध-शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रूफटॉप सोलर को अपनाने की गति को और तेज करना तथा घरों एवं समुदायों को चौबीसों घंटे विश्वसनीय एवं स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराना है।

चांदी की हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाने पर अध्ययन जारी

नयी दिल्ली। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) चांदी के आभूषण और कलाकृतियों की हॉलमार्किंग को अनिवार्य बनाने के लिए आवश्यक नियामकीय ढांचे एवं बुनियादी तैयारियों का अध्ययन कर रहा है।

चांदी की हॉलमार्किंग 2005 से स्वैच्छिक है और सितंबर 2025 से हॉलमार्क किए गए चांदी के उत्पादों पर हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन (एचयूआईडी) नंबर होता है जिससे खरीदार शुद्धता की पुष्टि कर सकते हैं। चांदी की हॉलमार्किंग सोने की तुलना में अधिक जटिल है, प्रक्रिया के कारण नहीं बल्कि इसके बाजार के स्वरूप के कारण। सोने के विपरीत, चांदी के आभूषण और वस्तुएं छोटी व बड़ी दोनों तरह की दुकानों में बिकती हैं। इसमें चांदी के फर्नीचर जैसी श्रेणियां भी शामिल हैं। हम इसे लागू करने की प्रक्रिया का अध्ययन कर रहे हैं। बीआईएस में हॉलमार्किंग का पूरा संचालन केवल पांच लोगों द्वारा किया जाता है जबकि बाकी कार्यबल निजी या आउटसोर्स होता है। निजी भागीदारी के साथ हॉलमार्किंग केंद्रों का संचालन करना और विश्वास कायम करना एक बेहद बड़ी चुनौती है। चांदी की स्वैच्छिक हॉलमार्किंग में प्रगति के बावजूद बीआईएस सावधानी बरत रहा है। हम जानबूझकर थोड़ा धीमे चल रहे हैं ताकि कोई गलती न हो। अनिवार्य करने से पहले हम व्यवस्था को पूरी तरह दुरुस्त करना चाहते हैं। हम चांदी की हॉलमार्किंग को चरणबद्ध तरीके से अनिवार्य करेंगे। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में हॉलमार्क किए गए चांदी के आभूषणों की संख्या बढ़कर 59 लाख हो गई जो 2024-25 में 32 लाख थी। बीआईएस द्वारा वर्तमान में मान्यता प्राप्त लगभग 230 परख एवं हॉलमार्किंग केंद्र (एएचसी) चांदी के आभूषणों की जांच के लिए कार्यरत हैं।

भारत में ऊर्जा निर्यातक बनने की क्षमताः गडकरी

नयी दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि पश्चिम एशिया संकट के कारण बदलते वैश्विक परिदृश्य और एथनॉल, हाइड्रोजन तथा पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन (एसएएफ) के मोर्चे पर देश की प्रगति के चलते भारत में अब ऊर्जा आयातक से ऊर्जा निर्यातक बनने की क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारत में जीवाश्म ईंधन (पेट्रोल, डीजल आदि) पर निर्भरता आर्थिक बोझ के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी बड़ा खतरा है, इसलिए स्वच्छ ऊर्जा की ओर तेजी से बढ़ना जरूरी है। अब हमारे पास ऊर्जा आयातक देश से ऊर्जा निर्यातक देश बनने की क्षमता है। भारत फिलहाल हर साल 78,000 टन पर्यावरण अनुकूल विमानन ईंधन (एसएएफ) का उत्पादन कर रहा है और अगले दो वर्षों में देश इसके निर्यातक बन सकता है। भविष्य में लड़ाकू विमानों और हेलीकॉप्टरों में भी एसएएफ के उपयोग की योजना है। वायु प्रदूषण देश की बड़ी समस्या है और इसमें परिवहन क्षेत्र की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। इसलिए एथनॉल और सीएनजी जैसे वैकल्पिक ईंधनों को बढ़ावा देना जरूरी है। मक्का की कीमत पहले 1,200 रुपये प्रति क्विंटल थी, जो अब बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई है।

खाद्य तेल के पैक आकारों के मानकीकरण की तैयारी में सरकार

नयी दिल्ली। सरकार खाद्य तेल के पैक आकार का मानकीकरण करने के लिए नए नियम लाने की तैयारी कर रही है। उद्योग जगत का मानना है कि इससे उपभोक्ताओं के लिए कीमतों में पारदर्शिता बढ़ेगी और विनिर्माताओं के बीच समान प्रतिस्पर्धा का माहौल बनेगा। प्रस्तावित कदम का उद्देश्य 850 मिलीलीटर, 875 मिलीलीटर, 900 मिलीलीटर और 950 मिलीलीटर जैसे गैर-मानक पैक आकारों की बढ़ती प्रवृत्ति से निपटना है। उद्योग के अनुसार, ऐसे पैक आकारों के कारण उपभोक्ताओं के लिए अलग-अलग ब्रांड की कीमतों की तुलना करना और प्रति लीटर वास्तविक लागत समझना मुश्किल हो जाता है।

यह पहल उपभोक्ता संरक्षण, पारदर्शी लेबलिंग और टिकाऊ पैकेजिंग प्रथाओं पर बढ़ते नियामकीय ध्यान के बीच की जा रही है। सरकार ने इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर ध्यान दिया है और गैर-मानकीकृत पैक आकारों की समस्या को दूर करने की दिशा में कदम उठा रही है। कई वर्षों से हम यह कहते आए हैं कि उपभोक्ताओं को स्पष्ट, पारदर्शी एवं तुलनीय मूल्य मिलना चाहिए। मानकीकृत पैक आकार उपभोक्ताओं को सही निर्णय लेने में मदद करेंगे और प्रतिस्पर्धा को गुणवत्ता, शुद्धता एवं मूल्य के आधार पर सुनिश्चित करेंगे, न कि पैकेजिंग के तरीकों पर। उद्योग के अनुसार, पैक आकारों के मानकीकरण से उत्पादों की तुलना करना आसान होगा और पैक्ड खाद्य तेलों में उपभोक्ता विश्वास मजबूत होगा। हितधारकों ने इसके संभावित पर्यावरणीय लाभों की ओर भी संकेत किया है। अलग-अलग पैक आकारों के कारण अलग-अलग बोतल ढांचे, लेबल और पैकेजिंग की जरूरत होती है।

मोटोरोला ने लॉन्च किया मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस स्मार्टफोन

नई दिल्ली। मोटोरोला ने आज मोटोरोला एज 70 प्रो प्लस लॉन्च किया। बिना किसी समझौते के फ्लैगशिप अनुभव देने के लिए डिजाइन किया गया यह स्मार्टफोन, प्रो-ग्रेड फोटोग्राफी, प्रीमियम व विशिष्ट फिनिश, इमर्सिव एंटरटेनमेंट, नेक्स्ट-जेन मोटो एआई अनुभवों और फ्लैगशिप-लेवल परफॉर्मेंस का एक शानदार संयोजन है। इस डिवाइस में क्वाड 50एमपी प्रो-ग्रेड कैमरा सिस्टम दिया गया है, जिसका नेतृत्व कम रोशनी में बेहतरीन फोटोग्राफी के लिए मोटो एआई से लैस एडवांस सोनी लिटिया 710 कैमरा करता है। इसके साथ ही इसमें 50एक्स एआई सुपर जूम प्रो के साथ 50एमपी का 3.5एक्स पेरिस्कोप टेलीफोटो कैमरा, 50एमपी का अल्ट्रा-वाइड प्लस मैक्रो विजन कैमरा और ऑटो फोकस के साथ 50एमपी का क्वाड पिक्सेल सेल्फी कैमरा शामिल है।

आरबीआई गवर्नर ब्याज दर संबंधी निर्णय की आज करेंगे घोषणा

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा शुक्रवार को मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के फैसले की घोषणा करेंगे।

यह उम्मीद जतायी जा रही है कि केंद्रीय बैंक मुख्य रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर यथावत रख सकता है, क्योंकि पश्चिम एशिया संकट के कारण महंगाई और आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर पैदा हो रही चुनौतियों को देखते हुए सतर्क रुख अपनाया जा रहा है। छह सदस्यीय एमपीसी ने अपनी तीन दिवसीय बैठक बुधवार को शुरू की थी। एक सर्वेक्षण के अनुसार, रिजर्व बैंक इस बार नीतिगत दर में कोई बदलाव नहीं करेगा। हालांकि, अधिकांश प्रतिभागियों का मानना है कि केंद्रीय बैंक वित्त वर्ष 2026-27 में बढ़ती मुद्रास्फीति जोखिमों के बीच मौद्रिक सख्ती फिर से शुरू कर सकता है। सर्वेक्षण में शामिल 11 प्रतिभागियों ने दरों को यथावत रखने की उम्मीद जताई, जबकि चार ने 0.25 प्रतिशत की बढ़ोतरी की संभावना जताई। अधिकांश प्रतिभागियों ने चालू वित्त वर्ष के दौरान कम से कम दो बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद जताई है, जबकि कुछ का मानना है कि मुद्रास्फीति दबाव बढ़ने पर इससे अधिक बढ़ोतरी हो सकती है। एक कार्यक्रम में कहा कि यदि आरबीआई दरों को यथावत रखता है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एनवायरनमेंट मंथ 2026 का आयोजन किया

बेंगलुरु। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने एनवायरनमेंट मंथ 2026 की शुरूआत की है, जिसका थीम है रिसोर्स रीसाइक्लिंग के जरिए क्लाइमेट पॉज़िटिव कंपनी की ओर कदम। इस पहल के माध्यम से कंपनी अपने ऑपरेशन्स और स्टेकहोल्डर इकोसिस्टम में टिकाऊ प्रैक्टिसेज को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को दोहराती है। टोयोटा एनवायरनमेंटल चैलेंज 2050 और अन्य सस्टेनेबिलिटी लक्ष्यों से प्रेरित होकर, यह पहल सप्लायर्स, डीलर्स, लॉजिस्टिक्स पार्टनर्स, कर्मचारियों और समुदायों को रिसोर्स रीसाइक्लिंग, वेस्ट रिडक्शन और क्लाइमेट-पॉज़िटिव एक्शन के लिए एकजुट करती है।

आईटेल ने आईपी67 रेटिंग वाला आईटेल एक्वा लॉन्च किया

नई दिल्ली। आईटेल ने अपना नया फीचर फोन एक्वा लॉन्च किया है। कंपनी के अनुसार, यह भारत का एकमात्र फीचर फोन है जो आईपी67 रेटिंग के साथ आता है। आईपी67 सुरक्षा के साथ आने वाला यह फोन धूल और पानी से बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है। कंपनी का दावा है कि यह 30 मिनट तक पानी में रहने और गीले या कीचड़युक्त वातावरण का सामना करने के बाद भी सामान्य रूप से काम कर सकता है। एक्वा की एक और प्रमुख विशेषता एआई आधारित पर्यावरणीय शोर रद्द करने की तकनीक है। यह फीचर निर्माण स्थलों, बाजारों, फैक्ट्रियों और ट्रैफिक जैसे शोरगुल वाले वातावरण में आसपास की अनचाही आवाजों को कम कर कॉल के दौरान दोनों पक्षों को अधिक स्पष्ट बातचीत का अनुभव प्रदान करता है।

पेज एक का शेष

यूपी में

नियामक आयोग द्वारा एक जून को दिए गए आदेश में पावर कारपोरेशन द्वारा जून में प्रस्तावित 10 प्रतिशत ईंधन अधिभार की वसूली को मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2025 की धारा 16(1) का उल्लंघन मानते हुए इसे अवैध बताया था। आयोग ने इस मामले में पावर कारपोरेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से 7 दिनों के भीतर रिपोर्ट भी तलब की थी। इसके बावजूद बिजली वितरण कंपनियों द्वारा कथित रूप से बिलिंग सॉफ्टवेयर में संशोधन कर जून माह में उपभोक्ताओं से 10 फीसदी ईंधन अधिभार की वसूली जारी रखी गई है, जिसे आयोग के आदेश का स्पष्ट उल्लंघन बताया गया है। पिछले दिनों पावर कारपोरेशन ने जून के बिजली बिल में दस फीसदी अतिरिक्त वसूली का आदेश जारी किया था। इसमें पुराने भुगतान को भी जोड़कर दस फीसदी की वसूली के आदेश जारी किए गए थे। इस आदेश को उपभोक्ता परिषद ने नियामक आयोग में चुनौती दी थी। नियामक आयोग ने भी सोमवार को ही इसे गैरकानूनी बता दिया था और पावर कॉरपोरेशन को नोटिस जारी कर सात दिनों में जवाब मांगा था। माना जा रहा था कि आयोग के अंतिम फैसले तक बिल में नहीं 10 फीसदी अधिभार की वसूली नहीं हो सकेगी। इसके बाद भी वसूली होने लगी है। अगर पुराने भुगतान नहीं जोड़े जाएंगे तो जून के बिजली बिल में दो फीसदी की राहत भी मिल सकती है।

सौर ऊर्जा के

में लखनऊ ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। लखनऊ में कुल 1,02,596 सोलर इंस्टॉलेशन किए गए, जबकि दूसरे स्थान पर रहे नागपुर में 89,255 इंस्टॉलेशन दर्ज किए गए। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के तेजी से विस्तार को दर्शाती है। राज्यवार वेरी हाई कंज्यूमर बेस श्रेणी में उत्तर प्रदेश को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। इसके साथ ही सर्वाधिक उपभोक्ता आवेदन, सर्वाधिक सोलर इंस्टॉलेशन तथा अधिकतम वेंडर रजिस्ट्रेशन जैसी महत्वपूर्ण श्रेणियों में भी उत्तर प्रदेश ने देश में पहला स्थान हासिल किया। इस अवसर पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए. के. शर्मा ने इन उपलब्धियों का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। उन्होंने दोनों नेताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन में उत्तर प्रदेश ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। श्री शर्मा ने उत्तर प्रदेश, नोएडा तथा राज्य के सभी अधिकारियों, वेंडरों एवं लाभार्थियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार भविष्य में भी सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी। सौर ऊर्जा न केवल प्रदूषण मुक्त बिजली उपलब्ध कराती है, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश आज सौर ऊर्जा क्रांति का अग्रदूत बनकर उभरा है। यह उपलब्धि प्रदेशवासियों, अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है। आने वाले समय में हम स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में और नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे।

देश के लिए

के दम पर देश का रोल मॉडल बना दिया है। पंचायती राज विभाग ने ग्रामीण सचिवालयों को सीधे शासन की मुख्यधारा से जोड़कर न केवल बिचौलियों की भूमिका को समाप्त किया है, बल्कि अंतिम पायदान पर बैठे ग्रामीण के लिए सरकारी सेवाओं को उनके दरवाजे पर सुलभ कर दिया है। एआई-आधारित पंचायत गेटवे पोर्टल में ग्राम सचिवालयों को पूरी तरह क्रियाशील और जवाबदेह बनाने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने इस अनूठे डिजिटल सिस्टम को लागू किया है। इसके तहत वित्तीय पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए ग्राम सचिवालयों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फेशियल रिकग्निशन और जियो-फेंसिंग तकनीक लागू की गई है। ग्राम पंचायतों के किसी भी विकास कार्य का डिजिटल भुगतान तब तक नहीं हो सकता, जब तक कि संबंधित सचिव, ग्राम प्रधान या पंचायत सहायक की डिजिटल उपस्थिति सीधे ग्राम सचिवालय परिसर से दर्ज न हो। इससे वित्तीय गबन की संभावनाएं समाप्त हुई हैं और पारदर्शिता को नया आयाम मिला है। ग्राम सचिवालयों में आधार केंद्रों की स्थापना के तहत ग्रामीण नागरिकों, विशेषकर बुजुर्गों, महिलाओं और दिव्यांगों की सहूलियत के लिए उत्तर प्रदेश के ग्राम सचिवालयों को ही आधार नामांकन और अपडेट केंद्रों के रूप में विकसित किया गया है। ग्रामीणों को अब अपने आधार कार्ड में सुधार या नए नामांकन के लिए तहसील या शहरों के चक्कर काटने से मुक्ति मिल गई है। पंचायती राज निदेशालय ने इसके लिए यूआईडीएआई (वकऊअक) से आधिकारिक रजिस्ट्रार के रूप में मान्यता प्राप्त की है। इससे ग्रामीणों का समय और पैसा तो बच ही रहा है, साथ ही पंचायत सहायकों को अतिरिक्त आय के अवसर भी मिल रहे हैं। डिजिटल गवर्नेंस के माध्यम से वित्तीय- पंचायतों को आर्थिक रूप से स्वावलम्बी बनाने के लिए राज्य में डिजिटल राजस्व संग्रह प्रणाली को कड़ाई से लागू किया गया है। मांग सृजन से लेकर तत्काल बैंक मिलान तक की पूरी प्रक्रिया को डिजिटल कर दिया गया है। पारदर्शी व्यवस्था के चलते टैक्स चोरी रुकी है और पंचायतों की खुद की आय में भारी बढ़ोतरी हुई है, जिससे वे स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों के लिए पूरी तरह आत्मनिर्भर हो रही हैं और उन्हें दूसरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ रहा है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को लेकर पंचायती राज मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि ये हम सब के लिए अत्यंत गौरव का क्षण है। केंद्र सरकार की ओर से हमारी तीन योजनाओं को राष्ट्रीय मॉडल के रूप में स्वीकार करना यह दिखाता है कि उत्तर प्रदेश देश में सुशासन की नई परिभाषा लिख रहा है। पंचायती राज विभाग के निदेशक अमित कुमार सिंह ने कहा कि- हम 'विकसित पंचायत से विकसित भारत' के संकल्प को गति देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह राष्ट्रीय सम्मान उत्तर प्रदेश की ग्रामीण शासन व्यवस्था में आए एक क्रांतिकारी बदलाव को रेखांकित करता है, जो आने वाले समय में देश के ग्रामीण परिदृश्य को बदलने में मील का पत्थर साबित होगा।

अर्थव्यवस्था को

अनुभवात्मक प्रदर्शनों के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह परियोजना युवाओं में राष्ट्रसेवा, अनुशासन और देशभक्ति की भावना को और सशक्त करेगी। आगरा में निमार्णाधीन छत्रपति शिवाजी महाराज संग्रहालय की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रनायकों की प्रेरक गाथाओं को नई पीढ़ी तक पहुंचाना राष्ट्रीय दायित्व है। संग्रहालय में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन, स्वराज्य स्थापना, आगरा आगमन, औरंगजेब के दरबार में उनके अदम्य साहस, आगरा से ऐतिहासिक प्रस्थान, राज्याभिषेक, सैन्य नेतृत्व, हिंदवी स्वराज्य, किलों के विकास तथा सुशासन की अवधारणा को आधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि संग्रहालय में मराठा साम्राज्य और उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक संबंधों, काशी विश्वनाथ मंदिर के पुनरुद्धार में अहिल्याबाई होल्कर की भूमिका, तीर्थस्थलों के संरक्षण, प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत, स्वतंत्रता संग्राम के नायकों, ब्रज की संस्कृति को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाए। नैमिषारण्य के समग्र विकास की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि भारत की वैदिक ज्ञान परंपरा, आध्यात्मिक साधना और सांस्कृतिक विरासत का जीवंत केंद्र है। इसके विकास में धार्मिक आस्था, पर्यावरण संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के बीच संतुलन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बैठक में बताया गया कि समग्र मास्टर प्लान के अंतर्गत वेद विज्ञान केंद्र, वेदारण्यम वेलनेस एवं वैदिक थीम पार्क, राजघाट रिवरफ्रंट, व्यास गद्दी, सूत गद्दी, हनुमानगढ़ी, देवदेवेश्वर एवं रुद्रावत मंदिर परिसर, नैमिष हाट, तीर्थयात्री आवास, इंटरप्रिटेशन सेंटर तथा आधुनिक पर्यटन सुविधाओं का विकास प्रस्तावित है। यह भी बताया गया कि इंटरप्रिटेशन सेंटर में वेदों की जन्मस्थली के रूप में नैमिषारण्य की अवधारणा, प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर शो, दशावतार विजुअलाइजेशन तथा पारंपरिक ग्राम्य जीवन के अनुभव को प्रस्तुत किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि कार्ययोजना को मिशन मोड में आगे बढ़ाया जाए। मिजार्पुर-विंध्याचल क्षेत्र के लिए तैयार किए जा रहे इंटीग्रेटेड मास्टर प्लान की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि मां विंध्यवासिनी धाम देश के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक है और इसकी विकास योजना भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार की जानी चाहिए। बैठक में त्रिकोण परिक्रमा क्षेत्र के विकास पर भी चर्चा हुई। यह भी बताया गया कि वर्ष 2050 तक संभावित श्रद्धालु संख्या को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश के शक्तिपीठों के निकट माता सती की पौराणिक कथा का प्रभावी एवं आकर्षक प्रस्तुतीकरण किया जाए तथा इसके लिए निजी क्षेत्र के सहयोग की संभावनाओं का भी उपयोग किया जाए। बैठक में चित्रकूट स्थित प्राचीन सोमनाथ मंदिर के संरक्षण एवं संवर्धन कार्यों की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण हमारी साझा जिम्मेदारी है। संरक्षण कार्यों में मूल स्वरूप, ऐतिहासिक प्रामाणिकता और स्थापत्य विशेषताओं को अक्षुण्ण रखते हुए आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जाए ताकि आने वाली पीढ़ियां भी इन धरोहरों से प्रेरणा प्राप्त कर सकें।

एक पेड़

मुख्यमंत्री पौधरोपण करेंगे। यहां 200 से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। इस कार्यक्रम में वन मंत्री अरुण सक्सेना, प्रभारी मंत्री, प्रमुख सचिव, विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे। इसके पश्चात राज्य के 17 नगर निगमों, 825 विकास खंडों, 762 नगर निकायों एवं सभी ग्राम पंचायतों में यह अभियान पूरे दिन चलेगा। वन विभाग के संयोजकत्व में ग्राम्य विकास, पंचायती राज, कृषि, उद्यान, नगर विकास आदि विभागों के सहयोग से अमृत सरोवर, तालाबों, सड़कों, एक्सप्रेसवे, नदियों, नहरों आदि के किनारे पौधे लगाए जाएंगे। इसमें विद्यालयों, महाविद्यालयों, स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संगठनों आदि की भी सहभागिता होगी।

डीजी फायर

सभी हाईराइज इमारतों, अस्पतालों, होटलों, मॉल और अन्य सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में फायर सेफ्टी व्यवस्थाओं की जांच और गहन परीक्षण कराया जाएगा। फायर विभाग के अनुसार प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाकर सुरक्षा मानकों की समीक्षा की जा रही है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में जनहानि को रोका जा सके। मुख्यमंत्री के निर्देश पर संबंधित विभागों को सुरक्षा मानकों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न करने की चेतावनी दी गई है। डाजी फायर का कहना है कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा, ताकि जरा सी लापरवाही किसी बड़ी दुर्घटना का कारण ना बन जाये।

श्रेयस अय्यर बने टी-20 टीम के कप्तान

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट में एक बड़ा बदलाव हो गया है। श्रेयस अय्यर को टीम इंडिया का नया टी-20 कप्तान बना दिया गया है। अब तक यह जिम्मेदारी सूर्यकुमार यादव के पास थी। 26 जून से आयरलैंड और 1 जुलाई से इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम की कमान श्रेयस अय्यर संभालेंगे। इसके साथ ही सूर्यकुमार यादव के युग का अंत हो जाएगा।

श्रेयस को इंडियन प्रीमियर लीग में कप्तानी का अच्छा खास अनुभव है। इतना ही नहीं श्रेयस की कप्तानी में 2024 में कोलकाता नाइटराइडर्स ने खिताब पर कब्जा जमाया था। फाइनल में केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी थी। श्रेयस की गिनती आईपीएल के सफल कप्तानों में होती है। अय्यर ने आईपीएल

2018 से अब तक 101 मैचों में कप्तानी की है। इस दौरान उनकी टीम ने 55 मैच जीते हैं। उनका जीत प्रतिशत 54.45 है। अय्यर के नेतृत्व में उनकी टीम को 41 मैच में हार का मुंह देखना पड़ा है। साथ ही 2 मैच टाई और 3 बेनतीजा रहे हैं। श्रेयस ने दिल्ली कैपिटल्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स की कप्तानी की है। आईपीएल 2025 में श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली पंजाब किंग्स खिताब से एक जीत दूर रह गई थी। निर्णायक मुकाबले में पंजाब को आरसीबी के हाथों हार मिली थी। आईपीएल 2026 में भी अय्यर के नेतृत्व में आईपीएल ने दमदार शुरूआत की। पहले 7 मैच में फ्रेंचाइजी ने हार का मुंह नहीं देखा था। ऐसे में लगने लगा था कि पंजाब आसानी से प्लेऑफ का टिकट कटा लेगी। हालांकि, इसके बाद पंजाब की किस्मत पलटी और टीम अगले 6 मैच हार गई। आखिरी ग्रुप मैच में जीत के बाद भी पंजाब अंतिम-4 का टिकट नहीं कटा सकी और प्वाइंट्स टेबल में 5वें पायदान पर रही। 19वें सीजन में श्रेयस ने कमाल की बल्लेबाजी की। उन्होंने 14 मैच की 13 पारियों में 498 रन बनाए।

कोहली अफगानिस्तान की वनडे श्रृंखला से बाहर

नयी दिल्ली। भारत के सुपरस्टार बल्लेबाज विराट कोहली हाल में समाप्त हुए आईपीएल के दौरान मांसपेशियों (हैमस्ट्रिंग) में खिंचाव के कारण अफगानिस्तान के खिलाफ 13 जून से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला से बृहस्पतिवार को बाहर हो गए। तीन मैचों की श्रृंखला का पहला मैच 13 जून को धर्मशाला में खेला जाएगा। कोहली को रविवार को अहमदाबाद में खेले गए आईपीएल फाइनल के दौरान चोट लगी थी।

उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने यह मैच जीत कर लगातार दूसरी बार आईपीएल का खिताब जीता था। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, कोहली मांसपेशियों में खिंचाव के कारण वनडे श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। फाइनल के दौरान उन्हें चोट लगी थी। स्कैन से पता चला है कि उनकी डिस्टल सेमीमेम्ब्रेनस टेंडन (घुटने के पीछे की मांसपेशियां) फट गई है। डिस्टल सेमीमेम्ब्रेनस टेंडन का फटना

मांसपेशियों से जुड़ी एक दुर्लभ चोट है जो नसों के उस जाल को प्रभावित करती है जो घुटने के ठीक नीचे मांसपेशियों को पिंडली की हड्डी के अंदरूनी हिस्से से जोड़ती है। अपनी शानदार फिटनेस के लिए मशहूर 37 वर्षीय कोहली ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था। कोहली ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ फाइनल में नाबाद अर्धशतक लगाकर विजयी रन बनाया था। अपने टी20 खेल में कुछ बदलाव करने वाले कोहली ने आरसीबी के विजय अभियान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने एक शतक और पांच अर्धशतक सहित 675 रन बनाए।

कोहली के बाहर हो जाने से आगामी वनडे श्रृंखला की चमक भी फीकी पड़ गई है। भारत के पूर्व कप्तान कोहली अब केवल वनडे प्रारूप में ही खेलते हैं लेकिन अब भी वह दुनिया भर के क्रिकेट प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कोहली की शानदार फिटनेस को देखते हुए ऐसा कभी कभार ही हुआ है जब वह चोटिल होने के कारण किसी मैच या श्रृंखला से बाहर हो गए हों। अब यह देखना बाकी है कि रोहित शर्मा अफगानिस्तान के खिलाफ पूरी श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहते हैं या नहीं। वह भी कोहली की तरह अब केवल वनडे प्रारूप में ही भारत की तरफ से खेलते हैं।

दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बनीं जैस्मिन

प्रिया और विश्वनाथ विश्व रैंकिंग में शीर्ष तीन में, भारतीय मुक्केबाजों ने महिलाओं के 10 में से नौ वजन वर्ग में शीर्ष 10 में बनायी जगह

एजेंसी

नयी दिल्ली। गत विश्व चैंपियन जैस्मिन लंबोरिया नवीनतम विश्व मुक्केबाजी रैंकिंग में महिला 57 किग्रा वर्ग में शीर्ष पर हैं जबकि एशियाई चैंपियशिप के स्वर्ण पदक विजेता प्रिया घंघास (60 किग्रा) और विश्वनाथ सुरेश (50 किग्रा) अपने-अपने वर्ग में शीर्ष तीन में शामिल हैं। भारतीय मुक्केबाजों ने महिलाओं के 10 में से नौ वजन वर्ग में शीर्ष 10 में जगह बनाई है जबकि पुरुषों के 10 में से आठ वजन वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की है। महिला वर्ग में मीनाक्षी 48 किग्रा वर्ग में दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बनीं हुईं हैं जबकि प्रीति पवार 54 किग्रा वर्ग में पांच स्थान के फायदे से तीसरे पायदान पर हैं।

इस साल एशियाई चैंपियनशिप में रजत पदक जीतने वाली जैस्मिन एक स्थान के फायदे से दुनिया की नंबर एक मुक्केबाज बन गईं। विश्व कप की पदक विजेता अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), पूजा रानी (80 किग्रा) और नुपुर (80 किग्रा से अधिक) अपने-अपने वजन वर्ग में दूसरे स्थान पर काबिज हैं। इस साल राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहीं दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) एक स्थान के नुकसान से चौथे स्थान पर हैं। ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) सातवें स्थान पर बरकरार हैं। पुरुष वर्ग में सचिन सिवाच (60 किग्रा) और एशियाई खेलों के पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (90 किग्रा से अधिक) शीर्ष पांच मुक्केबाजों में शामिल हैं।

विश्व कप के स्वर्ण पदक विजेता हितेश गूलिया (70 किग्रा) एक स्थान के नुकसान से छठे जबकि अभिनाश जामवाल (65 किग्रा) आठवें पायदान पर हैं। आकाश (75 किग्रा) और लोकेश (85 किग्रा) भी शीर्ष 10 में शामिल हैं। दोनों आठवें स्थान पर हैं। वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के मामले में भारत अभी तीसरे स्थान पर है। महिला वर्ग में मजबूत ताकत बनकर उभरा भारत दूसरे पायदान पर है जबकि पुरुष वर्ग में चौथे स्थान पर है। महिला वर्ग मे प्रवीन (60 किग्रा) 13वें जबकि अंकुशिता बोरो (65 किग्रा) 11वें स्थान पर हैं। पुरुष वर्ग में अंकुश (80 किग्रा) 11वें जबकि दीपक (70 किग्रा) 12वें स्थान पर हैं। जुगनू (85 किग्रा) 14वें, हर्ष चौधरी (90 किग्रा) 10वें और सुमित (75 किग्रा) तथा कुमार नवीन (90 किग्रा) दोनों 18वें पायदान पर हैं।

मुझे विश्वास है कि भविष्य में योगासन ओलंपिक में जगह बनायेगा : पीएम मोदी

नयी दिल्ली। अहमदाबाद में पहली विश्व योगासन खेल चैम्पियनशिप को योग के नये चरण का शुभारंभ बताते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें विश्वास है कि भविष्य में योगासन ओलंपिक समेत अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में अपनी जगह बनायेगा। अहमदाबाद में पहली विश्व योगासन खेल चैम्पियनशिप की शुरूआत की घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल भाषण में कहा, अहमदाबाद की धरती से विश्व की खेल विरासत में एक और नया अध्याय जुड़ा है। पहली विश्व योगासन चैम्पियनशिप में हिस्सा लेने आये सभी देशों के खिलाड़ियों का भारत में स्वागत करता हूं। उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि भविष्य में योगासन भी अंतरराष्ट्रीय खेलों में अपनी जगह बनायेगा। ओलंपिक हो या बहुखेल आयोजन हो।निश्चित तौर पर अहमदाबाद में होने वाली पहली योगासन विश्व चैम्पियनशिप की इसमें बड़ी भूमिका होगी। अहमदाबाद में हो रही इस चैम्पियनशिप में 60 से अधिक देशों के 400 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। मेजबान भारत ने 122 सदस्यीय दल उतारा है जिसमें खिलाड़ी छह वर्ग में मुकाबला करेंगे। ये खिलाड़ी पांच दिन में व्यक्तिगत और कलात्मक स्पर्धा में अपना कौशल दिखायेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने योगासन खेल के विस्तार को नयी संभावनाओं का सृजनकर्ता बताते हुए कहा, हर बड़ा आयोजन अपने साथ रोजगार के नये अवसर पैदा करता है। जैसे जैसे योगासन खेल का विस्तार होगा, इससे जुड़ी नयी संभावनायें बनेंगी। यह खिलाड़ियों, ट्रेनर, खेल वैज्ञानिक, शोधकर्ताओं और इवेंट मैनेजर्स के लिये भी नये अवसर बनायेगा।

योगासन वर्तमान में आधिकारिक ओलंपिक खेलों का हिस्सा नहीं है। हालांकि इसे वैश्विक खेल के रूप में मान्यता दिलाने के प्रयास तेजी से चल रहे हैं। भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय संस्थायें इसे 2036 ओलंपिक में शामिल कराने के लिए सक्रिय रूप से प्रयासरत हैं जिसकी मेजबानी का भारत इच्छुक है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय विश्व योग दिवस से पहले यह चैम्पियनशिप खेल और फिटनेस की डबल डोज लेकर आई है। उन्होंने कहा, अहमदाबाद यूनेस्को विश्व हेरिटेज सिटी है और भारत के इस ऐतिहासिक शहर में ये आयोजन पूरे देश के लिये गर्व की बात है। यह चैम्पियनशिप ऐसे समय में हो रही है जब पूरी दुनिया 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी में जुटी है। यह अपने आप में खेल और फिटनेस की डबल डोज लेकर आई है।

हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को लगातार दूसरे सप्ताह विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आन से यंग से हार का सामना करना पड़ा जिससे वह गुरुवार को यहां इंडोनेशिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सिंधू पिछले सप्ताह सिंगापुर ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी दक्षिण कोरियाई खिलाड़ी से हार गई थीं। सिंधू ने इंडोनेशिया ओपन के राउंड ऑफ 16 के मुकाबले में टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया और आखिर में 17-21, 14-21 से हार गईं।

इस हार से सिंधू की ओलंपिक चैंपियन के खिलाफ हार का सिलसिला 10 मैच तक बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी अभी तक आन के खिलाफ एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाई है। इस बीच हरिहरन अम्साकरुणन और एमआर अर्जुन की पुरुष युगल जोड़ी ने आरोन ताइ और केंग खाई शिंग की मलेशिया की बेहतर रैंकिंग वाली जोड़ी को हराकर उलटफेर करते हुए पहली बार किसी बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर सुपर 1000 टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

हरिहरन और अर्जुन ने राउंड ऑफ 16 मैच में पहला गेम गंवाने के बाद 16-21, 21-15, 21-19 से जीत दर्ज की। मलेशिया की इस जोड़ी ने ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की स्टार जोड़ी को हराया था।

हरिहरन और अर्जुन की जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद दूसरे गेम में जोरदार वापसी की और मैच को निर्णायक गेम में खींचाा। आखिरी गेम में भारतीय जोड़ी 16-17 से पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने धैर्य बरकरार रखते हुए 48 मिनट में जीत हासिल कर ली। भारतीय जोड़ी अब अगले दौर में सातवीं वरीयता प्राप्त मलेशिया के गोह जे फेई और नूर इज्जुद्दीन से भिड़ेगी। पुरुषों के एकल वर्ग में आयुष शेट्टी को हांगकांग के ली चेउक यिउ के खिलाफ 21-16, 13-21, 14-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू और आन ने पहले गेम के शुरू में एक दूसरे के सामने कड़ी चुनौती पेश की।

एक समय स्कोर 10-10 पर बराबर था। इस दौरान सिंधू ने अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म की झलक दिखाई और कोरियाई खिलाड़ी पर दबाव बनाने में कामयाब रहीं। सिंधू अपने आक्रामक स्ट्रोकप्ले के दम पर 15-14 से आगे निकल गई, लेकिन आन ने अपने खास अंदाज में जवाब देते हुए लगातार अंक हासिल किए और 19-16 की बढ़त बना ली। इसके बाद कोरियाई खिलाड़ी ने लगातार दो अंक जीते और पहला गेम अपने नाम कर लिया।

संक्षेप

भारतीय हॉकी टीम पाक की चुनौती को तैयार

काकामिगाहारा (जापान)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम शुक्रवार को यहां अंडर-18 एशिया कप के सेमीफाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी कमियों से उबरकर जीत दर्ज करने की कोशिश करेगी जबकि महिला टीम चीन के खिलाफ अपने शानदार प्रदर्शन को जारी रखने के लक्ष्य के साथ उतरेगी। भारतीय अंडर-18 पुरुष हॉकी टीम पूल ए में तीन जीत और एक हार के साथ दूसरे स्थान पर रही। भारत ने अब तक अपने अभियान में 32 गोल किए और सिर्फ छह गोल खाए। पुरुष टीम ने टूर्नामेंट की शुरुआत कजाखस्तान के खिलाफ 13-0 की शानदार जीत के साथ की जिसके बाद उसे मेजबान जापान के हाथों 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने कोरिया पर 4-1 की जीत के साथ जोरदार वापसी की और उसके बाद चीनी ताइपे के खिलाफ 13-1 की बड़ी जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

दो साल, कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के बारे में सोचता रहा : प्रज्ञानानंदा

ओस्लो। भारत के स्टार शतरंज खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा ने बृहस्पतिवार को स्वीकार किया कि कैंडिडेट्स टूर्नामेंट नहीं जीत पाने के मलाल से वह उबर नहीं सके क्योंकि उन्होंने इसके लिये काफी मेहनत की थी। बीस वर्ष के ग्रैंडमास्टर प्रज्ञानानंदा इस साल साइप्रस में कैंडिडेट्स टूर्नामेंट खेलने वाले आठ खिलाड़ियों में थे लेकिन खिताब उजबेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने जीता जो विश्व चैम्पियनशिप खिताब के लिये डी गुकेश के चैलेंजर होंगे। प्रज्ञानानंदा सातवें स्थान पर रहे थे। अब उनके पास उस हार को भुलाकर नॉर्वे शतरंज जीतने का मौका है जिसमें वह वेसले सो से दो अंक पीछे तीसरे स्थान पर हैं और अभी दो राउंड बाकी हैं।

पैरा एथलीट की हत्या की सीबीआई जांच चाहती है पीसीआई, खेलमंत्री को लिखा पत्र

नयी दिल्ली। भारतीय पैरालम्पिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझडिया ने पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या की सीबीआई जांच की मांग करते हुए खेलमंत्री मनसुख मांडविया को पत्र लिखकर कहा है कि इस घटना से देश का पैरा खेल जगत सकते में है। त्यागी 30 मई को गाजियाबाद में साई उपवन के समीप मृत पाये गए थे। उत्तर प्रदेश के मुरादनगर के बसंतपुर सेथली गांव के रहने वाले त्यागी राष्ट्रीय स्तर के स्वर्ण पदक विजेता थे और इस साल होने वाले पैरा एशियाई खेलों के लिये क्वालीफाई कर चुके थे। पुलिस ने बताया कि उनकी गोली मारकर हत्या की गई और एक अन्य पैरा एथलीट यश खटिक को इस मामले में हिरासत में लिया गया है। झाझडिया ने तीन जून को खेलमंत्री को लिखे पत्र में कहा, मैं उत्तर प्रदेश के क्लास टी12 (दृष्टिबाधित) पैरा एथलीट चिराग त्यागी की हत्या की ओर आपका त्वरित ध्यान आकर्षित करने के लिये पत्र लिख रहा हूं जिससे समूचा पैरा खेल जगत सकते में है। पत्र में लिखा गया, उनकी मौत से जुड़े हालात गंभीर चिंता पैदा करते हैं, जिनकी निष्पक्ष और गहन जांच होनी चाहिए।

भारत-अफगान वनडे : इकाना स्टेडियम में तैयारियां तेज

खेल संवाददाता

लखनऊ। भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला का दूसरा मुकाबला 17 जून को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच को लेकर उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) ने तैयारियां तेज कर दी हैं और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। गुरुवार को आयोजित प्रेस वार्ता में यूपीसीए के सचिव प्रेम मनोहर गुप्ता ने बताया कि मुकाबले के आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम धर्मशाला में पहला वनडे खेलने के बाद 15 जून की शाम तक लखनऊ पहुंच जाएगी। वहीं अफगानिस्तान की टीम भी इसी दिन शहर में पहुंचने की संभावना है। दोनों टीमें 16 जून को इकाना स्टेडियम में अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी। यूपीसीए के कोषाध्यक्ष सचिन

- 15 जून तक लखनऊ पहुंचेंगी दोनों टीमें

आनंद शुक्ला ने बताया कि जून की भीषण गर्मी को देखते हुए दर्शकों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं। स्टेडियम परिसर में आने वाले दर्शकों को मुफ्त पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि उन्हें गर्मी के दौरान किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने टिकट व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया कि मुकाबले के लिए टिकटों की शुरूआती कीमत 599 रुपये निर्धारित की गई है, जबकि प्रीमियम श्रेणी के टिकट 25000 रुपये तक उपलब्ध होंगे।

फीफा मैत्री मैच में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद के साथ उतरेगा भारत

एजेंसी

हिसोर (ताजिकिस्तान)। पिछले महीने यूनिटी कप में लगातार दो हार से हताश भारतीय फुटबॉल टीम शुक्रवार को यहां फीफा अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में ताजिकिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के इरादे से उतरेगी। भातर ने पिछले साल सीएएफए नेशंस कप में इसी विरोधी के खिलाफ जीत दर्ज की थी। भारत को हालांकि लंदन में यूनिटी कप के दौरान 27 और 30 मई को क्रमशः जमैका (0-2) और जिम्बाब्वे (0-1) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरा मैच भी रविवार को यहीं खेला जाएगा। पिछले साल 29 अगस्त को सीएएफए नेशंस कप के दौरान हिसोर सेंट्रल स्टेडियम में ताजिकिस्तान के खिलाफ भारत की 2-1 की जीत मुख्य कोच खालिद जमील के मार्गदर्शन में भारतीय टीम का पहला मैच था। उस टूर्नामेंट में भारत तीसरे स्थान पर रहा था। टीम ने पेनल्टी शूटआउट में ओमान को हराया था। लेकिन अगले छह मैच में भारत सिर्फ एक बार ही जीत दर्ज कर सका और उसे इस दौरना बांग्लादेश और सिंगापुर जैसी टीम से हार का सामना करना पड़ा।

प्रारूप बदलना आसान नहीं, जमकर किया अभ्यास

एजेंसी

मुल्लांपुर। बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि कम समय में टी20 क्रिकेट से टेस्ट प्रारूप में खेलना आसान नहीं होता है क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को समाप्त हुए अभी एक सप्ताह भी नहीं बीता है और भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट की तैयारी करनी पड़ रही है। आईपीएल में कुलदीप की फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रही और उनका खुद का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा। उन्होंने 12 मैचों में सिर्फ 10 विकेट लिए। अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले कुलदीप ने पीटीआई से विशेष साक्षात्कार में कहा कि पिछले दो सप्ताह से वह क्रिकेट के सबसे बड़े प्रारूप में ढलने के लिए नेट पर अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आईपीएल में खेलने के तुरंत बाद लाल गेंद की क्रिकेट खेलना आसान नहीं होता है। इसके लिए अच्छी तैयारी बेहद जरूरी होती है। सौभाग्य से मुझे समय मिल गया। मैंने कम से कम 10 से 15 दिन लाल गेंद से अभ्यास किया। जियोहॉटस्टार के सहयोग से किए गए इस साक्षात्कार में कुलदीप ने कहा, टी20 में आप हमेशा आक्रामक रहते हैं। आप हमेशा

बल्लेबाज के खिलाफ हमलावर तेवर अपनाते हैं और इसी सोच के साथ खेल में बने रहते हैं। लेकिन टेस्ट क्रिकेट में ऐसा नहीं होता। बल्लेबाज के पास काफी समय होता है। उन्होंने कहा, कुछ खिलाड़ी आईपीएल फाइनल के तुरंत बाद यहां आए हैं। उनके पास तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं है। मुझे उम्मीद है कि उन्होंने अच्छी तैयारी की होगी लेकिन निश्चित तौर पर यह बड़ी चुनौती है।

कुलदीप ने टेस्ट मैच की तैयारी के लिए उसके महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान दिया जिनमें धैर्य बनाए रखना भी शामिल है। उन्होंने कहा, लगातार अच्छी लेंथ पर गेंदबाजी करना महत्वपूर्ण होता है। यह बड़ी चुनौती होती है। रणनीति बहुत मायने रखती है। आप किस कोण से गेंदबाजी कर रहे हैं, क्रीज की किस स्थिति का उपयोग कर रहे हैं, यह सभी बातें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। अगर कुलदीप शनिवार से शुरू होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र मैच में खेलते हैं, तो अपने करियर में पहली बार उनके साथ न तो रविचंद्रन अश्विन (संन्यास ले चुके हैं) और ना ही रवींद्र जडेजा (आराम दिया गया) होंगे।

ईरान को फुटबॉल की जंग में उतरने की चुनौती

अंताल्या। दुनिया भर की दिग्गज फुटबॉल टीमें विश्व कप की तैयारी में जुटी है लेकिन ईरान की टीम के सामने अलग ही चुनौती है जिसे ऐसे देश में जाकर खेलना है जिसका सामना उनका देश रणभूमि में भी कर रहा है। तुर्की में ईरान के अभ्यास शिविर के दौरान टीम के दो सदस्यों ने बताया कि किस तरह युद्ध का असर उनकी तैयारियों पर पड़ा है। विश्व कप 2018 और 2022 में ईरान के लिये खेल चुके मिडफील्डर सईद इजातोलाही ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो यह आसान नहीं है।

सुमित-विवेक ने जीती इंटर कॉर्पोरेट टेनपिन टूर्नामेंट ट्रॉफी

खेल संवाददाता

लखनऊ। सुमित और विवेक की जोड़ी ने लुलु मॉल स्थित फंटूरा बॉलिंग एरिना में आयोजित इंटर कॉर्पोरेट टेनपिन बॉलिंग टूर्नामेंट 2026 के रोमांचक फाइनल में जीत के साथ विजेता ट्रॉफी अपने नाम कर ली। जेके सीमेंट लिमिटेड द्वारा प्रायोजित तथा एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखण्ड (एसोचैम यूपी-यूके) और उत्तर प्रदेश टेनपिन बॉलिंग एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित टूर्नामेंट ने कॉर्पोरेट जगत, उद्यमियों, पेशेवरों और खेल प्रेमियों को एक साझा मंच प्रदान किया। बुधवार को आयोजित टूर्नामेंट का समापन बेहद रोमांचक स्टेप-लैडर फाइनल्स के साथ हुआ। खिताबी मुकाबले में सुमित और विवेक ने 366-330 के संयुक्त स्कोर के साथ प्रियांशु और राजुल को पराजित कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। इससे पूर्व दूसरे एलिमिनेटर मुकाबले में प्रियांशु और राजुल ने सौरभ और इन्द्रजीत को 324-264 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। अंतिम परिणामों में सुमित और विवेक पहले स्थान पर रहे, जबकि प्रियांशु और राजुल उपविजेता बने। सौरभ और इन्द्रजीत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। टूर्नामेंट का समापन देर रात आयोजित भव्य पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ, जिसमें विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

- रोमांचक फाइनल में प्रियांशु-राजुल को हराया, कॉर्पोरेट वेलनेस और खेलों पर भी हुई विशेष चर्चा

टेनिकॉइट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का खाका तैयार

खेल संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में टेनिकॉइट खेल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने और खिलाड़ियों के लिए अधिक अवसर सृजित करने के लक्ष्य के साथ टेनिकॉइट एसोसिएशन ऑफ उत्तर प्रदेश की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) गुरुवार को हुई। इस दौरान प्रदेशभर से जुटे पदाधिकारियों ने खेल के विस्तार, नई प्रतिभाओं को प्रोत्साहन तथा आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारियों को लेकर विचार-विमर्श किया। अवध रीजेंसी कैसरबाग स्थित उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के मीटिंग हॉल में हुई बैठक में प्रदेश में टेनिकॉइट के विस्तार, खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाने तथा आगामी राज्य एवं राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक में उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए पदाधिकारियों और जिला सचिवों ने भाग लिया। वाराणसी, बलिया, मऊ, आजमगढ़, लखनऊ, बाराबंकी, सीतापुर, आगरा, शामली, मिजार्पुर, जौनपुर, अयोध्या, गोंडा, गोरखपुर, सुल्तानपुर कुशीनगर, अम्बेडकरनगर, मुजफ्फरनगर, मथुरा, कानपुर देहात, चंदौली, गौतमबुद्ध नगर, उन्नाव, हरदोई, मैनपुरी, प्रतापगढ़, कानपुर, प्रयागराज, सहारनपुर और मेरठ सहित अनेक जिलों के प्रतिनिधियों ने बैठक में सहभागिता की।

- वार्षिक आम बैठक में खिलाड़ियों के बेहतर अवसरों और खेल विस्तार पर जोर

फ्रेंच ओपन के फाइनल में खेलगा इटली का खिलाड़ी

पेरिस। इटली का एक खिलाड़ी फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के फाइनल में खेलेगा और यह खिलाड़ी यानिक सिनर या लोरेंजो मुसेटी नहीं होगा। फ्लेवियो कोबोली शुक्रवार को अपने हमवतन इतालवी खिलाड़ी माटेओ अर्नाल्डी के खिलाफ खेलेंगे। यह दोनों खिलाड़ी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में खेलेंगे। कोबोली ने फेलिक्स ऑगर-एलियासिमे को 4-6, 6-4, 6-4, 6-4 से हराया।

मुजफ्फरपुर के निजी अस्पताल में लगी भीषण आग, पांच की मौत

जिल संवाददाता

मुजफ्फरपुर (बिहार)। बिहार में मुजफ्फरपुर जिले के हृम्पुरा थानाक्षेत्र में एक निजी अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में बृहस्पतिवार तड़के भीषण आग लगने से कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के शशांक कुमार, कृष्णानंदन सिंह और गीता देवी, शिवहर जिले के उदय कुमार तथा सीतामढ़ी जिले की चंचला वर्मा के रूप में हुई है। नगर आयुक्त ज तुराज सिंह ने कहा, अब तक पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। इससे पहले, मुजफ्फरपुर के जिलाधिकारी सुब्रत कुमार सेन ने बताया था कि सुबह घटना की सूचना मिलने पर मृतकों की संख्या तीन थी। उन्होंने बताया कि आईसीयू में लगभग 13 से 15 मरीजों का इलाज चल रहा था, जिन्हें उनके परिजन अन्य अस्पतालों में ले गए हैं। जिलाधिकारी ने कहा, हम मरीजों के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं। आग पर काबू पा लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्वाई की जा रही है। प्रसाद अस्पताल के प्रशासन के अनुसार, प्रारंभिक तौर पर आशंका है कि शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी और तेजी से फैल गई।

भारत-वेनेजुएला ने लिया ऊर्जा साझेदारी का संकल्प

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत की ओर से अप्रैल से वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद में तेजी आई है

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के साथ व्यापक वार्ता की, जिसमें महत्वपूर्ण खनिजों, फार्मास्यूटिकल, कृषि और ऑटोमोबाइल सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बैठक में दोनों देशों ने अपनी जरूरतों पर आधारित दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी स्थापित करने का संकल्प भी लिया। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारत की ओर से अप्रैल से वेनेजुएला से कच्चे तेल की खरीद में तेजी आई है। यही नहीं, वेनेजुएला भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश बनकर भी उभरा है।

विदेश मंत्रालय में सचिव (पूर्व) रुद्रेंद्र टंडन ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि बैठक में रोड्रिगेज का स्पष्ट संदेश था कि उनका देश भारतीय अर्थव्यवस्था के आकार और इस तथ्य के मद्देनजर भारत को पसंदीदा ऊर्जा भागीदारे के रूप में देखता है कि वह आने वाले कई वर्षों तक ऊर्जा बाजार में एक स्थिर खरीदार बना रहेगा। टंडन ने बताया कि जवाब में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत ऊर्जा संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक है और इसमें अपस्ट्रीम (खोज और उत्पादन) और डाउनस्ट्रीम (शोधन और वितरण) दोनों गतिविधियां शामिल होंगी। उन्होंने कहा वार्ता में मुख्य रूप से ऊर्जा साझेदारी स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वे (वेनेजुएला) भारत को आने वाले कई वर्षों तक एक स्थिर और भरोसेमंद खरीदार के रूप में देखते हैं। इसलिए, भारत और वेनेजुएला के लिए ऊर्जा क्षेत्र में, मिलकर काम करने की पूरी संभावना एवं अनुकूलता है। उन्होंने बताया कि वार्ता में भारतीय पक्ष ने वेनेजुएला पर ओएनजीसी विदेश के 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक के लाभांश बकाये का मुद्दा भी उठाया। टंडन ने एक सवाल के जवाब में कहा यह हमारा पैसा है। वे (वेनेजुएला) इस मुद्दे को लेकर बहुत गंभीर हैं। उन्होंने बताया कि मोदी-रोड्रिगेज की वार्ता में समग्र द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी का अन्य क्षेत्रों में भी विस्तार करने के मुद्दे पर विचार-विमर्श हुआ।

टंडन ने कहा, वेनेजुएला संसाधनों से समृद्ध देश है। वहां केवल खनिज ही नहीं, बल्कि सोना, हीरे और अन्य धातु भी पाए जाते हैं। इसलिए, खनन की अपार संभावनाएं हैं। वास्तव में इस बात पर चर्चा हुई कि उनके पास मौजूद संभावित भंडारों का आकलन कैसे किया जाए या क्या हम इस क्षेत्र में सहयोग कर सकते हैं। उन्होंने इस सवाल का सीधा जवाब देने से परहेज किया कि क्या जनवरी में अमेरिकी सेना की ओर से तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने के बाद वेनेजुएला में हुए सत्ता परिवर्तन पर बैठक में चर्चा हुई। टंडन ने कहा, हम सब जानते हैं कि वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन हुआ था। हम एक ऐसी सरकार के साथ काम कर रहे हैं, जो दोस्ताना रुख रखती है और भारत के साथ साझेदारी चाहती है। हम भी वैसा ही सहयोग देना चाहते हैं।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने ईरान के खिलाफ सैन्य कारवाई रोकने वाले अहम प्रस्ताव को दी मंजूरी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने युद्ध संबंधी शक्तियों से जुड़े एक प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसके तहत ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य कार्वाई को रोकने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान कुछ रिपब्लिकन सांसदों ने तीन महीने से जारी युद्ध को समाप्त करने की दिशा में डेमोक्रेट्स का साथ दिया और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का विरोध किया।

युद्ध ने देश-विदेश की राजनीति को प्रभावित किया है। सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन ने दो सप्ताह पहले सदन की कार्यवाही अचानक स्थगित कर दी थी और इस प्रस्ताव को पारित होने से रोकने की कोशिश की थी।

सॉल्वर बने तो कुर्क होगी संपत्ति

लखनऊ। यूपी में 8 से 10 जून के बीच होने वाली सिपाही भर्ती परीक्षा में 32,679 पदों के लिए 28 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे। बोर्ड ने चेतावनी दी है कि परीक्षा में सॉल्वर बने तो संपत्ति कुर्क होगी। साथ ही एक करोड़ का जुमार्ना और उम्रकैद की भी सजा का प्रावधान है।

विदित हो कि यूपी में 32,679 आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर भर्ती के लिए लिखित परीक्षा 8, 9 एवं 10 जून को प्रदेश के सभी 75 जिलों के 1,183 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। परीक्षा प्रतिदिन दो पालियों में संपन्न होगी।

प्रथम पाली प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दूसरी पाली अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक आयोजित होगी। भर्ती परीक्षा के लिए कुल 28,86,797 आवेदन प्राप्त हुए हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने चेतावनी दी है कि अगर परीक्षा में सॉल्वर बने तो संपत्ति कुर्क होगी। उत्तर प्रदेश सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों का निवारण) अधिनियम-2024 के प्रविधानों के तहत सजा दी जाएगी। साल्वर के पकड़े जाने पर पहली बार में अधिकतम सात वर्ष की सजा और 10 लाख रुपये का जुमार्ना और दूसरी बार पकड़े जाने पर आजीवन कारावास और 50 लाख से एक करोड़ रुपये तक जुमार्ने की सजा का प्रविधान है।

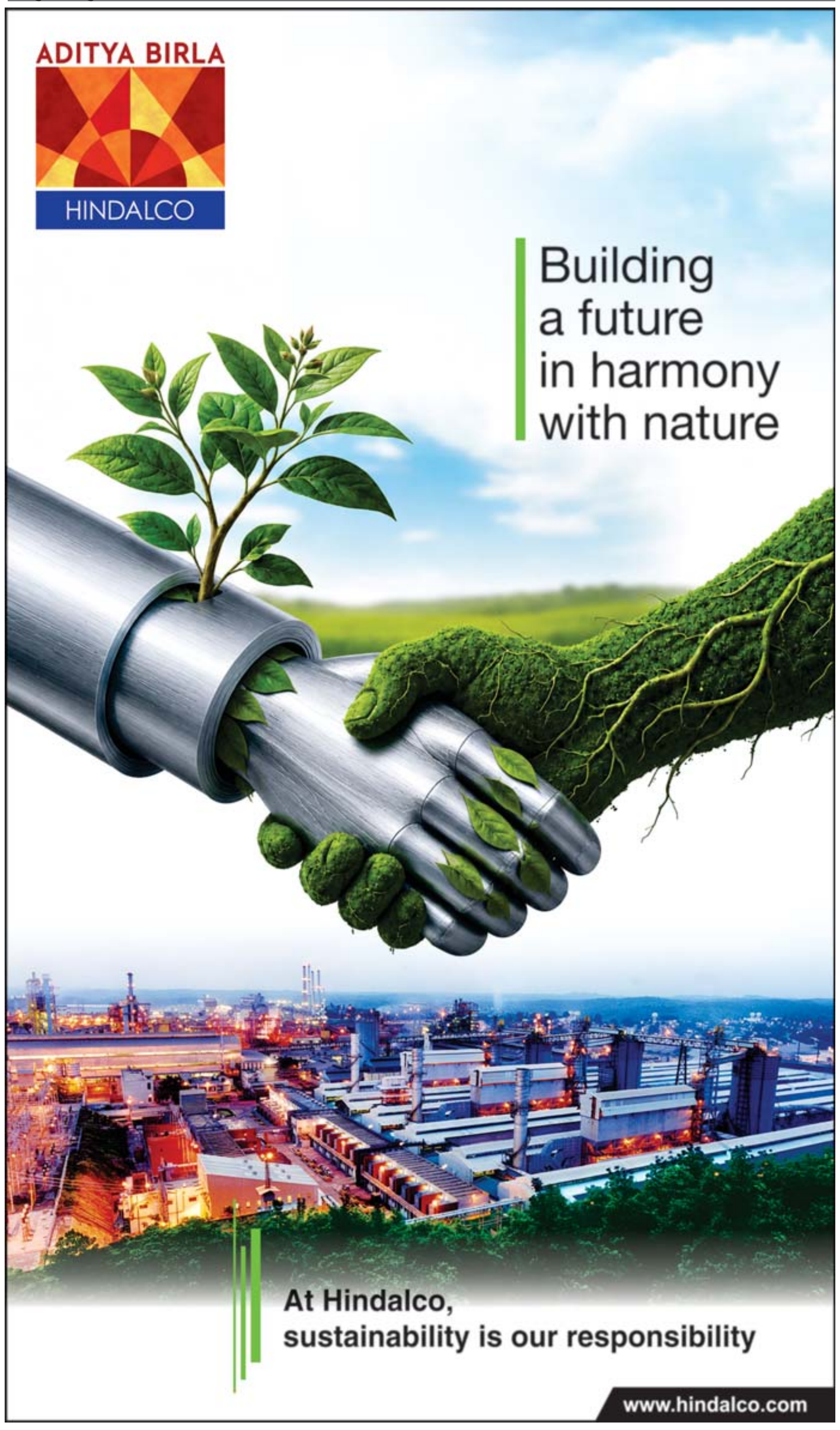

आर.एन.आई.नं.-यू.पी.-हिन/2006/18901 विराज प्रकाशन प्रा.लि. हेतु मुद्रक एवं प्रकाशक आर.के. अग्रवाल द्वारा एक्सप्रेस हाऊस, 1/5, विशाल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ से मुद्रित एवं प्रकाशित। **कार्यकारी सम्पादक : मनोज कुमार बाजपेयी**
(पी.आर.बी.एक्ट के तहत समाचारों के चयन हेतु उत्तरदायी) समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन। फोन कार्यालय : 0522-4059441, 4059442, 4059443 : ई-मेल : voiceoflucknow@gmail.com